THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 16 (निजामाबाद, हैदराबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.1 2082 रविवार, 13 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी निजामाबाद ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 16 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.1 2082 रविवार, 13 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर में सेना का जेसीओ शहीद

श्रीनगर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-जिले के अखनूर में शनिवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा हुआ है। सेना ने इसकी जानकारी दी। वहीं, शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने शुक्रवार देर रात तक 3 आतंकियों को मार गिराया। ऑपरेशन रात से चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल है। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में एलओसी पर आरएस पुरा सेक्टर पर बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था।

राष्ट्रपति पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त

> राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो का अधिकार नहीं > तीन महीने में बिल पर फैसला अनिवार्य

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अपनी तरह के पहले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के राष्ट्रपति के लिए भी समय सीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा।

दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया। शुक्रवार रात वेबसाइट पर अपलोड किए गए ऑर्डर में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 201 का हवाला दिया।

फैसला लेना होगा : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे। उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

ज्यूडिशियल रिव्यू : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्टिकल 201 के तहत राष्ट्रपति का निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर बिल में केंद्र सरकार के निर्णय को प्राथमिकता दी गई हो, तो कोर्ट मनमानी या दुर्भावना के आधार पर बिल की समीक्षा करेगा। अदालत ने कहा कि बिल में राज्य की कैबिनेट को प्राथमिकता दी गई हो और राज्यपाल ने विधेयक को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के विपरीत जाकर फैसला किया हो तो कोर्ट के पास बिल की कानूनी रूप से जांच करने का अधिकार होगा। राज्य को कारण बताने होंगे : सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब कोई समय-सीमा तय हो, तो वाजिब टाइम लाइन के भीतर फैसला करना चाहिए। राष्ट्रपति को बिल मिलने के 3 महीने के भीतर फैसला लेना अनिवार्य होगा। यदि देरी होती है, तो देरी के कारण बताने होंगे। अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति किसी बिल को राज्य विधानसभा को संशोधन या पुनर्विचार के लिए वापस भेजते हैं।

विधानसभा उसे फिर से पास करती है, तो राष्ट्रपति को उस बिल पर फाइनल डिसीजन लेना होगा और बार-बार बिल को लौटाने की प्रक्रिया रोकनी होगी। 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के मामले पर गवर्नर के अधिकार की 'सीमा' तय कर दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा था, 'राज्यपाल के पास कोई वीटो पॉवर नहीं है।'

'रेलवे संपत्तियों में तोड़फोड़ की जांच एनआईए करे'

कोलकाता, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध में जारी विरोध प्रदर्शन जारी हैं। खासकर मुर्शिदाबाद में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ और हिंसा हुई। हंगामे के दौरान रेलवे की संपत्तियों में तोड़फोड़ की गई। अब पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रेलवे की संपत्तियों में तोड़फोड़ की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कराने की मांग की है। शुभेंदु अधिकारी ने इस संबंध में रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। पत्र में शुभेंदु अधिकारी ने वक्फ कानून के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद जिले में रेलवे संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं पर रेलवे मंत्री से ध्यान देने की अपील की।

'लोकतंत्र में विरोध स्वाभाविक, पर कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं'

बंगाल के राज्यपाल की दो टूक

कोलकाता, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने कहा है कि राज्य के कई इलाकों में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कई जगहों पर तोड़फोड़ और हिंसा की घटनाएं भी सामने आई हैं।

लोकतंत्र में विरोध होना स्वाभाविक है, लेकिन अराजकता नहीं। कानून को हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जा सकती। मालदा, मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना समेत राज्य के कई हिस्सों में वक्फ संशोधन कानून के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं। कहीं गाड़ियों को जला दिया जा रहा है, तो कहीं बम फेंके जा रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए राज्यपाल ने विशेष संदेश जारी किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने राज्य प्रशासन के साथ भी इस मुद्दे पर बातचीत की है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को मुर्शिदाबाद के सूती से लेकर दक्षिण 24 परगना के आमतला तक हिंसा और बमबारी की तस्वीरें सामने आईं।

अब मंगली से भी कर सकते विवाह

डॉ. पं. मनीष रावत
पी.एच.डी. (शनि ग्रह)

भारत में विवाह के समय वर-वधू की पत्रिकाओं में मंगल का बहुत विचार किया जाता है। आम तौर पर मंगल के वर मंगल की वधू को ही ठीक समझी जाती है अथवा गुरु और शनि का बल देखा जाता है। आजकल लोग घर में ही कुण्डली सॉफ्टवेयर की मदद से गुण का मिलान कर लेते हैं। कम्प्यूटर द्वारा किया गया मिलान तो सही होता है किन्तु सॉफ्टवेयर मंगल दोष परिहार नहीं कर पाता। ''नारद पुराण'' में मंगल दोष परिहार के अनेक ऐसे बिन्दु उजागर किए गए हैं जहाँ मंगल दोष खत्म हो जाता है और हम लड़का या लड़की को मंगली मान कर अच्छे रिश्ते छोड़ देते हैं।

▶ यदि 1, 4, 7,8, 12वें भाग में कोई पाप ग्रह हो तो मंगल दोष खत्म हो जाता है। ▶ यदि बलवान गुरु, शुक्र, लग्न अथवा सप्तम में हो तो मंगल दोष नहीं रहता। ▶ यदि मंगल पर गुरु या शुक्र की दृष्टि हो तो भी मंगल दोष खत्म हो जाता है। ▶ यदि मंगल नीच शत्रु राशि में हो अथवा अस्त या वक्री हो तो भी मंगल दोष खत्म हो जाता है। ▶ केन्द्र या त्रिकोण शुभ ग्रह तथा 3, 6 भाग में अशुभ ग्रह हो तो भी मंगल दोष खत्म हो जाता है। ▶ मेष या सिंह लगन हो तो मंगल दोष खत्म हो जाता है।

विवाह कब और कहाँ होगा

विवाह का सही समय व दिशा की ज्योतिष आधारित जानकारी देने का नीचे प्रयास किया गया है। आशा है कि इस लेख के पढ़ने के बाद में विवाह से संबंधित अनेक समस्याओं का निराकरण संभव हो सकेगा। ▶ सप्तमेश जिस राशि और नवांश में हो उसके स्वामियों में या शुक्र और चन्द्र में जो अधिक बली है उसकी दशा में सप्तमेश युक्त राश्यंश से त्रिकोण में गुरु आने पर विवाह होगा। ▶ लग्नेश जहाँ हो उसके नवांशेश के ग्रह में जब गुरु जावे तब पर वर या कन्या प्राप्त होवें। ▶ लग्नेश जहाँ हो उसका नवांश स्वामी जहाँ हो उससे दूसरी राशि में चन्द्रमा और गुरु हो तब स्त्री का लाभ हो। ▶ सप्तमेश और शुक्र के घर में जब चन्द्रमा तथा गुरु हो तथा उसके केन्द्र में गोचर का गुरु जब जावे तब विवाह हो। ▶ लग्नेश और सप्तमेश को जोड़कर जो राशि हो इस राशि में जब गोचर का गुरु हो तब विवाह होगा।

विवाह का निश्चित समय जानने के लिए सम्पर्क करें
वास्तु निरीक्षण के लिए समय पहले ले।

NEAR KHAJA MANTION, OPP. GARDEN TOWER,
FIRST LANCER ROAD, MASAB TANK, HYDERABAD

TIMINGS : 11:00 A.M. TO 7:00 P.M.
Cell : 7702620132, 9666475330

सीएम ममता बोलीं-धर्म के नाम पर हिंसा या दंगा न करें, शांति बनाने की भी अपील

कोलकाता, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। नए वक्फ कानून को लेकर देशभर में सियासी गर्माहट तेज है। कई जगहों पर इस कानून के विरोध में हिंसा होने की भी खबरे सामने आ रही है। इसी बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कानून के विरोध में हिंसा को लेकर सभी धर्मों के लोगों से शांति बनाने की अपील किया है।

सीएम बनर्जी ने कहा कि धर्म के नाम पर हिंसा या दंगा न करें। हर इंसान की जान कीमती होती है। राजनीति के लिए समाज को नुकसान पहुंचाना गलत है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ कानून को लेकर हो रहे हिंसा पर अपना रूख साफ किया। उन्होंने कहा कि नया वक्फ कानून पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है, हम नहीं। इसलिए इस पर जवाब भी केंद्र से ही मांगा जाना चाहिए। सीएम ममता बनर्जी ने राज्य में फैले हिंसा के बीच लोगों से सवाल किया कि जब हमने साफ कर दिया है कि यह कानून बंगाल में लागू नहीं होगा, तो फिर दंगा क्यों?, उन्होंने कहा कि जो लोग हिंसा भड़का रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने कुछ राजनीतिक दलों पर धर्म का दुरुपयोग करने का आरोप भी लगाया। सीएम ममता बनर्जी ने सभी धर्मों के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील किया।

'औरंगजेब महाराष्ट्र में ही मराठों से हारा और इसी धरती में दफन किया गया'

रायगढ़, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में पहुंचे। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री ने शिवाजी महाराज की वीरता को नमन किया। उन्होंने कहा कि खुद को आलमगीर कहने वाला औरंगजेब जीवन भर महाराष्ट्र में मराठों के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहा। वह मराठों से हारा और इसी धरती में दफन किया गया। औरंगजेब की समाधि इसी धरती पर है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि शिवाजी महाराज महाराष्ट्र तक सीमित नहीं हैं। उनकी एकता की विरासत देश के लिए प्रेरणा है। शिवाजी महाराज के स्वधर्म और स्वराज्य के आदर्श स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि वे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्य तक सीमित न रखें। उनकी जबरदस्त इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प और साहस देश को प्रेरित करते हैं क्योंकि उन्होंने रणनीतिक रूप से समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया। शिवाजी महाराज ने मुगलशाही को हराया था। अमित शाह ने कहा कि न तो भाग्य छत्रपति शिवाजी महाराज के साथ था, न ही अतीत उनके साथ था, न ही उनके पास पैसा था और न ही सेना थी। एक बच्चे ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प से पूरे देश को स्वराज का मंत्र दिया। कुछ ही समय में उन्होंने 200 साल पुरानी मुगल हुकूमत को चकनाचूर कर दिया और देश को आजाद कराया। उन्होंने कहा कि आज आजादी के 75 साल बाद हम दुनिया के सामने सिर ऊंचा करके खड़े हैं। हम संकल्प लेते हैं कि जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तो हमारा भारत दुनिया में नंबर वन होगा।

यह शिवाजी महाराज का भी सपना था। महान मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्श भारत को अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाने और महाशक्ति बनने की यात्रा के लिए प्रेरित करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार शिवाजी महाराज के आदर्शों पर काम करती है। गृह मंत्री ने रायगढ़ किले को एक पर्यटन स्थल के बजाय भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने स्वधर्म की रक्षा और स्वराज्य की स्थापना के बीज बोने का श्रेय शिवाजी महाराज की मां जीजाबाई को दिया।

शुभेंदु ने की केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग

गिरिराज बोले-राज्य से भाग रहे हिंदू

कोलकाता, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा को लेकर सियासत तेज हो गई है। वक्फ संशोधन कानून के विरोध में हुई हिंसा से निपटने के लिए बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने धारा 355 लागू करने और केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की। वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीएम ममता बनर्जी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को राज्य से भागने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि पश्चिम बंगाल में विरोध प्रदर्शन के नाम पर कट्टरपंथियों के एक खास समूह द्वारा बड़े पैमाने पर हिंसा, अराजकता फैलाई जा रही है। ये लोग जिन्होंने साफ तौर पर कहा है कि वे भारत के संविधान के खिलाफ हैं और देश के कानून का विरोध करेंगे, सड़कों पर उतर आए हैं। सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को मनमाने ढंग से नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आम लोगों को कट्टरपंथियों की इन क्रूर भीड़ पर छोड़ दिया गया है। इससे सार्वजनिक सुरक्षा से समझौता किया गया है। प्रशासन ने इस उत्पात को नियंत्रित करने के लिए मुर्शिदाबाद जिले में बीएसएफ कर्मियों की तैनाती की मांग की है। उन्हें अन्यत्र केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करने से कौन रोक रहा है?

अधिकारी ने कहा कि मैं बंगाल के मुख्य सचिव, गृह विभाग के सचिव को सुझाव दूंगा कि वे अपना अहंकार त्याग दें। साथ ही भारत सरकार के गृह मंत्रालय से संपर्क करें। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने में केंद्र सरकार से सहायता की मांग की, जो हाथ से बाहर होती जा रही है। मुर्शिदाबाद, दक्षिण और उत्तर 24 परगना, हुगली, मालदा, बीरभूम जिलों के कई पुलिस स्टेशनों के अंतर्गत आने वाले बड़े इलाकों में अनुच्छेद 355 लागू करना जरूरी हो गया है। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में स्थित रेलवे स्टेशनों पर हुई तोड़फोड़ की घटनाओं की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने की मांग की।

केंद्रीय मंत्री ने सीएम ममता को घेरा

मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीएम ममता बनर्जी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को राज्य से भागने पर मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों के साथ ही हिंदुओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी ममता बनर्जी की है। मुर्शिदाबाद हिंसा से लगता है कि हिंदुओं को राज्य से भागने पर मजबूर किया जा रहा है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार अराजकता को रोकने में असमर्थ है या अनिच्छुक है। जिस तरह से राज्य में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाया जा रहा है और वहां की सरकार कुछ नहीं कर रही है, यह चिंताजनक है। राज्य सरकार को हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। इससे मुख्यमंत्री के कामकाज पर सवाल उठता है। क्या राज्य सरकार चुपचाप देखकर ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा दे रही है?

आईएएस अधिकारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए एसआईटी गठित

नगालैंड पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कोहिमा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। नगालैंड पुलिस ने राज्य के एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के खिलाफ यौन और मानसिक उत्पीड़न के आरोप में एफआईआर दर्ज किया है। इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। अधिकारी पर नगालैंड निवेश एवं विकास प्रधिकरण (आईडीएएन) की कई महिला कर्मचारियों के साथ यौन और मानसिक उत्पीड़न का आरोप है। पुलिस मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार नगालैंड राज्य महिला आयोग (एनएससीडब्लू) की अध्यक्ष न्गिनयेह कोन्याक ने 17 मार्च को पुलिस महानिदेशक को एक लिखित शिकायत दी थी। यह शिकायत आईडीएएन की कुछ महिला कर्मचारियों की ओर से दी गई थी। इन महिलाओं ने आरोप लगाया है कि अधिकारी ने वेतन बढ़ाने और नौकरी की सुरक्षा के बदले उनसे शारीरिक संबंध बनाने की मांग की।

जांच में जुटी एसआईटी

बता दें कि नगालैंड पुलिस ने 5 अप्रैल को एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में एसआईटी बनाई है, जो इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। इससे पहले महिला आयोग ने 5 मार्च को इन महिला कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए। इसके बाद 25 मार्च को जांच के लिए एक महिला डीएसपी को जिम्मेदारी सौंपी गई।

डीएसपी ने 1 अप्रैल को अपनी रिपोर्ट में बताया कि आरोपों में प्रथम दृष्टया सच्चाई नजर आ रही है और मामले की गंभीर जांच होनी चाहिए। इसके बाद 2 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की गई। गौरतलब है कि यह आईएएस अधिकारी पहले भी विवादों में रह चुके हैं। साल 2021 में, जब वह नोकलाक जिले में डिप्टी कमिश्नर थे, तब उन पर दो नाबालिग घरेलू सहायिकाओं के साथ छेड़छाड़ का मामला दर्ज हुआ था।

दिग्गी बोले-तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया कांग्रेस ने शुरू की थी

भोपाल, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को लेकर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने बड़ा बयान दिया है। सिंह ने कहा कि इस पूरे मामले की नींव कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में रखी थी और मौजूदा केंद्र सरकार इसका श्रेय नहीं ले सकती। दिग्विजय सिंह ने कहा कि तहव्वुर राणा 26/11 हमलों में शामिल था और उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तभी संभव हो सकी जब यूपीए सरकार ने समय रहते उसकी भूमिका को जांच में शामिल किया और उसे अमेरिका में गिरफ्तार करवाया गया। 14 साल की सजा पूरी करने के बाद अब उसे भारत लाया गया है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी या उनकी सरकार का कोई योगदान नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी गंभीर कार्रवाइयों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और जो भी सरकारें देशहित में कदम उठाएं, उन्हें ईमानदारी से श्रेय मिलना चाहिए। बता दें 26/11 हमले के सिलसिले में तहव्वुर राणा को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया था। उसे हाल ही में भारत प्रत्यर्पित किया गया है, जिसे लेकर केंद्र सरकार ने इसे बड़ी कूटनीतिक जीत बताया है। लेकिन कांग्रेस का कहना है कि यह कार्रवाई उन्हीं की सरकार के समय शुरू की गई प्रक्रिया का परिणाम है। इससे पहले भी कांग्रेस ने विभिन्न सुरक्षा मामलों में केंद्र सरकार पर श्रेय लेने के आरोप लगाए हैं। तहव्वुर राणा, जो पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक हैं, पर 26/11 हमलों की साजिश रचने, हत्या, आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने और जालसाजी के गंभीर आरोप हैं। राणा को गुरुवार को भारत लाया गया और दिल्ली की अदालत ने उसे 18 दिनों की एनआईए हिरासत में भेज दिया। जांच एजेंसी का कहना है कि राणा की भूमिका केवल मुंबई तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह अन्य भारतीय शहरों में भी बड़े पैमाने पर आतंकी हमलों की योजना बना रहा था।

धूलभरी आंधी के चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी

200 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले, 50 का रूट डायवर्ट

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में शुक्रवार देर शाम चली धूलभरी आंधी की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशल एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स ऑपरेशन में देरी हुई। यह स्थिति शनिवार सुबह करीब 7 बजे तक बनी रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देर शाम से शनिवार सुबह तक 205 से ज्यादा फ्लाइट्स टाइम से डिले हो गईं और 50 से ज्यादा फ्लाइट्स का रूट डायवर्ट करना पड़ा।

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, अधिकतर फ्लाइट्स में औसतन एक घंटे की देरी हुई। फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित होने के चलते एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में यात्री जमा हो गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यात्रियों को लंबा इंतजार और बार-बार चेकिंग जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद एयर इंडिया और इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइनों ने X पर यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने नए वक्फ कानून को बताया मुस्लिम हित में

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार में मंत्री और आरएलडी के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने शनिवार को तहव्वुर राणा, पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा, वक्फ कानून और जातिगत जनगणना समेत तमाम कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। जयंत ने कहा कि, पूरे देश को एनडीए की नीतियों और उनके काम पर विश्वास है। हम एआईएडीएमके के साथ मिलकर तमिलनाडु में भी एनडीए की सरकार बनाएंगे।

आतंकी तहव्वुर मामले पर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि कांग्रेस नेता जो बयान दे रहे है उनको नहीं मालूम कि वह कितनी सेंसिटिव बातें कर रहे है। कनाडा ने तहव्वुर को संरक्षण दिया। उसे भारत लाया गया है और पूछताछ हो रही है। इसमें किसी को क्या दिक्कत हो रही है। जो भी संभव हो पाया है वह सब भारत सरकार के काम का ही नतीजा है।

पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा पर मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सरकार अगर सही समय पर निपटती तो ये सब नहीं होता। इससे साफ होता है कि इस हिंसा में राज्य सरकार की शह है।नए वक्फ बिल पर जयंत चौधरी ने कहा, लोकतंत्र की प्रक्रिया के तहत ये बिल पास हुआ है। मदनी साहब भी ये समझते है। इसलिए किसी उत्तेजना में आकर फैसला न लें इस बिल को लेकर लोगों को भड़काया गया। सरकार ने बहुत होमवर्क के बाद ये कानून बनाया है। इसको वक्त दें। ज़मीन पर इसका पॉज़िटिव प्रभाव दिख रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने जयंत चौधरी ने जातिगत जनगणना के सवाल पर कहा कि, यह बहुत जटिल मुद्दा है। लेकिन कांग्रेस की ये बात समझ से परे है कि जातिगत जनगणना से सब बदल जायेगा। पता नहीं क्यों ये लोग इस तरह की बातें कर रहे हैं। वहीं, सड़क पर नमाज पढ़ने और यूपी पुलिस की कार्यशैली को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा, मुसलमानों को लेकर मेरे सवाल और ट्वीट इसी तरह जारी रहेंगे, पुलिस को सुधारा जाना चाहिए। बाकी कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य सरकार की हैं।

'प्रदेश के लोग विश्वासघाती गठबंधन को बर्दाश्त नहीं करेंगे'

एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन पर बरसे स्टालिन

चेन्नई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भाजपा और एआईएडीएमके के गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे विश्वासघाती गठबंधन बताया और कहा कि राज्य के लोग इसे कभी भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। गौरतलब है कि तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके फिर से भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में शामिल हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को एलान किया कि राज्य में अगला विधानसभा चुनाव पलानी सामी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

'यह हार का गठबंधन'

डीएमके प्रमुख स्टालिन ने भाजपा-एआईएडीएमके के गठबंधन पर बयान जारी कर कहा कि 'यह हार का गठबंधन है। तमिलनाडु के लोगों ने इन्हें बार-बार हराया है, लेकिन इसके बावजूद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस असफल गठबंधन को फिर से जिंदा करने में जुटे हैं। अमित शाह ने ये नहीं बताया कि ये गठबंधन क्यों बनाया गया और इस गठबंधन का वैचारिक आधार क्या है। बस वे साझा न्यूनतम कार्यक्रम बनाने की बात कह रहे थे।' एआईएडीएमके पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने कहा कि 'एआईएडीएमके ने हिंदी थोपने, तीन भाषा नीति और वक्फ कानून के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा और न ही उन्हें कुछ बोलने दिया गया।'

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा

स्टालिन ने कहा कि डीएमके सिर्फ पार्टी नहीं बल्कि आंदोलन है, जो लोगों के अधिकारों, भाषाई अधिकार और तमिल संस्कृति की रक्षा के लिए है। तमिलनाडु सीएम ने भाजपा और एआईएडीएम पर सत्ता की भूखी पार्टियां होने का आरोप लगाया। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा और एआईएडीएमके को घेरते हुए स्टालिन ने कहा कि अमित शाह ने एआईएडीएमके के साथ मंच साझा करते हुए भ्रष्टाचार की बात की और यह तमिलनाडु के लोगों के लिए हंसने की बात है।

उन्होंने दिवंगत नेता जयललिता पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। डीएमके चीफ ने आरोप लगाया कि भाजपा व्यवस्थागत तरीके से तमिलनाडु को हर मोर्चे पर तबाह करने की कोशिश कर रही है। तमिलनाडु में साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने है। भाजपा तमिलनाडु में अपना प्रदर्शन सुधारने की कोशिशों में जुटी है। लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को तमिलनाडु में बुरी हार का सामना करना पड़ा था।

गर्लफ्रेंड को ट्रॉली बैग में छुपाकर लाया स्टूडेंट

जिंदल यूनिवर्सिटी के बॉयज हॉस्टल में ले जा रहा था; सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा

सोनीपत, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में एक स्टूडेंट गर्लफ्रेंड को ट्रॉली वाले ट्रैवल बैग के अंदर छुपाकर ले आया। वह सिक्योरिटी से छुपाकर उसे बॉयज हॉस्टल में ले जा रहा था। हालांकि गेट पर चेकिंग के दौरान वह पकड़ा गया। हालांकि जब गेट पर सिक्योरिटी ने जांच की तो उसके अंदर से युवती निकली। जिसका वीडियो भी सामने आया है। उसमें बैग की चेन खोलने के बाद युवती बैग से बाहर निकलते हुए दिख रही है। यह मामला सोनीपत की नरेला रोड स्थित ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी का है। शुरुआती जानकारी में पता चला कि जो स्टूडेंट बैग लेकर आया, यह उसी की गर्लफ्रेंड थी। युवती भी इसी यूनिवर्सिटी में पढ़ती है। उसके साथ 2 और लड़कियां भी थीं।

गर्लफ्रेंड से मिलने का मौका नहीं मिल रहा था

बता दें कि यूनिवर्सिटी में बने बॉयज हॉस्टल में किसी भी लड़की को आने-जाने की परमिशन नहीं है। यूनिवर्सिटी सोर्सेज के मुताबिक स्टूडेंट अपनी गर्लफ्रेंड से मिलना चाहता था, लेकिन उसे मौका नहीं मिल रहा था। इसलिए उसने गर्लफ्रेंड को साथ रखने के लिए यह आइडिया अपनाया। वह चोरी छिपे गर्लफ्रेंड को अपने साथ ही बॉयज हॉस्टल में रखना चाहता था। फिर इसी तरह ट्रैवल बैग में ही उसे बाहर निकाला जाना था।

ऐसे सिक्योरिटी की पकड़ में आई युवती

यूं तो स्टूडेंट का प्लान लगभग सिरे चढ़ गया था। वह बैग को गेट के अंदर तक ले आया था। गेट पर उसने कहा कि इसके भीतर सामान है। हालांकि जब रास्ते में स्टूडेंट ट्रैवल बैग को खींचकर ले जा रहा था तो वह अचानक अटक गया और झटका लगने से अंदर छुपी युवती की चीख निकल गई। इससे वहां तैनात सिक्योरिटी गार्ड को शक हो गया। पहले तो स्टूडेंट कहता रहा कि इसके भीतर सामान है लेकिन शक के आधार पर बैग की तलाशी लेने से पूरा राज खुल गया। इस बारे में ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी की चीफ कम्युनिकेशन अफसर अंजू मोहूं ने कहा कि हमारी सिक्योरिटी बहुत ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। इसलिए इन्हें मौके पर ही पकड़ लिया गया। यूनिवर्सिटी में हर जगह मेटल डिटेक्टर लगे हुए हैं।

बंदूक की नोक पर कोई सौदा नहीं : पीयूष गोयल

"व्यापार वार्ता तभी आगे बढ़ती है जब दोनों पक्ष एक-दूसरे की चिंताओं और आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील होते हैं।

पीयूष गोयल
केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि हम कभी भी बंदूक की नोक पर बातचीत नहीं करते। अच्छे समय की कमी हमें जल्दी बातचीत के लिए प्रेरित करती है, लेकिन जब तक हम अपने देश और अपने लोगों के हितों को सुरक्षित नहीं कर लेते, तब तक हम किसी भी सौदे में जल्दबाजी नहीं करते हैं।

दिल्ली में इटली-भारत व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम में गोयल ने भारत-अमेरिका के बीच व्यापारिक चर्चा पर यह बात कही। उन्होंने कहा- अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन और दुनिया भर के कई अन्य देशों के साथ भारत की व्यापार वार्ता इंडिया फर्स्ट की भावना के साथ अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं। अमृत काल में 2047 तक विकसित भारत के लिए हमारा रास्ता तय कर रही हैं। दरअसल, भारत और अमेरिका ने अपने व्यापार समझौते के पहले फेज को सितंबर-अक्टूबर तक अंतिम रूप देने का लक्ष्य रखा है, जिसमें 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 191 बिलियन अमेरिकी डॉलर से दोगुना करके 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। एक अन्य कार्यक्रम कार्नेगी ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट में बोलते हुए विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा- अमेरिका बहुत महत्वाकांक्षी रहा है, वैश्विक परिदृश्य पिछले साल के मुकाबले बहुत अलग है। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता बहुत चुनौतीपूर्ण है। हम इस बार हाई लेवल की तैयारी के साथ हैं। उन्होंने कहा-जब मैं व्यापार सौदों को देखता हूं, तो मेरा मतलब है कि इसका श्रेय मुझे सीधे नहीं जाता है, लेकिन हमें एक-दूसरे के साथ बहुत कुछ करना है।

युवक की ससुराल में मौत, पत्नी-सास और ससुर ने दिया जहर; पांच पर केस दर्ज

चंडीगढ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के टोहाना के गांव अमानी के रहने वाले 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों ने उसकी पत्नी, सास, ससुर और दो सालों पर बेटे की मौत का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान गुरजीत के तौर पर हुई है। उसके शव को नागरिक अस्पताल टोहाना के शवगृह में रखा गया है। वहीं, सूचना पुलिस को दे दी है। मृतक के पिता नानक ने बताया कि उसके बेटे गुरजीत (22) का विवाह करीब डेढ़ साल पहले उचाना के गांव तरखा निवासी रीना के साथ हुआ था। शादी के बाद से उसके ससुराल पक्ष के लोग उसके बेटे को परेशान करते थे। गुरजीत के घर जब बेटी का जन्म हुआ तो उसके ससुराल पक्ष के लोग आए और गुरजीत की पत्नी को साथ ले गए। शुक्रवार को उसकी सास ने फोन करके गुरजीत को बुलाया और शाम को फोन करके कहा उसके बेटे ने जहरीला पदार्थ खा लिया है, जिसके बाद उसके गुरजीत को अस्पताल ले गए जहां उसके उसे मृत घोषित कर दिया गया।

खबरें जरा हटके

शख्स ने पांच दिनों में गिन डाले अपने सिर के सभी बाल, संख्या जानकर नहीं होगा यकीन

बचपन में हम सभी ने कुछ ऐसी कहानियां सुनी हैं, जिनमें बाल गिनना सबसे मुश्किल काम बताया जाता था। इन कहानियों में जिन्न जैसे ताकतवर प्राणी भी इस काम से परेशान हो जाते थे। माना जाता था कि बाल गिनना इतना जटिल और समय लेने वाला है कि इसे कोई आसानी से पूरा नहीं कर सकता। लेकिन सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स ने अपने सिर के सारे बाल गिनने का दावा किया है। हैरानी की बात यह है कि इस वीडियो को 1.4 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इस काम को करने के लिए शख्स को 5 दिन का समय लगा है। इस वीडियो में शख्स, जो सोशल मीडिया पर कंट्रीमैन के नाम से जाना जाता है, ने अपने सिर के सभी बाल गिन डाले हैं। उसने सबसे पहले अपने बालों को गीला किया और फिर ट्रिमर से सिर को पूरी तरह मुंडवा लिया। गिरे हुए बालों को उसने बड़े ध्यान से इकट्ठा किया और गिनती शुरू कर दी। हिसाब रखने के लिए उसने पत्थरों को अस्थायी गिनती उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया। हर हजार बालों के लिए उसने एक पत्थर प्लेट में रखा, ताकि अंत में सही संख्या का पता चल सके। शख्स ने वीडियो में यह भी बताया है कि इस काम में उसे प्रतिदिन 10 से 12 घंटे लग रहे हैं।

दूसरे दिन उसने गूगल पर खोजा और उसे एहसास हुआ कि शायद ही किसी ने पहले ऐसा कुछ करने की कोशिश की है। इसलिए शख्स रिकॉर्ड को दर्ज कराने के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को ईमेल भी किया लेकिन वहां बात नहीं बन पाई। ऐसे में वो पांच दिनों तक ऐसे ही गिनती करता रहा और पांचवें दिन तक उसने 91 पत्थर गिने, जो उसके हिसाब से 91,300 बालों के बराबर थे। लेकिन रिकॉर्ड बनाने का सपना पूरा नहीं हुआ।

गर्मी से राहत पाने के लिए शख्स ने पंखे से बना दिया एसी, वायरल वीडियो देख फटी रह गईं लोगों की आंखें

जैसे ही गर्मी का मौसम आता है, लोगों का सामना सबसे पहले चिलचिलाती धूप से होती है। लोगों का बाहर निकलना तक मुश्किल हो जाता है। इसी तरह अब गर्मी का मौसम अब अपने पूरे तेवर में आ चुका है। बाहर कदम रखते ही सूरज की तपिश ऐसी लगती है जैसे किसी ओवन में घुस गए हों। एसी और कूलर भी कई बार इस चिलचिलाती गर्मी के आगे हार मान लेते हैं। ऊपर से हर कोई इन्हें खरीद या चला नहीं सकता या यूं कहें कि बिजली का बिल देखकर ही पसीना आ जाता है। अब हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक शख्स ने एक साधारण टेबल फैन को ऐसा जुगाड़ लगाया कि वो बन गया ठंडी हवा उड़ाने वाला देसी 'एसी'। आइए जानते हैं कि वीडियो में क्या दिखाया गया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

वीडियो में देखा जा सकता है कि शख्स एक टेबल फैन को लेता है और उसका फ्रंट कवर खोल देता है। फिर वो एक प्लास्टिक बोतल को काटकर उसके आगे एक मोटा पाइप फिट करता है। अब ये पाइप सीधे जुड़ा होता है एक थर्माकोल के डिब्बे से, जिसमें वह भर देता है बर्फ के टुकड़े। इसके बाद वो पाइप का दूसरा सिरा पंखे के सामने अच्छे से सेट कर देता है। जब पंखा चालू होता है, तब पाइप से होकर बर्फ वाली ठंडी हवा खिंचती है और फैन से होकर बाहर आती है, बिल्कुल एसी जैसी कूलिंग के साथ।

अंतिम संस्कार के समय हुई बड़ी घटना, कब्र में समा गया पूरा परिवार

सोशल मीडिया पर आए दिन कुछ ऐसे वीडियोज वायरल होते रहते हैं, जिसे देख हम खुद हैरान हो जाते हैं और समझ नहीं पाते हैं कि आखिर ऐसा क्यों हुआ है। ऐसे वीडियोज को देखकर काफी दुख भी होता है। अब हाल ही में, फिलाडेल्फिया से आई एक खबर ने दुनियाभर में लोगों को हैरान कर दिया है। एक नॉर्मल सा अंतिम संस्कार, जो मृतक को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया गया था अचानक एक दिल दहला देने वाले हादसे में तब्दील हो गया। ये घटना इतनी अजीब थी कि जिसने भी इसका वीडियो देखा, दंग रह गया। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। आइए जानते हैं कि वीडियो में क्या दिखाया गया है। इस वीडियो के पीछे की कहानी यह है कि 21 मार्च को बेंजामिन एविलेस का दिल से जुड़ी बीमारी के कारण उनके घर पर निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार 29 मार्च को हुआ और उन्हें ग्रीनमाउंट कब्रिस्तान में दफनाया जाना था। रस्में पूरी हो चुकी थीं, प्रार्थनाएं हो चुकी थीं और अब वक्त था उन्हें अंतिम विश्राम स्थल तक पहुंचाने का। लेकिन जैसे ही ताबूत को कब्र की ओर ले जाया गया, जमीन ने धोखा दे दिया। वायरल हो रहे वीडियो में दिखाया गया है कि अचानक कब्र धंस गई, और ताबूत के साथ उसमें गिर पड़ा पूरा परिवार। जो लोग उन्हें दफनाने आए थे, वो खुद कब्र में जा गिरे। इस डरावनी घटना में कई लोगों को चोटें आईं। किसी के हाथ में चोट लगी, किसी की पीठ में। चीख-पुकार मच गई, अफरातफरी फैल गई, और कुछ ही सेकंड में माहौल मातम से त्रासदी में बदल गया। इस हादसे में सबसे बुरी हालत मृतक के बेटे बेंजामिन की हुई, जो ताबूत के ठीक नीचे दब गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 13 अप्रैल, 2025 3

सुविचार: लोग कुछ नई चीज देख कर उसके पीछे तो भागते है पर सफल धैर्यवान व्यक्ति ही होता हैं।

राज्यपाल ने छात्रों से सच्चे नेता के गुणों को अपनाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने छात्रों से प्रभावी नेतृत्व के प्रमुख गुणों को अपनाने का आग्रह किया, जिसमें ज्ञान की खोज, नैतिक अखंडता, अनुकूलनशीलता, दृढ़ संकल्प, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना शामिल है। एक इंस्टीट्यूशंस का दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। राज्यपाल ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और नैतिक नेतृत्व, आजीवन सीखने और जवाबदेह उद्यमिता के महत्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक भाषण दिया। उन्होंने सुंदर पिचाई, इंद्रा नूयी और नारायण मूर्ति जैसी प्रसिद्ध भारतीय हस्तियों को प्रेरक उदाहरण के रूप में उल्लेख किया। कार्यक्रम के दौरान, जिष्णु देव वर्मा ने पीजीडीएम कार्यक्रम से ए हिंदवी (2022), एस शिवानी (2023), पी हिमावती (2024) और पीजीडीएम (एआई एंड

डीएस) कार्यक्रम से रितिका नितिन कुलकर्णी (2024) को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। अशोक समूह के अध्यक्ष, अशोक नोमुला ने सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया और स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए भारत में व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एएसबी की प्रभावशाली वृद्धि की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में, ईरान के महावाणिज्यदूत महदी शाहरोखी ने भारत और ईरान के बीच सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों से सीमा पार उद्यमशीलता और शैक्षिक अवसरों का पीछा करने का आग्रह किया, आज के वैश्वीकृत वातावरण में प्रभावी युवा नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला। डेलोइट कंसल्टिंग के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने कॉर्पोरेट जगत के लिए प्रमुख प्रथाओं के बारे में स्नातक वर्ग को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने अपने करियर में स्थायी सफलता प्राप्त करने के लिए मौलिक तत्वों के रूप में ईमानदारी, अनुकूलनशीलता और मजबूत संचार के महत्व पर जोर दिया। निदेशक डॉ. वाई लक्ष्मण कुमार ने अकादमिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें एएसबी में विशिष्ट कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला गया, जैसे दुबई में ग्लोबल इमर्शन प्रोग्राम, व्यावसायिक सिमुलेशन के माध्यम से अभिनव शिक्षण विधियों का उपयोग और 100 से अधिक प्रकाशनों वाला उल्लेखनीय शोध आउटपुट। कुल 97 छात्रों ने अपने पीजी डिप्लोमा प्राप्त किए, जिनमें 45 महिलाएं शामिल थीं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विशेषज्ञताओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।इस वर्ष उल्लेखनीय भर्तीकर्ताओं में टेक महिंद्रा, एचडीएफसी, आईबीएम, ईवाई, जेनपैक्ट, मैजिक ब्रिक्स और बजाज फाइनेंस शामिल थे, जिनका उच्चतम पैकेज 14.5 एलपीए और औसत 6.5 एलपीए रहा। इससे पहले राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने नए परिसर के मास्टर प्लान का अनावरण किया और समारोह का समापन राष्ट्रगान और शैक्षणिक जुलूस के साथ हुआ।

पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित 'वनजीवी' रामैया का निधन

पीएम, सीएम और कई हस्तियों ने शोक जताया

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और पर्यावरण के लिए लड़ने वाले दरिपल्ली रामैया, जिन्हें आमतौर पर वनजीवी रामैया के नाम से जाना जाता है, का शनिवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।रामैया कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और खम्मम सरकारी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। वह 88 वर्ष के थे।

खम्मम ग्रामीण मंडल के रेड्डीपल्ली गांव के रहने वाले रामैया ने अपना जीवन वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पत्नी जनकम्मा के साथ वनजीवी रामैया ने एक करोड़ से अधिक पेड़ लगाए और अपने पर्यावरण प्रयासों में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। वह अपने शुरुआती वर्षों से ही वृक्षों की वृद्धि के पक्षधर रहे थे। रामैया ने खम्मम और उसके आसपास के इलाकों में सैकड़ों हज़ारों पौधे लगाए, जिसमें छाया, फल और जैव ईंधन देने वाली देशी प्रजातियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। चेतला रामैया (पेड़ रामैया) के नाम से मशहूर, उन्हें अक्सर पौधों के साथ साइकिल चलाते देखा जाता था, जेबों में बीज भरे होते थे, बंजर इलाकों को हरा-भरा करने का उनका जुनून हमेशा उनके साथ रहा। 2017 में, केंद्र सरकार ने सामाजिक वानिकी में उनके समर्पित प्रयासों के सम्मान में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया। वनजीवी रामैया के परिवार में उनकी पत्नी जनकम्मा और

उनके चार बच्चे हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और बंडी संजय, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव, मंत्रियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने पद्म श्री वनजीवी रामैया के निधन पर शोक व्यक्त किया।

शनिवार को एक्स से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "दारिपल्ली रामैया गारू को स्थिरता के चैंपियन के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने अपना जीवन लाखों पेड़ लगाने और उनकी रक्षा करने के लिए समर्पित कर दिया। उनके अथक प्रयासों में प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम और भावी पीढ़ियों की देखभाल झलकती है। उनका काम हमारे युवाओं को हरित ग्रह बनाने की उनकी खोज में प्रेरित करता रहेगा। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति"। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि वनजीवी के नाम से मशहूर दरिपल्ली रामैया का दृढ़ विश्वास था कि प्रकृति और पर्यावरण के बिना मानव जाति का अस्तित्व असंभव है। उन्होंने कहा कि पद्मश्री पुरस्कार विजेता रामैया ने एक व्यक्ति के रूप में वृक्षारोपण की शुरुआत की और पूरे समाज को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करके युवाओं को प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनजीवी का निधन समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है और उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने अपने संदेश में कहा, रामैया धरती के सच्चे सपूत थे, जिनकी पर्यावरण संरक्षण और वनीकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने तेलंगाना और उससे आगे के क्षेत्रों पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। वृक्षारोपण और पोषण के प्रति उनका आजीवन समर्पण प्रकृति की रक्षा में व्यक्तिगत कार्रवाई की शक्ति का प्रमाण है। उन्हें हमेशा उनकी निस्वार्थ सेवा और पर्यावरण के प्रति गहरे प्रेम के लिए याद किया जाएगा। राज्यपाल ने रामैया के परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति और उनके नुकसान से शोक मनाने वालों को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मंत्रियों के दौरे के दौरान प्रोटोकॉल का उल्लंघन

राजन्ना-सिरसिल्ला, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला में आयोजित मंत्रियों के दौरा कार्यक्रम के दौरान जिला अधिकारियों ने प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया।

तीन मंत्रियों - थुम्माला नागेश्वर राव, डी श्रीधर बाबू और पोन्नम प्रभाकर - ने सिरसिला अपैरल पार्क में विकसित टेक्सपोर्ट इकाई के उद्घाटन में भाग लिया। मंत्री द्वारा सभा को संबोधित करने के लिए एक मंच की भी व्यवस्था की गई थी। मंच के पीछे मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और मंत्रियों की तस्वीरों के साथ एक फ्लेक्सी की भी व्यवस्था की गई थी।

सैन्य इंजीनियर सेवा अधिकारियों के फाउंडेशन कोर्स का समापन

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग (सीएमई), पुणे द्वारा प्रायोजित और डॉ. एमसीआर एचआरडी इंस्टीट्यूट ऑफ तेलंगाना द्वारा संचालित 55 सैन्य इंजीनियर सेवा अधिकारियों के लिए 14 सप्ताह का फाउंडेशन कोर्स आज समाप्त हो गया। संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव डॉ. शशांक गोयल मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि एमईएस अधिकारियों की भूमिका बहुआयामी और दूरगामी प्रकृति की है। उन्होंने कहा, "उभरते परिदृश्य में, एमईएस अधिकारियों

की भूमिका पारंपरिक कार्यों से आगे बढ़ गई है।

उनसे परिवर्तन के एजेंट बनने, नवाचारों को आगे बढ़ाने और हमारे महान राष्ट्र की रक्षा तैयारियों को उच्चतम स्तर पर बनाए रखने के लिए प्रबंधकीय कौशल अपनाने की उम्मीद की जाती है।" डॉ. शशांक गोयल ने कहा, "आप भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय आयुध कारखानों, डीआरडीओ और भारतीय तटरक्षक बल सहित भारतीय सशस्त्र बलों के लिए जटिल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, पुलों, सड़कों और इमारतों के डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।"

उन्होंने कहा कि हमारा देश एमईएस अधिकारियों की अटूट निष्ठा और क्षमता पर बहुत अधिक निर्भर करता है। उन्होंने कहा, "यह आवश्यक है कि आप अपने पेशेवर आचरण में हमेशा ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही के मूल्यों को बनाए

CLASSIFIEDS

LOST DOCUMENTS

I, NALLURI KAVYA W/O.GUDI VAMSHIDHAR REDDY R/O. P.NO.56, F.NO.301, SAI SILICON RESIDENCY, JAGRUTHI COLONY, KONDAPUR, R.R-500084 TS. DO HEREBY THAT ON 09-04-2024 I HAVE LOST MY ORIGINAL SALE DEED DOC.NO.2434/2022, SRO - SERLINGAMPALLI, WHILE TRAVELLING FROM MY RESIDENCY TO GACHIBOWLI STADIUM IF ANYBODY FOUND PLS CONTACT - 9553125790

SHOP FOR SALE

MAIN ROAD SHOP AT BADICHOWDI BESIDE SRI MURUGAN GHEE STORE FOR SALE CONT: 9246298398 AND 200 SQ.YDS, INDEPENDENT HOUSE FOR SALE AT CHAPPAL BAZAR, KACHIGUDA, LANE BESIDE CHAPPAL BAZAR, BIG GANESH MANDAPAM. CONT: 9246298398.

सावधान

पाठकों को सूचेत किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

राम मंदिर गौलीगुड़ा से निकला वीर हनुमान जयंती जुलूस

कड़ी सुरक्षा के बीच हजारों लोग हुए शामिल

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वीर हनुमान जयंती जुलूस शनिवार सुबह राम मंदिर गौलीगुड़ा से निकाला गया। यह शहर के विभिन्न इलाकों से होते हुए शाम को ताड़बन सिकंदराबाद के हनुमान मंदिर में समाप्त हुआ। वीर हनुमान की मूर्ति को रथ पर रखकर निकाली जाने वाली शोभायात्रा कोटी, सुल्तान बाजार, वाईएमसीए नारायणगुडा, आरटीसी चौराहा, गांधीनगर, पैराडाइज होते हुए शाम को ताड़बन पहुंची। शोभायात्रा में हजारों लोगों ने भाग लिया। सुबह गौलीगुड़ा स्थित राम मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें राजनीतिक नेताओं और विहिप तथा बजरंग दल के महत्वपूर्ण पदाधिकारियों ने भाग लिया। कई श्रद्धांजलि जुलूस विभिन्न स्थानों पर मुख्य जुलूस के साथ मिलेंगे। पुलिस ने जुलूस के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे।

सोशल मीडिया मैनेजर पर विजया शांति और उनके पति को धमकाने का केस

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने वित्तीय विवादों को लेकर अभिनेत्री और राजनीतिज्ञ विजया शांति और उनके पति श्रीनिवास प्रसाद को कथित तौर पर धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, एन चंद्रकिरण रेड्डी नामक व्यक्ति ने एमएलसी विजया शांति से संपर्क किया और खुद को सोशल मीडिया हैंडलर बताया। चंद्रकिरण ने एमएलसी से कहा कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी मौजूदगी और फॉलोअर्स बढ़ाने में उनकी मदद कर सकता है और उसके साथ एक डील की।

उस पर विश्वास करके विजया शांति ने उस व्यक्ति को सोशल मीडिया अकाउंट संभालने की अनुमति दे दी। हालाँकि, कथित तौर पर उन्हें कोई बड़ा बदलाव नज़र नहीं आया और इसके बजाय उन्हें पता चला कि चंद्रकिरण उनके नाम का इस्तेमाल कर रहा था और खुद को बढ़ावा दे रहा था। विजया शांति और उनके पति प्रसाद ने इसके बाद चंद्रकिरण को ऐसा करना बंद करने के लिए कहा। पुलिस ने बताया कि इससे गुस्साए चंद्रकिरण ने अभिनेत्री और उनके पति को धमकी भरे संदेश भेजने शुरू कर दिए तथा उनके द्वारा दी गई सेवाओं के लिए पैसे की भी मांग की। दंपत्ति ने पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने चंद्रकिरण के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना में हनुमान जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूरे राज्य में हनुमान जयंती मनाई गई। हैदराबाद में हजारों भक्तों की भीड़ के बीच हनुमान शोभा यात्रा निकाली गई और राज्य के कई जिलों में भी हनुमान जयंती मनाई गई। राज्य की राजधानी में शोभा यात्रा गौलीगुड़ा से ताड़बंद हनुमान मंदिर तक निकाली गई। इस बीच, पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा ने हनुमान जयंती के अवसर पर ताड़बंद वीरांजनया स्वामी मंदिर में दर्शन किए। आज सुबह (शनिवार) ताड़बंद हनुमान मंदिर आईं प्रीति जिंटा ने उप्पल स्टेडियम में पंजाब किंग्स टीम और सनराइजर्स हैदराबाद टीम के बीच होने वाले मैच से पहले मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की।

चोरी के मामले में लापरवाही के लिए चादरघाट इंस्पेक्टर निलंबित

ब्रह्मा मुरारी को किया गया नियुक्त

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में चदरघाट पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया। इंस्पेक्टर एम राजू ने चोरी के एक मामले में बरामद संपत्ति के संबंध में कथित तौर पर लापरवाही बरती थी। सूत्रों के अनुसार इंस्पेक्टर ने संपत्ति अपराधी से बाइक बरामद कर कोर्ट में जमा कराई थी, लेकिन कोर्ट के आदेश के बिना ही बाइक पुलिस ने किसी को सौंप दी। मामला वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद जांच कराई गई और इंस्पेक्टर राजू को निलंबित कर दिया गया। ब्रह्म मुरारी को चादरघाट थाने का नया इंस्पेक्टर नियुक्त किया गया।

NCHMCT
NATIONAL COUNCIL FOR HOTEL MANAGEMENT AND CATERING TECHNOLOGY
(MINISTRY OF TOURISM, GOVT. OF INDIA)
In collaboration with
JAWAHARLAL NEHRU UNIVERSITY, DELHI

Inviting online applications from Hospitality Graduates/Graduates in any stream from recognized Universities for admission to
2-Years (4 Semesters) M.Sc. Hospitality Administration (2025-27 Batch)
(Degree awarded by Jawaharlal Nehru University, Delhi)

M.Sc. (Hospitality Administration)
JEE 2025
(online entrance test) For Hospitality Graduates/Graduates in any stream from recognized Universities
LAST DATE FOR REGISTRATION: 16.05.2025
DATE OF EXAMINATION: 24.05.20255

M.Sc. (Hospitality Administration)
Direct Admission
(Relaxation from appearing in M.Sc. JEE)
For candidates having two-years or more work experience in hotels (3 star and above) and graduation in Hotel Management/Hotel Administration Hospitality Management/Hospitality Administration from recognized University
LAST DATE FOR REGISTRATION: 07.05.2025

- Offered at the following Central Institutes of Hotel Management affiliated with NCHMCT: (1) NCHM-IH, Noida; (2) Bengaluru; (3) Bhopal; (4) Bhubaneswar; (5) Chandigarh; (6) Chennai; (7) Delhi (Pusa); (8) Gandhinagar; (9) Guwahati; (10) Gwalior; (11) Hajipur; (12) Hyderabad; (13) Jaipur; (14) Kolkata; (15) Lucknow; (16) Mumbai; (17) Shimla & (18) Trivandrum.
- Full time, regular, job oriented program that equips candidates with knowledge, analytical ability, managerial capacity building and exposure of Hospitality Industry.
- Excellent placement record.
- There is no age bar for admission.
- IHMs under NCHMCT, Govt. of India ranked as the Best Hospitality and Hotel Management Schools in India and 12th in the world by CEO World, USA in 2004.
- For Information Brochure and Online Application, log in to https://nchm.gov.in/

B.Sc. HHA
Collaborative UG Degree Program offered jointly by NCHMCT & Jawaharlal Nehru University, Delhi
For filling up of residual vacancies in all IHMs, candidates may register at: https://nchm.gov.in/
Eligibility - 12th pass or its equivalent from a recognized Board/Institution with English as one of the subjects.
Contact: NCHMCT, A-34, Sector 62, Noida, e-mail: jeenchm@gmail.com Helpline: 18001803151

दीवार पर पोस्टर लगाने से आसिफाबाद में हड़कंप

कुमराम भीम आसिफाबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिबंधित माओवादी पार्टी के खिलाफ दीवारों पर चिपकाए गए पोस्टरों ने शनिवार को चिंतालमनेपल्ली और बेज्जुर मंडलों में खलबली मचा दी। तेलंगाना आदिवासी युवजन संघम द्वारा कथित तौर पर लिखे गए पोस्टर शुक्रवार रात को चिंतालमनेपल्ली मंडल और बेजुर मंडल केंद्र के करजेली गांव में कुछ व्यक्तियों की दीवारों पर चिपकाए गए थे। उन्होंने माओवादियों पर आदिवासी आदिवासियों के खिलाफ युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया, जिसमें मुलुगु जिले के करेंगुट्टा वन क्षेत्र में चरमपंथियों द्वारा लगाए गए एक प्रेशर लैंडमाइन के विस्फोट का हवाला दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप हाल ही में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

दीवार पर लगे पोस्टरों में लिखा है कि माओवादी आदिवासियों के खिलाफ अघोषित युद्ध छेड़ रहे हैं। क्या आदिवासियों का खून चूसना ही आपकी विचारधारा है? क्या इसी वजह से आप संघर्ष करते हैं? क्या आपकी खून की प्यास खत्म नहीं होती? क्या माओवादियों के तौर-तरीके नहीं सुधरते? आदिवासी युवा संगठन ने अपने लेखों में सवाल उठाया है। स्थानीय लोगों ने दोनों गांवों में लगे दीवार पोस्टरों पर चिंता जताई है। इस बीच, पुलिस ने दोनों गांवों में दीवारों पर पोस्टर चिपकाने के मामले की जांच की। वे इस बात की जांच कर रहे थे कि पोस्टर संगठन के नेताओं ने चिपकाए हैं या किसी और ने माओवादियों को डराने के लिए चिपकाए हैं। उन्होंने खेत का निरीक्षण किया और घटना के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई। हालांकि, पोस्टर शहर में चर्चा का विषय बन गए हैं।

नौकरी ही नहीं 'सेतु योजना' से नीतीश कुमार का होगा चुनावी बेड़ा पार!

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में आज सभी दलों के लिए कोई हॉट केक बना है तो वह है युवा वर्ग। वोटर लिस्ट का एक बड़ा आकर्षण केंद्र बन चुका है वह हैं 18 से 40 वर्ष के भीतर का युवा। इनमें 18-19 वर्ष के आठ लाख 8 हजार 857, 20-29 वर्ष के 1 करोड़ 55 लाख 481 मतदाता शामिल हैं।

जाहिर है अन्य दलों को भी इन आंकड़ों के जानकारी है। सभी दल अपने अपने तरीके से इस वोट को अपने पाले में लाने का प्रयास करने में जुटे हैं। वहीं सीएम नीतीश कुमार नौकरी और पुल बना कर सभी को अपने पक्ष में करने में लगे हुए हैं।

नौकरी ही नहीं 'सेतु योजना' से नीतीश कुमार का होगा चुनावी बेड़ा पार! मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना की मदद से सीएम नीतीश कुमार को चुनावी नैया पार करने में मदद मिलेगी। इसके तहत गांवों को शहरों से जोड़ने और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने करने के लिए नए पुल भी बनेंगे और पुराने पुलों की मरम्मत भी होगी।

इसके लिए 'मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना' के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 700 नए पुलों के निर्माण की तैयारी की गई है। इन सभी परियोजनाओं पर करीब 3000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे राज्य के हजारों गांवों को स्थायी और सुरक्षित सड़क संपर्क मिल सकेगा। बताया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध संपर्क व्यवस्था तैयार करना, जहां आज भी बरसात, बाढ़ या पुराने जर्जर पुलों के कारण आवाजाही बाधित हो जाती है।

योजना के तहत न सिर्फ पुराने और जर्जर पुलों की जगह नए और मजबूत पुल बनाए जाएंगे। बल्कि उन इलाकों में भी काम होगा, जहां आज तक मिसिंग ब्रिज की वजह से रास्ता अधूरा है। साथ ही बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदाओं से क्षतिग्रस्त पुलों को फिर से खड़ा किया जाएगा।

राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहते हैं कि यह योजना सिर्फ पुलों का निर्माण नहीं, बल्कि गांवों के सामाजिक और आर्थिक विकास की आधारशिला है। किसानों को अपने उत्पाद मंडी तक पहुंचाने में आसानी होगी, बच्चों को स्कूल जाना सुरक्षित और सहज होगा और आपात स्थिति में इलाज के लिए राजधानी के अस्पताल में आना आसान होगा।

दिल्ली से बिहार के लिए चलेंगी कई समर स्पेशल ट्रेन

आरा 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल अंतर्गत पटना-डीडीयू रेल लाइन पर आधा दर्जन से अधिक समर स्पेशल गाड़ियों का परिचालन किया जाएगा। गर्मियों की छुट्टी और लगन सीजन के दौरान बिहार आने वाले यात्रियों के अधिक भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा।

इस संदर्भ में रेलवे अधिकारियों ने बताया कि गर्मी के सीजन में यात्रियों के अत्यधिक भीड़ को देखते हुए कई समर स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया गया है।

यह ट्रेन सीधे दिल्ली से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के रास्ते आरा रेलवे स्टेशन से होकर चलाई जाएगी क्योंकि काफी संख्या में यात्री दिल्ली से यहां पहुंचते हैं।

मोदी सरकार मुसलमानों को टारगेट करके कानून लाती है

वक्फ बिल के खिलाफ सड़क पर उतरीं मुस्लिम महिलाएं

दरभंगा 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की ओर से लाए गए वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ दरभंगा में मुस्लिम समुदाय ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। शनिवार को मदरसा हमीदिया किलाघाट से एक विशाल जुलूस निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में मुस्लिम महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया। इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी महागठबंधन और कई सामाजिक संगठनों का समर्थन मिला। जुलूस का नेतृत्व दरभंगा नगर निगम की डिप्टी मेयर और कांग्रेस नेता नाजिया ने किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि मोदी सरकार बार-बार मुस्लिम समाज को निशाना बनाकर कानून बना रही है। उन्होंने कहा, 'पहले NRC और CAA, फिर तीन तलाक और अब वक्फ संशोधन कानून, ये सब मुस्लिम समाज को परेशान करने की साजिश है।'

प्रदर्शन के दौरान विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता बैनर और पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे और वक्फ संशोधन बिल को 'काला कानून' बताते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि यह कानून मुसलमानों की जमीनी संपत्तियों को हड़पने की साजिश है।

इस जुलूस का समापन जिला मुख्यालय लहेरियासराय में एक जनसभा के रूप में हुआ। जुलूस के संयोजक नफिसुल हक रिंकू ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह कानून मुसलमानों की धार्मिक आजादी और सरियत में दखलंदाजी है, जिसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

20 रुपए के लिए दुकानदार की हत्या गांजा पीने के लिए मांगे थे पैस

गया 13 अप्रैल (एजेंसियां)। गया में शुक्रवार की रात दिव्यांग दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि बदमाश ने गांजा पीने के लिए दुकानदार से 20 रुपए मांगे, लेकिन वो रुपए देने से इनकार कर दिया। इसके बाद नशेड़ी बदमाश ने सीने में गोली मार दी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना वजीरगंज थाना क्षेत्र के मरडी महुएत गांव की है। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश अपने घर में छिप गया था। आरोपी की पहचान अनिल गोस्वामी के बेटे पुरुषोत्तम गोस्वामी के रूप में की गई। फिर पुलिस ने शनिवार की सुबह आरोपी को गिरफ्तार किया है।घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों से पूछताछ की।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों से पूछताछ की।

दुकान के बाहर बैठा था दिव्यांग मृतक सुमिन्द्र साव (42) रात के 9 बजे अपनी दुकान के बाहर बैठे थे। इसी दौरान नशेड़ी बदमाश पहुंचा और गोली मार दी। घटना के बाद परिजन उसे गंभीर हालत में वजीरगंज अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक के भाई विजय साव ने बताया कि 'शाम में बिजली नहीं थी, इसलिए सुमिन्द्र दुकान के बाहर बैठा था। इसी दौरान गांव का एक युवक पिस्टल लहराते पहुंचा और सुमिन्द्र से 20 रुपए मांगा। पैसा देने से इनकार किया तो गोली मार दी। फायरिंग की आवाज सुनकर मैं दौड़ा, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुका था। सुमिन्द्र की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, वह शांत स्वभाव का था।'

पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया।

अंबेडकर की प्रतिमा को लेकर बवाल, पथराव में महिला थाना प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मी घायल

लखनऊ 13 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ में सरकारी जमीन पर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा रखने को लेकर बवाल हो गया। प्रदर्शनकारियों के पथराव में महिला थाना प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस स्थिति संभालने की कोशिश कर रही है।

राजधानी लखनऊ में शनिवार को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा सरकारी जमीन पर रखने की शिकायत की गई। इसे हटाने के विरोध में लोगों ने विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। सैकड़ों की संख्या में महिलाएं-पुरुष एकत्र होकर नारेबाजी करने लगीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाने का प्रयास किया तो प्रदर्शनकारियों ने पथराव कर दिया। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं।

घटना बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के मवई खातरी गांव की है। बताया गया कि तीन दिन पहले गांव में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा चोरी छिपे स्थापित कर दी गई।

शनिवार की दोपहर 2 बजे बीकेटी, इटौंजा, महिंगवा, मड़ियांव थाने के साथ पीएसी और महिला थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

ग्रामीणों ने प्रतिमा हटाने से मना कर दिया। विरोध पर पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। इसमें महिला थाना प्रभारी मेनका सिंह समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने पांच राउंड टियर गन का प्रयोग किया। हालात काबू करने की कोशिश की जा रही है।

दीवार पर सिर पीटने लगी मां, तेज बुखार के बाद ICU में किया गया था एडमिट

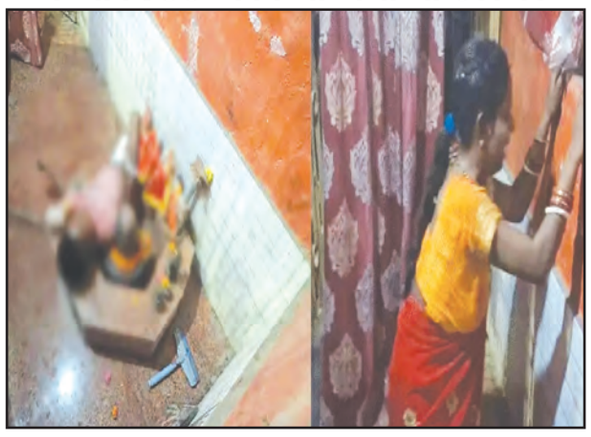

इलाज में कोई लापरवाही नहीं बरती गई

मुजफ्फरपुर 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के एक निजी अस्पताल में एक मासूम बच्चे कार्तिक कुमार (04) की इलाज के दौरान मौत हो गई। बच्चा तेज बुखार से पीड़ित था। शुक्रवार की शाम में उसे एडमिट करवाया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही उसकी मां बिलख-बिलख कर रोने लगी। साथ ही अस्पताल पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाने लगी।

इसके बाद वह बच्चे के शव को लेकर अस्पताल के पास स्थित एक मंदिर में चली गई। वहा बच्चे को शिवलिंग पर रख दिया। अपना सिर, दीवार पर पीटने लगी। मां चोटिल हो गई। उसके सिर से खून निकलने लगा। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने महिला को मंदिर से से बाहर निकाला। उसके बाद मां का इलाज करवाया गया। उसके बाद एम्बुलेंस भारा कर महिला और उसके बच्चे को घर भेज दिया। पूरा मामला ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के एक निजी अस्पताल का है। बच्चे की पहचान सीतामढ़ी जिले के रूनी सैदपुर निवासी शंभू कुमार के बेटे के रूप में हुई है।

इस मामले में अस्पताल प्रबंधक का कहना है कि कल शाम में बच्चा भर्ती हुआ था। उसे तेज बुखार था। उसे ICU में भर्ती किया गया था। उसका इलाज चल रहा था। इसी बीच उसकी मौत हो गई। इलाज में कोई लापरवाही नहीं बरती गई है।

2 भाइयों में लाठी-डंडे से मारपीट

सीवान, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सीवान के धनौती ओपी थाना क्षेत्र के लुहसी खुर्द गांव में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो सगे भाइयों के बीच घर निर्माण को लेकर हुए विवाद में महिला समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना भूखलाल चौधरी के पोतों के बीच हुई। बड़े भाई अपने हिस्से की जमीन पर घर बना रहा था। इसी दौरान छोटे भाई ने घर में हिस्सा मांगा। दोनों के बीच बातचीत से शुरू हुआ विवाद हाथापाई में बदल गया। घायल देशराज कुमार ने बताया कि उनके पिता और चाचा के बीच पहले ही जमीन का बंटवारा हो चुका था। वे अपने हिस्से की जमीन पर घर बना रहे थे। चाचा ने जबरन निर्माण रुकवाने की कोशिश की।

अयोध्या में दिल दहला देने वाली वारदात पत्नी और बेटे को दिया खौफनाक मौत

अयोध्या 13 अप्रैल (एजेंसियां)। शनिवार को अयोध्या में दिल दहला देने वाली वारदात हुई है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी एवं पांच वर्षीय बच्चे की हत्या कर दी। इसके बाद मौके से फरार हो गया। सुबह खबर फैलते ही भरी संख्या में लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर आगे की कार्रवाई कर रही है। अयोध्या में दिल दहला देने वाली घटना हुई है, जिले में पति ने अपनी पत्नी और बेटे की नृशंस हत्या कर दिया है, पहले पत्नी का बांका से गला काटा उसके बाद मासूम बेटे को जमीन पर पटक पटक मार डाला। हत्या के बाद आरोपी पति फरार हो गया।

औरंगाबाद में अवैध अस्पतालों की हुई जांच

औरंगाबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। औरंगाबाद में स्वास्थ्य विभाग ने अवैध क्लिनिकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सदर प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्याम के नेतृत्व में टीम ने कई क्लिनिकों की जांच की। जैन धर्मशाला के पास स्थित अपोलो क्लिनिक में टीम के पहुंचते ही चिकित्सक और स्टाफ भाग गए। क्लिनिक में कई मरीज भर्ती मिले, जिनका हाल ही में ऑपरेशन हुआ था। सिटी अस्पताल में डॉ. आर एस गुप्ता का बोर्ड लगा था, लेकिन वे मौजूद नहीं थे। रजिस्ट्रेशन के कागजात दिखाए गए, पर अस्पताल में गंदगी पाई गई। ऑपरेशन थिएटर में भी उचित व्यवस्था नहीं थी। साक्षी डायग्नोस्टिक के पास एक अस्पताल में कोई बोर्ड नहीं था। यहां भी हाल में ऑपरेशन किए गए मरीज भर्ती मिले। रमेश चौक के पास डॉ. नीलम चौधरी का क्लिनिक जांच में सही पाया गया। वहीं डॉ. अर्चना कुमारी के क्लिनिक में ओपीडी बंद था और कोई मरीज भर्ती नहीं था। उनका रजिस्ट्रेशन प्रक्रियाधीन है। स्वास्थ्य विभाग की यह कार्रवाई डीएम के आदेश पर की गई। वहीं कुछ अवैध क्लिनिक सदर अस्पताल से मात्र 500 मीटर की दूरी पर संचालित हो रहे थे।

डॉ. श्याम ने बताया कि DM श्रीकांत शास्त्री के निर्देश पर अवैध क्लिनिकों पर छापेमारी की जा रही है। अनियमितता पाए जाने वाले क्लिनिक संचालकों को शॉ कॉज भेजा गया है। मरीज भर्ती होने के कारण क्लीनिक को सील नहीं किया गया है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

'लोगों की पहचान कर उनकी हत्या की जा रही', मनोज तिवारी ने ममता पर लगाए आरोप

पटना 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ बिल को लेकर हुई हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में हो रही हिंसा सरकार प्रायोजित है और अपराधियों को खुला समर्थन मिल रहा है। मनोज तिवारी ने कहा कि 'पश्चिम बंगाल में सरकार की शह पर हिंसा फैल रही है। लोगों की पहचान कर उनकी हत्या की जा रही है। बहन-बेटियों के साथ बुरा व्यवहार हो रहा है। यह बहुत चिंता की बात है।' मनोज तिवारी ने उम्मीद जताई कि इस बार राज्य की जनता ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को सत्ता से बाहर करेगी।

'सपा सांसद के खिलाफ एक्शन नहीं लिया तो', आगरा में करणी सेना की चेतावनी

आगरा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में शनिवार को करणी सेना की प्रस्तावित 'स्वाभिमान रैली' को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। राणा सांगा जयंती पर आयोजित यह जनसभा एतमादपुर क्षेत्र के गढ़ी रामी गांव में हो रही है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान के बाद से बवाल मचा हुआ है।

केंद्रीय मंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के राणा सांगा पर दिए गए बयान पर कहा, "रामजी लाल सुमन द्वारा हमारे राष्ट्र वीर राणा सांगा पर टिप्पणी किए जाने पर सभी राष्ट्रवादियों की भावना आहत हुई है जो जाति, वर्ग, क्षेत्र, धर्म और अपने पुरखों का सम्मान नहीं करता, वह आगे नहीं बढ़ पाता है रामजी लाल सुमन ने कहा कि बाबर को राणा सांगा ने बुलाया था लेकिन राणा सांगा तो इब्राहिम लोदी को पहले ही 2 बार हरा चुके थे और उसे हराने के लिए उन्हें बाबर को बुलाने की जरूरत नहीं थी उन्हें(रामजी लाल सुमन) माफी मांगनी चाहिए"

करणी सेना ने चेतावनी दी है कि अगर सपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो उनके आवास की ओर मार्च किया जाएगा।करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने चेतावनी दी है कि अगर शाम 5 बजे तक सपा सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वे आगरा में उनके आवास तक मार्च करेंगे। करणी सेना की रैली में शामिल होने के लिए शुक्रवार रात से ही अलग-अलग जिले और शहरों से लोग पहुंचने शुरू हो गए। इस रैली के लिए लगभग 50,000 स्क्वायर मीटर के खेत को समतल कर सभा स्थल में तब्दील किया गया है और हजारों की संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल भी करणी सेना की रैली में शामिल होने आगरा पहुंचे हैं।

इस बीच सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन का बयान आया है। उन्होंने कहा है कि हर किसी को विरोध की आजादी है, देश में विरोध करने का भी तरीका है, लेकिन करणी सेना ने जो तरीका अपनाया है, वह अराजकता का तरीका है। मेरा विचार है, यह मेरे ऊपर नहीं बल्कि PDA पर हमला हुआ है। उन्होंने कहा कि मुझे और मेरे परिवार को जान-माल का खतरा था, इसलिए मैंने राज्यसभा के उपसभापति को सुरक्षा के लिए पत्र लिख कर दिया था। पुलिस प्रशासन को लगता है कि मेरी हत्या हो सकती है, इसलिए सुरक्षा रखी है। पुलिस किसी भी प्रकार की हिंसा को रोकने के लिए कमर कस चुकी है। एडीसीपी संजीव त्यागी के मुताबिक, सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है और अब तक 1300 लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं।एक कंपनी रैपिड एक्शन फोर्स (RAF), आठ कंपनी पीएसी और बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश पुलिस के जवान और अधिकारी सभा स्थल से लेकर सुमन के घर तक के पूरे रूट पर तैनात किए गए हैं। सभा स्थल से लेकर सांसद रामजीलाल सुमन के घर तक की पूरी दूरी को पुलिस ने सुरक्षा घेरे में ले लिया है। सात थाना क्षेत्रों की सड़कें इस रूट से गुजरती हैं, जिन पर सीसीटीवी निगरानी और फिजिकल पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है। जवानों को अतिरिक्त लाठियां और हेलमेट भी वितरित किए गए हैं, और सुरक्षा वाहनों पर लोहे की जालियां लगाई गई हैं।

26 मार्च को हुआ था बवाल

बता दें, समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान के बाद से बवाल मचा हुआ है। इससे पहले करणी सेना ने 26 मार्च को रामजी लाल सुमन के आवास पर प्रदर्शन कर तोड़फोड़ की थी, जिसमें कई लोग घायल हो गए थे, जिनमें कुछ पुलिसकर्मी भी शामिल थे। घटना के संबंध में 27 मार्च को आगरा के हरिपर्वत थाने में हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में दो मुकदमे दर्ज किए गए थे।

प्रशांत किशोर पर पप्पू यादव ने हमला बोला

महागठबंधन में मुख्यमंत्री पद को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कटिहार में एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में 40 लोग मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं और वह भी उनमें से एक हैं।

तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पर पप्पू यादव ने सीधी टिप्पणी करने से बचते हुए कहा कि कांग्रेस पहले ही इस मुद्दे पर अपना पक्ष रख चुकी है। बता दें है कि कांग्रेस अभी चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा के पक्ष में नहीं दिख रही है। ये लीडर तय करेंगे। शीर्ष नेतृत्व तय करेगी। पप्पू यादव ने प्रशांत किशोर की रैली को लेकर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर कभी भी भाजपा, मोदी या अमित शाह पर नहीं बोलते। वे सिर्फ लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और पप्पू यादव को ही निशाना बनाते हैं। उनकी रैली फ्लाप हुई है। सांसद ने आरोप लगाया कि प्रशांत किशोर अपने कार्यक्रम में देर शाम अंधेरा होने के बाद पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर मीडिया और कॉर्पोरेट हाउस के साथ विज्ञापन पर करोड़ों रुपए खर्च करते हैं। पप्पू यादव ने दावा किया कि प्रशांत किशोर की रैली पूरी से तरह फ्लॉप रही है। वो 5 बजकर 40 मिनट में आए, जब अंधेरा हो गया था। प्रशांत किशोर ने 20 करोड़ से ज्यादा अपनी रैली पर खर्च किया, लेकिन, उनकी रैली सफल नहीं हुई है। बाह्मण समाज के लोग या भाजपा को वोट देंगे, या कांग्रेस को देंगे। कोई भी झा इनकी रैली में नहीं आया, लेकिन, उनके बारे में लिख जरूर देते है। पप्पू यादव या लालू यादव ही बुरे है। नरेंद्र मोदी कितने पढ़े लिखे है, वो इस पर बात नहीं करते हैं। प्रशांत किशोर ने खतरनाक बात कही है।

तहव्वुर खुद को नुकसान न पहुंचाए इसलिए निगरानी

24 घंटे सीसीटीवी और अफसर की नजर, पेन भी सॉफ्ट पॉइंट वाला दे रहे

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। 2008 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) शनिवार को दूसरे दिन भी पूछताछ करेगी। राणा को एनआईए मुख्यालय, लोधी रोड में हाई-सिक्योरिटी ग्राउंड फ्लोर की 14x14 फीट की सेल में रखा गया है। राणा सुसाइड वॉच पर है और उस पर 24 घंटे गार्ड्स और सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है। उसे केवल सॉफ्ट टिप पेन ही दिया गया है, जिससे वह खुद को नुकसान न पहुंचा सके।

इससे पहले एनआईए ने पूछताछ के पहले दिन (शुक्रवार को) 3 घंटे पूछताछ की। एजेंसी ने बताया कि वह कोऑपरेट नहीं कर रहा है। एनआईए की कोशिश है कि तहव्वुर के परिवार और दोस्तों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने राणा को 18 दिन की एनआईए कस्टडी में भेजा है। कस्टडी के दौरान एनआईए रोजाना राणा से पूछताछ की एक डायरी तैयार करेगी। आखिरी दौर की पूछताछ के बाद डिस्कलोजर स्टेटमेंट में उसे रिकॉर्ड पर लिया जाएगा। यह केस डायरी का हिस्सा होता है। 64 साल के राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल विमान से अमेरिका से लाया गया था। देर रात पटियाला हाउस कोर्ट के स्पेशल एनआईए जज चंद्रजीत सिंह ने बंद कमरे में मामले की सुनवाई की और रात 2 बजे फैसला सुनाते हुए एनआईए को उसकी कस्टडी दी। बुधवार रात राणा की पहली तस्वीर भी सामने आई, जिसमें नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) के अधिकारी उसे पकड़े हुए नजर आए। आज यूएस डिपार्मेंट ऑफ जस्टिस ने एक और तस्वीर जारी की है। इसमें अमेरिकी मार्शल उसे एनआईए के अफसरों को सौंप रहे हैं।

तहव्वुर को दिल्ली की तिहाड़ जेल में रखा जाएगा

राणा को दिल्ली की तिहाड़ जेल में हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा। हालांकि, उसे कब और किस वार्ड में रखा जाएगा, इसका जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। जांच एजेंसी एनआईए और खुफिया एजेंसी आरएडब्ल्यू की एक जॉइंट टीम बुधवार को राणा को लेकर अमेरिका से रवाना हुई थी। गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे राणा को लेकर अमेरिकी गल्फस्ट्रीम G550 विमान दिल्ली के पालम टेक्निकल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ था। जहां उसका मेडिकल चेकअप हुआ, इसके बाद उसे सीधे एनआईए हेडक्वार्टर ले जाया गया।

देवप्रयाग के पास नदी में गिरा वाहन पांच के मिले शव

शादी समारोह में जा रहा था परिवार

ऋषिकेश, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। देवप्रयाग श्रीनगर मार्ग पर मूल्य गांव के पास एक वाहन अनियंत्रित होकर नदी में गिर गया। वाहन को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। हादसे के समय वाहन में छह लोग सवार थे, जिसमें से पांच के शव मिले हैं और एक महिला का रेस्क्यू कर हॉस्पिटल भेज दिया गया है।

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ श्रीनगर, देवप्रयाग पुलिस मौके पर पहुंची। ढालवाला से भी एक टीम रवाना हुई। सर्च ऑपरेशन जारी है। एसडीआरएफ निरीक्षक कविंद्र सजवाण ने बताया कि वाहन में एक ही परिवार के छह लोग सवार थे। जो पौड़ी के रहने वाले थे। और फरीदाबाद से शादी समारोह में शामिल होने गौचर जा रहे थे। गंभीर घायल एक महिला को अस्पताल भेज दिया गया है। अन्य पांच लोगों के शव मिले है।

फिर अकाली दल के प्रधान बने सुखबीर

सर्वसम्मति से हुआ चयन, बेअदबी मामलों में घोषित किए गए थे तनखैया

चंडीगढ़, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल एक बार फिर शिरोमणि अकाली दल के प्रधान चुन लिए गए हैं। किसी और नाम की अनुपस्थिति में सर्वसम्मति से सुखबीर के नाम पर मुहर लग गई। अकाली दल का दोबारा अध्यक्ष बनने पर सुखबीर बादल ने सभी से इकट्ठे होकर चलने का आह्वान किया। सुखबीर ने कहा कि एक राजनीतिक साजिश के तहत अकाली दल को खत्म करने की योजना लागू हो रही थी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पार्टियों का मजबूत होना समय की जरूरत है। सुखबीर ने कहा कि सभी को एकजुट होकर अकाली दल को खत्म करने वाली पार्टियों का विरोध करना होगा। वहीं वरिष्ठ नेता बिक्रम मजीठिया ने कहा कि कांग्रेस हमेशा अकाली दल को तोड़ने की साजिश करती रही है। मजीठिया ने कहा कि बागी भी अकाली विरोधी पार्टियों के हाथों में खेल रहे हैं।

2008 से थे प्रधान, नवंबर में दिया था इस्तीफा

सुखबीर 2008 से लगातार शिअद के प्रधान थे। पिछले साल नवंबर में उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से पार्टी में नए अध्यक्ष के नाम की चर्चाएं तेज थीं।

पार्टी में बगावत के बाद से बढ़ा इस्तीफे का दबाव

पंजाब में शिअद के पतन भले ही बेअदबी की घटनाओं के बाद शुरू हो गया था लेकिन जब तक प्रकाश सिंह बादल जीवित रहे, पार्टी में विरोधी सुर मुखर नहीं हुए। उनके निधन के बाद से ही वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी प्रधान सुखबीर बादल पर निशाना साधना शुरू कर दिया। पार्टी प्रधान को बदलने की मांग उठने ली। सुखबीर प्रधानगी छोड़ने को राजी नहीं हुए तो कई वरिष्ठ नेताओं ने शिअद का साथ छोड़ अलग पार्टी बना ली।

प्रेम सिंह चंदूमाजरा, गुरप्रताप वडाला और बीबी जागीर कौर समेत कई नेताओं ने सुधार लहर को शिअद के बराबर खड़ा कर दिया। बेअदबी के मामलों को लगातार उठाकर सुखबीर पर इस्तीफे के लिए दबाव डाला। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर बागी अकालियों ने एक जुलाई को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाए थे कि अकाली दल की सरकार के दौरान विभिन्न धार्मिक गलतियां की गई हैं। इसके लिए अकाली दल का नेतृत्व पूरी तरह जिम्मेदार है। सरकार में सुखबीर बादल डिप्टी सीएम थे।

शिवसेना यूबीटी ने कांग्रेस को घेरा

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी ने शनिवार को कांग्रेस को घेरा। शिवसेना ने कहा कि कांग्रेस को अहमदाबाद में हुए अधिवेशन में इंडिया ब्लॉक की स्थिति के बारे में बात करनी चाहिए थे। पार्टी को विपक्षी गठबंधन के बारे में उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए था।

शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में लिखा गया कि कांग्रेस ने अहमदाबाद बैठक में केवल अपने बारे में बात की और इंडिया ब्लॉक कहीं भी चर्चा में नहीं था। लोकसभा चुनाव के बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया कहां खड़ा है, इस बारे में सवाल उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस को अपने अहमदाबाद अधिवेशन में इस पर विचार करना चाहिए। गठबंधन का क्या हुआ? क्या यह जमीन में दफन हो गया या हवा में गायब हो गया? इस सवाल का जवाब देने की जिम्मेदारी कांग्रेस अध्यक्ष की है। बिहार, गुजरात और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भी शिवसेना ने कांग्रेस से सवाल पूछा। पार्टी ने कहा कि क्या पार्टी फिर से हार का स्वागत करेगी? बिहार में राष्ट्रीय जनता दल वरिष्ठ सहयोगी है, जबकि गुजरात और पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन की सहयोगी आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस भी चुनाव मैदान में होंगी।

अहमदाबाद में इंडिया ब्लॉक की स्थिति पर करनी चाहिए थी बात

शिवसेना ने कहा कि कांग्रेस ने गुजरात में अपना अधिवेशन आयोजित किया, लेकिन इससे लोकसभा चुनावों में राज्य में कोई सफलता नहीं मिली। पार्टी ने 2014 के बाद पश्चिमी राज्य में एक सीट जीती। कांग्रेस को मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में भी प्रयास करने की जरूरत है। पार्टी को लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में सफलता मिली, लेकिन राज्य विधानसभा चुनावों में उसे अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। संपादकीय में कहा गया कि इस नुकसान के लिए बीजेपी के घोटाले उतने ही जिम्मेदार हैं जितने कांग्रेस के आंतरिक मुद्दे। कांग्रेस को इस पर विचार-विमर्श करना होगा। कांग्रेस को तानाशाही से लड़ने का नेतृत्व करना होगा। बता दें कि 8-9 अप्रैल को गुजरात में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था। यहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था।

हमें भाजपा को हराना, अपने दोस्तों को नहीं

दिल्ली विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि कुछ कांग्रेस नेताओं ने सोचा कि राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी के लिए रास्ता साफ है। अगर कांग्रेस अन्य राज्यों में इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों के खिलाफ चुनाव लड़ने की इस रणनीति का उपयोग करती है, तो इससे केवल भाजपा को मदद मिलेगी। हमें बीजेपी को हराना है, अपने दोस्तों को नहीं। कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन फायदेमंद साबित होता।

अवैध हथियार मामले में फंसे आमिर खान, दो 12 बोर बंदूक बरामद, पुलिस ने किया गिरफ्तार

सीहोर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अपने खेत पर वन प्राणियों के शिकार के उद्देश्य से अवैध हथियार रखने वाले आमिर खान को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिले की शाहगंज पुलिस ने 2 अवैध बंदूकों और पांच जिंदा कारतूस के साथ आरोपी को पकड़ा है। आरोपी के विरुद्ध थाना तलैया भोपाल में वर्ष 2018 वन्य प्राणी अधिनियम के तहत मामला दर्ज होना पाया गया है।

जिले में वन प्राणियों के शिकार रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। शिकारी मौका पाकर जंगल में प्राणियों का कभी शिकार कर लेते हैं। वैसे भी इस समय गर्मी का मौसम चलने के कारण पानी की तलाश में वन प्राणी शहर की तरफ आ रहे हैं। ऐसे में शिकारी भी मौके पर हाथ मारने में पीछे नहीं हट रहे हैं। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी शाहगंज दिनेश सिंह चौहान को मुखबिर से सूचना मिली थी। जिसमें बताया गया था ग्राम खटपुरा का आमिर खान अपने खेत में बने टपरे में वन्य प्राणियों के शिकार के उद्देश्य से अवैध हथियार रखे हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तत्काल आमिर खान के कोली वाले खेत पर बने टापरे के पास पहुंची, जहां पर आमिर खान (36) पिता वासिद खान निवासी म.न. 8 ऐशबाग रोड बरखेड़ी भोपाल हाल ग्राम खटपुरा को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी के पास से पांच जिंदा कारतूस और दो बंदूक 12 बोर की जब्त की गई है। पुलिस की माने तो आमिर खान के पास बंदूकों और कारतूसों को रखने के कोई कागजात नहीं थे। आरोपी का कृत्य धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत दंडनीय पाया जाने से विधिवत जब्त किया गया और आरोपी आमिर खान को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सैफ अली हमला केस : पुलिस ने 1613 पेज की चार्जशीट दायर की

35 गवाहों के स्टेटमेंट के साथ 25 सीसीटीवी फुटेज शामिल

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने बांद्रा कोर्ट में 1613 से ज्यादा पेज की चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में कई खुलासे किए गए हैं। चार्जशीट में सैफ की वाइफ करीना कपूर का भी स्टेटमेंट है।

सैफ अली खान पर 15 जनवरी की रात करीब ढाई बजे चाकू से हमला किया गया था। करीना ने अपने स्टेटमेंट में पूरी घटना को बताया। स्टेटमेंट में एक्ट्रेस ने कहा कि घटना वाले दिन वह अपनी दोस्त रिया कपूर से मिलने के बाद रात को 1 बजे घर लौटी। करीब 2 बजे जहांगीर की नैनी उनके कमरे से चिल्लाते हुए बाहर आई। नैनी ने बताया था कि जेह बाबा के कमरे में एक आदमी है और उसके हाथ में चाकू है। वह पैसे मांग रहा है। जिसके बाद करीना और सैफ जहांगीर के कमरे में पहुंचे और हमलावर को देखा। तभी हमलावर ने सैफ पर चाकू से वार किया। इस चार्जशीट में 35 गवाहों के स्टेटमेंट के साथ-साथ 25 सीसीटीवी फुटेज भी शामिल है।

सैफ अली केस में पुलिस को मिले अहम सबूत

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने चार्जशीट में कई सीसीटीवी फुटेज का जिक्र किया है, इस सीसीटीवी फुटेज में आरोपी शरीफुल इस्लाम पूरे रास्ते से लेकर सैफ के अपार्टमेंट तक जाते हुए नजर आ रहा है। पुलिस का कहना है कि उन्होंने मामले की जांच में करीब 300 सीसीटीवी फुटेज फॉरेंसिक साइंस लैब्रोटरी भेजे थे, जिनमें से 25 फुटेज शरीफुल दिखाई दे रहा है। पुलिस ने आरोपी शरीफुल इस्लाम के मोबाइल फोन की लोकेशन को भी सबूत के तौर पर चार्जशीट में दर्ज किया है। फोन की लोकेशन के साथ इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल्स रिपोर्ट को भी पुलिस ने चार्जशीट में शामिल किया गया। इसके अलावा पुलिस ने ये दावा किया है कि हमले के बाद आरोपी ने डेटा कॉल का इस्तेमाल कर बांग्लादेश में अपने घरवालों से बातचीत की थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी से बरामद टुकड़ा, वारदात की जगह से मिला हिस्सा और सैफ की रीढ़ की हड्डी से निकला टुकड़ा, तीनों एक ही चाकू के हैं। पुलिस ने चार्जशीट में क्राइम सीन रिक्रिएशन की रिपोर्ट का भी जिक्र किया है, इसमें उन्होंने पूरी घटना के बारे में बताया। चार्जशीट में आरोपी के बाएं हाथ के फिंगरप्रिंट की रिपोर्ट का भी जिक्र है।

15 जनवरी को हुआ था सैफ पर हमला

सैफ अली खान पर 15 जनवरी को उनके घर सतगुरु शरण अपार्टमेंट में घुसकर हमला हुआ था। इसके बाद सैफ खुद अस्पताल पहुंचे थे। उन्हें हाथ, रीढ़ की हड्डी और पीठ पर चोटें आई थीं। इलाज के बाद एक्टर को 21 जनवरी को डिस्चार्ज किया गया। पुलिस ने 2 दिन बाद बांग्लादेशी नागरिक शरीफुल इस्लाम को गिरफ्तार किया था।

मेडिकल रिपोर्ट में 5 जगह मिले चाकू के घाव

एक्टर सैफ अली खान को पांच जगहों पर चाकू घोंपा गया था। उनको पीठ, कलाई, गर्दन, कंधे और कोहनी पर चोटें लगी थीं। उन्हें उनके दोस्त अफसर जैदी ने ऑटो रिक्शा में मुंबई के लीलावती अस्पताल पहुंचाया था। सैफ की मेडिकल रिपोर्ट से यह पता चला है। रिपोर्ट में कहा गया, 'चोटों का आकार 0.5 सेंटीमीटर से लेकर 15 सेमी तक है।

नौसेना प्रमुख का तंजानिया दौरा

'एआईकेईवाईएमई' अभ्यास से मजबूत होंगे भारत-अफ्रीका सैन्य संबंध, आज होगा शुभारंभ

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शनिवार से तंजानिया की पांच दिन की यात्रा शुरू की। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत और अफ्रीकी देशों की नौसेनाओं के बीच होने वाले बड़े युद्धाभ्यास 'एआईकेईवाईएमई' में भाग लेना और उसे देखना है।

अफ्रीका-भारत प्रमुख समुद्री जुड़ाव के लिए 'एआईकेईवाईएमई' नाम का यह अभ्यास रविवार 13 अप्रैल से तंजानिया के दार-एस-सलाम में शुरू हो रहा है। इसका आयोजन भारतीय नौसेना और तंजानिया पीपुल्स डिफेंस फोर्स मिलकर कर रहे हैं। बता दें कि यह अभ्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'ग्लोबल साउथ' के साथ भारत के रिश्तों को मजबूत करने की नई पहल का हिस्सा है। जहां पीएम मोदी ने हाल ही में मॉरीशस दौरे में 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) विजन की बात कही थी।

दोनों देशों की बीच समुद्री सहयोग को मजबूती पर जोर

नौसेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी 12 से 16 अप्रैल तक तंजानिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान वे दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर देंगे। नौसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया गया है कि एडमिरल त्रिपाठी की यह यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की मजबूत रक्षा साझेदारी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अभ्यास में अन्य अफ्रीकी देश भी लेगें हिस्सा

छह दिन तक चलने वाले इस अभ्यास में भारत और तंजानिया के अलावा कई अफ्रीकी देश जैसे कोमोरोस, जिबूती, इरिट्रिया, केन्या, मेडागास्कर, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स और दक्षिण अफ्रीका भी हिस्सा ले रहे हैं। इस अभ्यास का मकसद समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है।

इसमें समुद्री डकैती, तस्करी और अवैध मछली पकड़ने जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सूचनाएं साझा करना और निगरानी व्यवस्था को बेहतर बनाना शामिल है।अधिकारियों का कहना है कि 'एआईकेईवाईएमई' अभ्यास से भारत और अफ्रीकी देशों के बीच समुद्री सहयोग और ज्यादा गहराएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी बड़े नगर निगम क्षेत्रों में गौशालाएं बनेंगी

इंदौर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के समीप महू के आशापुर गांव में नगर निगम गौशाला का निर्माण कर रहा है। शनिवार को इसकी भूमिपूजन मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गौमाता अपने बच्चों को तो पालती है। इंसान का भी ध्यान रखती है। गौमाता का अमृततुल्य दूध पीकर हम बड़े होते है। हमारी संस्कृति में पहली रोटी गौमाता के लिए रखी जाती है। आखरी रोटी कुत्ते के लिए बनाई जाती है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति से जुड़ने के नियम बनाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमाता की रक्षा का संकल्प युगों-युगों से हमारी संस्कृति से जुड़ा है। पहले माना जाता था कि भारत में दूध-दही की नदियां बहती है। खेती-बाड़ी में गौमाता की पहले काफी मदद ली जाती थी, लेकिन बाद में ट्रैक्टर, नए उपकरणों का उपयोग किया जाने लगा। इसकी मार हमारी गौमाता पर पड़ी। जाने-अंजाने हमसे गलतियां भी हुई, लेकिन हमे वापस ध्यान में आ गया कि रासायनिक खाद के उपयोग से नुकसान हो रहा है। जैविक खाद से किसान की लागत भी कम हो रही है और पौष्टिक अन्न का उत्पादन हो रहा है। हमने संकल्प लिया है कि गौमाता को लावारिस नहीं रहने दिया जाएगा। सभी नगर निगम को बड़ी गौशालाएं बनाने के लिए कहा गया है। इसके लिए राज्य सरकार भी मदद करेगी।

उन्होंने कहा कि हमारा देश भगवान राम और कृष्ण की धरती है। देश की पहचान उनसे भी होती है। प्रदेश में जहां भी राम और कृष्ण की लीलाएं हुई है। उसे हम तीर्थ बनाएंगे। महू के जाना पाव को भी तीर्थ स्थल का रुप दिया जाएगा। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि सवा सौ बीघा में गौशाला तैयार की जा रही है। हम इस गौशाला को आत्मनिर्भर बनाएंगे। यहां दस हजार गौवंश के रहने की व्यवस्था की जाएगी। एक साल के भीतर यह गौशाला बनकर तैयार हो जाएगी।

तमिलनाडु बीजेपी के नए अध्यक्ष बने नयनार नागेंद्रन

चेन्नई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु में भाजपा विधायक नयनार नागेंद्रन को नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। नागेंद्रन तमिलनाडु भाजपा के 13वें अध्यक्ष बने है। नागेंद्रन के नेतृत्व में तमिलनाडु भाजपा को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। भाजपा के द्वारा नयनार नागेंद्रेन को प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने उन्हें बधाई दी। साथ ही विश्वास जताया कि पार्टी राज्य में और मजबूत होगी। अन्नामलाई ने आगे कहा कि हमें अपना लक्ष्य और रास्ता दोनों पता है। हम 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सबसे मजबूत एनडीए गठबंधन के साथ उतरेंगे और डीएमके को सत्ता से बाहर करेंगे।

वक्फ कानून का विरोध, मुर्शिदाबाद में 3 की हत्या:भीड़ ने पिता-बेटे को पीट-पीटकर मार डाला

मुर्शिदाबाद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शनिवार को फिर हिंसा भड़क गई। हिंसक भीड़ ने पीट-पीटकर पिता-बेटे की हत्या कर दी। इनकी पहचान हरगोविंद दास और चंदन दास के रूप में हुई है। दोनों हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। वहीं, गोली लगने से एक अन्य घायल हो गया। हिंसा जिले के समसेरगंज ब्लॉक के धुलियान में हुई।

कल यानी 11 अप्रैल को भी धुलियान में हिंसा भड़की थी। यहां एक व्यक्ति घायल हो गया था, जिसकी आज अस्पताल में मौत हो गई। लिहाजा मुर्शिदाबाद हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) जावेद शमीम ने कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- घटना का ब्योरा अभी उपलब्ध नहीं है। गोली पुलिस की ओर से नहीं चली है, बीएसएफ की ओर से हो सकता है। ये शुरुआती जानकारी है। घायल खतरे से बाहर है। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारियों से कहा-वक्फ कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। कानून केंद्र ने बनाया है, इसलिए जो जवाब आप चाहते हैं, वह केंद्र से मांगा जाना चाहिए। मेरी अपील है कि शांत रहें। सबकी जान कीमती है, राजनीति के लिए दंगे न भड़काएं। इससे पहले 11 अप्रैल को मुर्शिदाबाद समेत चार जिलों में हिंसा हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगा दी गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। सुइटी थाना क्षेत्र के साजूर क्रॉसिंग में पुलिस पर क्रूड बम भी फेंके गए। इस दौरान 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए। बीते दिन भी तीन लोगों की मौत की खबर भी आई, लेकिन पुष्टि नहीं हो सकी थी। मामले में अब तक 118 लोगों को गिरफ्तार किया है। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा को लेकर राज्य के गर्वनर सीवी आनंद बोस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा की। इसके अलावा बोस ने राज्य सरकार को मुर्शिदाबाद, मालदा और दक्षिण 24 परगना जिलों के संवेदनशील इलाकों में उपद्रव के लिए जिम्मेदार उपद्रवियों के खिलाफ एक्शन लेने के निर्देश दिए। राजभवन के जारी वीडियो में बोस ने कह- सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित नहीं किया जा सकता है और विरोध के नाम पर लोगों के जीवन से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है। उन उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जो सोचते हैं कि वे कानून को अपने हाथ में ले सकते हैं।

शुभेंदु अधिकारी बोले-कट्टरपंथी खुलेआम हिंसा कर रहे

विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि बंगाल में अराजकता और कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा, "कुछ कट्टरपंथी समूह संविधान और कानून का विरोध कर खुलेआम हिंसा कर रहे हैं। आम लोग असुरक्षित हैं।"

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का ऐलान, 87 दिन चलेगा प्रदर्शन

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के 'वक्फ बचाव अभियान' का पहला फेज 07 जुलाई यानी 87 दिन तक चलेगा। इसमें वक्फ कानून के विरोध में 1 करोड़ हस्ताक्षर कराए जाएंगे। जो पीएम मोदी को भेजे जाएंगे। इसके बाद अगले फेज की रणनीति तय की जाएगी।

भारत की बात सुनाता हूं : मनोज कुमार

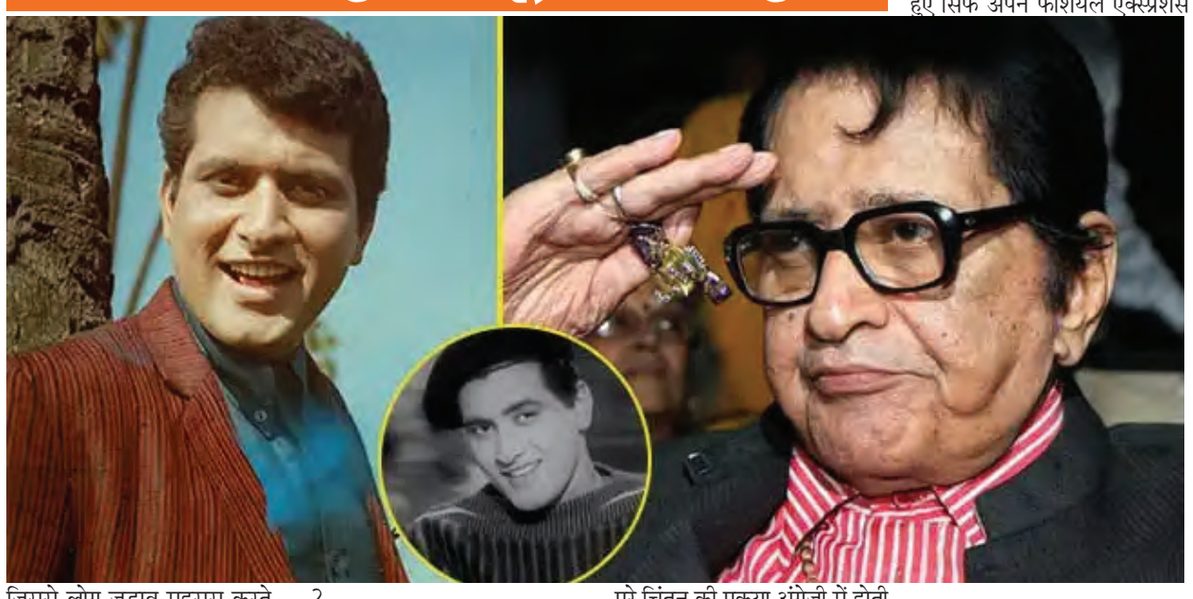

अतुल कुमार

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार नहीं रहे . सिनेमा के पर्दे पर जिस संसार की रचना की वह इतना ऐतिहासिक ,यशस्वी और प्रभावी है कि उसे जितनी बार देखें जी नहीं भरता .उनकी फिल्मों में जो देश भक्ति देखने मिली उसने दिलों को जीता तो देशाभिमान से ओत प्रोत किया " भारत का रहने वाला हूं भारत की बात सुनाता हूं " ने जोश और जज़्बात को गौरांवित किया. इसके असर को इसी से समझा जा सकता है कि उनका नाम " भारत कुमार " पडा .यह दुर्लभ है कि फिल्मों की विषय वस्तु के अनुसार कलाकार की पहचान और ख्याति बने .देश भक्ति की फिल्मों के वह पर्याय बने जब भी उनका उल्लेख होता तो पैट्रियाटिस्म स्वत; चला आता देश की धरती , रीती , प्रीती और संस्कृति ने उनकी फिल्मों को यादगार और बेमिसाल बनाया .फिल्म " शहीद " में शहीदे आज़म भगत सिंह की भूमिका को जिस ह्रदयस्पर्शी भाव से अदा किया वह दर्शकों के दिलो दिमाग में घर कर गया . " मेरा रंग दे बसंती चोला ,दम निकले इस देश की खातिर बस इतना अरमान है, एक बार इस राह में मरना सौ जन्मों के समान है ,माये रंग दे बसंती चोला ' गीत में अभिनय के जिस बेहतरीन रूप को प्रस्तुत किया उसे भुलाया नहीं जा सकता .

मनोज कुमार एक संस्थान थे जिसमें अदाकारी के विविध रूपों और स्वरूपों को देखने मिला . जितने अच्छे आर्टिस्ट थे उतने ही अच्छे लेखक ,निर्देशक , संपादक और निर्माता थे .जिन दिनों रोमांटिक ,पारिवारिक और फंटासी फिल्मों का बोल बाला था तब उनके चिंतन ने फिल्मों की अलग राह पकडी जिसने दर्शकों को लुभाया. फिल्म " शहीद " देख तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उनके दिये प्रिय नारे " जय जवान जय किसान " की थीम पर उनसे फिल्म बनाने को कहा इसी पृष्ठभूमि पर " उपकार " बनायी जिसे दर्शकों ने बेशुमार चाहत दी . फिल्म के गानों ने ही नहीं बल्कि फिल्म के संवादों और दृश्यों ने भी धूम मचायी " मेरे देश की धरती सोना उग़ले ,उगले हीरे मोती मेरे देश की धरती " आज भी लोगों के मनों पर छाया है .

फिल्म ने सफलता के कई झंडे गाडे तो खलनायक के रूप में मशहूर प्राण की विलेन की इमेज को ध्वस्त किया और रातों रात खराब आदमी की इमेज से निकल प्राण ने पर्दे पर गाया " कस्मे वादे प्यार वफा सब बातें हैं बातों का क्या कोई किसी का नहीं ये झूठे ,नाते हैं नातों का क्या कस्मे वादे ... " यही आज की रियलिटी भी है दोस्त ! यह गीत ज़िंदगी की सच्चाइयों से रुबरू करवाता है मतलब की इस दुनिया का मौजूं नग्मा है. फिल्म में मलंग चाचा के चरित्र को प्राण ने यादगार बनाया .

मनोज कुमार यानी हरिकिशन गिरि गोस्वामी उनका असली नाम था बचपन का वाक्या है स्कूल की पढाई के दौरान दिलीप कुमार की फिल्म " शंबनम " देखने गये और फिर उनके किरदार से इतने प्रभावित हुए कि उसी चरित्र के नाम पर अपना नाम मनोज कुमार रखा . सन 1957 में बतौर अभिनेता फिल्म "फैशन " से फिल्म कैरीयर की शुरुआत की बताया जाता है कि लगातार फ्लाप होती फिल्मों से परेशान हो अमिताभ बच्चन मुंबई छोड अपने माता पिता के पास वापस दिल्ली वापस जा रहे थे तब मनोज कुमार ने उनको रोका और अपनी फिल्म " रोटी कपडा और मकान " में मौका दिया . उनके अच्छे लेखक और स्क्रीन प्ले राइटर होने का प्रमाण इससे मिलता है कि फिल्म " वो कौन थी " जिसका सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर का गाया यादगार गीत " नैना बरसे रिमझिम रिमझिम पिया तोरे आवन की आस " ने धूम मचायी कि शुरुआती स्क्रिप्ट में कुछ ऐसे बदलाव किये कि फिल्म के निर्माता निर्देशक राज खोसला ने फिल्म की मूल स्क्रिप्ट को फेंक दिया और मनोज की लिखी पटकथा को रखा .

कम लोग जानते हैं कि फिल्म " मेरा नाम जोकर " के पहले भाग को उन्होंने लिखा था .फिल्म " हरियाली और रास्ता " ने मनोज कुमार की ज़िंदगी का रास्ता बदला .ऐक्टिंग के साथ कई फिल्मों का डायरेक्शन किया फिल्मों के कंटेंट और फार्म पर लगातार अपनी महारत को सिद्ध किया. वह ऐसी कहानियां लिखते जिससे लोग जुडाव महसूस करते . उदाहरण के लिये फिल्म " शोर " एक परिवार की खूबसूरत कहानी थी जिसे लिखा निर्देशित और निर्मित उन्होंने ही था . जिसमें वह मुख्य किरदार में थे यह पिता और बेटे की जज़्बाती कहानी है जो एक दुर्घटना के बाद अपनी आवाज़ खो देता है .और पिता बेटे की आवाज़ सुनने के लिये बेताब रहता है . फिल्म के मधुर गीत " एक प्यार का नग्मा है मौजों की रवानी है ,ज़िंदगी और कुछ भी नहीं तेरी मेरी कहानी है" ने सिने प्रेमियों का दिल जीता . जीवन से जुडी ऐसी फिल्में अब कहां बनती हैं ?

जबकि जीवन की बतेरी कथाएं आज बिखरी पडी हैं जिनको न कथाकारों की कलम मिलती है न फिल्मकारों का कैमरा दर्शकों के लिये हिंदी फिल्में तरस रही हैं क्यों कि उसने आम जन जीवन के साथ अपने कनेक्ट को खो दिया है .

मनोज कुमार से पूछा गया कि अब ऐसी फिल्में क्यों नहीं बनतीं ? दो टूक उत्तर दिया फिल्म मेकर्स अपनी भाषा संस्कृति और इतिहास से अंजान हैं . कितने लोग हैं जो अपने लिटरेचर या प्रेमचंद को जानते हैं ? गांव क्या है ? यह भी नहीं जानते .पूरे चिंतन की प्रकृया अंग्रेज़ी में होती है तो कहां से आप फिल्मों में जान डाल पायेंगे .हल , किसानी और मज़दूरी यह सब उनके लिये अजूबा है .10 साल की उम्र में उन्होंने देश विभाजन की त्रासदी को देखा जो उनके अंतर्मन में बैठी . उनकी फिल्मों के कैरेक्टर्स भी ज़मीन से जुडे थे . यदि फिल्म रोमांटिक होती तो उसमें भी अलग छाप छोडी फ़िल्म " पत्थर के सनम " के शीर्षक गीत " पत्थर के सनम तुझे हमने मोहब्बत का खुदा जाना " और "दो बदन " के गाने " भरी दुनिया में आखिर दिल को समझाने कहां जाएं मोहब्बत हो गयी जिनको वो दीवाने कहां जाये " में पूरे गानों के अर्थ को एक मोहडे पर बैठ पियानो बजाते हुए सिर्फ अपने फेशियल एक्स्प्रेशंस के ज़रिये इतने असरदार तरीके से पेश किया कि पोएट्री के अर्थों पर उनकी भावाभिव्यक्ति से लोग मोहित हुए और चिल्लर पैसों की बारिश की.

अब ऐसी अदाकारी कहां देखने मिलती है . आज पर्दे पर पुट्ठे ,सिक्स पैक और गुस्सैल चेहरों के बेमतलब की उठा पटक मार धाड से दर्शक बेज़ार हो गये हैं चाचा ! सोचिये ! क्यों आडियंस ने दूरी बना ली . सिर्फ टी वी चैनल्स , स्मार्ट फोंस और क्रिकेट की बढोतरी को दोष देना फिज़ूल है .

मनोज कुमार ने अभिनय किसी स्कूल ,कालेज या अकादमी में नहीं सीखा जो भी था नैचुरल था इसलिये उनकी बेस्ट ऐक्टिंग ,राइटिंग और एडिटिंग देखने मिली . कई तरह के रोल करने के बावजूद उनकी देश भक्ति की इमेज सदा धवल रही क्यों कि " शहीद " ' उपकार " " पूरब पश्चिम " और " क्रांति " आदि फिल्मों से उन्होंने जो ऐतिहासिक योगदान दिया वह अमर बना फिल्म पूरब पश्चिम के गीत " है प्रीत जहां की रीत सदा .भारत का रहने वाला हूं ,भारत की बात सुनाता हूं ' को सिनेमा के पर्दे पर गा " देश भक्ति के गौरव का गहराई तक एहसास कराया जिसने दिलों को छुआ . जिससे वह हर दिल अज़ीज़ फिल्मकार बने . वैसे " हिमालय की गोद में " " दो बदन " " पत्थर के सनम " " रोटी कपडा और मकान " " वो कौन थी " नील कमल " " बेईमान" और " संन्यासी " आदि ने उनकी हिट फिल्मों की लाइन लगायी.

मनोज कुमार ने अपनी फिल्मों के माध्यम से भारतीयता की खोज की जिसमें भक्ति , भावना , भाषा, भूषा और भव्यता दिखायी दी .50 सालों के फिल्म कैरीयर में सिर्फ 40 से कुछ अधिक फिल्मों मे काम कर अपार सफलता पायी . उन्हें फिल्मों के सर्वोच्च पुरस्कार दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया . " किसी शायर ने खूब कहा " जो जितना दूर होता है नज़रों से / उतना ही वो दिल के पास होता है /मुश्किल से जिसकी एक झलक देखने को ना मिले / वही ज़िंदगी में सबसे खास होता है // स्व मनोज कुमार के साथ अब यही है .

काव्य कुंज

सामाजिक समरसता

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

सामाजिक समरसता है
सपना साकार करना है
जाति-पांति भेद को अब
वर्ण वर्ग विभेद को सब,
अगडे-पिछडे भाव को अब,
उत्तर-दक्षिण तनाव को सब,
जड़ से उन्मूलन करना है
श्रेष्ठ भारत को खड़ा करना है।
बाबासाहेब भीमराव रामजी
अंबेडकर जी का, तपसमान
सपना, सपना ना रह जाएं
सब एक होकर साकार की जाएं
समसमाज की स्थापना के लिए
समन्वय सकारत्मक पग बढाएं
सामाजिक समरसता वचन में नहीं
कर्म आचरण में कर्तृत्व में दिखाएं
सर्वे भवन्तु सुखिनः का सन्देश
चरितार्थ ही नहीं यथार्थ में भा जाएं।।

जमाना ऐसे बदलता है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

तिरंगा जब लहराता है ,
तब इतिहास कहानी लिखता है
जिस ओर जवानी चलती है ,
उस ओर जमाना चलता है
जमाना ऐसे बदलता है।।
जालियाँवाले बाग की आग ,
जनरल डायर ने लगाई थी
जाति और मज़हब कुछ नहीं,बेकसूरों पर गोली दागी थी
आज़ादी के पहले सारे लोग,समझते स्वयं को हिंदुस्तानी
उधमसिंह ने उन्नीस बरस के बाद ,बदली पूरी कहानी थी
गर्व उन नौजवानों पर जिनका , सिक्का हर सदी चलता है
तिरंगा जब लहराता है , तब इतिहास कहानी लिखता है
जिस ओर जवानी चलती है , उस ओर जमाना चलता है
अक्ल , बादाम खाने से नहीं , पर ठोकर लगने से आती है
पहाड़ काटकर राह , जवानी , दशरथ माँझी की बनाती है
गनौरी पासवान , जिनसे हुई मिट्टी , बिहार प्रदेश की धन्य
ऐसे ये मजनूँ , जिनकी हिम्मत , पहाड़ में चीरा लगाती है
बिहार के सपूत चितेरे , जिनपर तकिया कलाम बनता है
तिरंगा जब लहराता है , तब इतिहास कहानी लिखता है
जिस ओर जवानी चलती है , उस ओर जमाना चलता है
जेब में गांधी हों न हों , दिल में जलती आँधी होनी चाहिये
राम मोहम्मद सिंह आज़ाद ,नाम की जवानी होनी चाहिये
भारत को मिटाने की कोशिश में,जाने कितने देश लुट गये
गौरवशाली इतिहास ,लिखने वाली , निशानी होनी चाहिये
ज़मीन में बोये बीज से , पेड़ नहीं पौधा निकलता है
तिरंगा जब लहराता है , तब इतिहास कहानी लिखता है
जिस ओर जवानी चलती है , उस ओर जमाना चलता है
खाली हाथ आये पर क़र्ज़ देश का , उतार जाना चाहिये
तारीफ़ नहीं करने का , जलने वालों को बहाना चाहिये
देश में हैं कुछ ऐसे तत्व , जिन्हें देश की उन्नति पसंद नहीं
राजनीति से परिवारवाद को जड़ से , उखाड़ देना चाहिये
वर्ष संकल्पों की सिद्धियों का ,ज़माना करवट बदलता है
तिरंगा जब लहराता है , तब इतिहास कहानी लिखता है
जिस ओर जवानी चलती है , उस ओर जमाना चलता है।

मेरे मन का बसन्त

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

सबके मन का बसन्त।
जिसका न होगा अन्त।
जिस्म मर जायेगा लेकिन,
रूह में प्यार रहेगा अनन्त।
मन की अठखेलियां।
पिया के संग ही भाती है।
जो कभी न खत्म होने हेतु,
फ़िर से जन्म ले आती है।
ऋतुएं जा जा वापस आती है।
पिया की सूरत मन रह जाती है।
समय जब यौवन में चढ़ता है।
मन को ऋतु बसंत सुहाती है।
मन का बसन्त न सूखेगा कभी।
उम्र चाहे साठ पार कर जायेगी।
पिया के संग तन और मन भी,
मन कोबूंदों सी नाच नचाएं गी।
रंगों का त्यौहार,शिवरात्रि
बसंत में ही आती है।
बसंत पंचमी आकर ही,
मां शारदे को पूजवाती है।
बसंत ऋतु में न ठंडी न गर्मी।
प्रिय सुहाना मौसम होता है।
रंग बिरंगी पुष्पों से चमन भी,
हवा संग मिल सुगंध फैलाता है।

माँ बाप जैसा मीठा नही रिश्ता मिलता

संजीव ठाकुर,
रायपुर

नफरत से प्यार का नही रिश्ता बनता ,
लालच से सच्चाई का नही रिश्ता बनता।
जहां राग, द्वेष और दुश्मनी व्याप्त हो,
मातृ-पिता जैसा नही सगा वास्ता बनता।
कौन किसी का दुखड़ा सुनता है यहां,
ऐसे में कोई अच्छा नही रास्ता बनता।
ऊपरी तौर पर मिलते आपस मे सब
दिलों से दिल का रास्ता नहीं मिलता।
हर तरफ सन्नाटा अकेलापन क्यों है,
भाई से भाई खासा नही रिश्ता रखता।
रिश्ते प्यार सहानुभूति अब हवा हो गई ,
मीठे शब्द बोलने वाला नही सच्चा मिलता।
सिर्फ दिखावटी रिश्ते बच गए हैं अब,
अपनों से अब सच्चा नही वास्ता रखता।
बुजुर्ग तरसते सुनने को बच्चों के बोल,
माँ बाप जैसा मीठा नही रिश्ता मिलता।

खता उनकी भी नहीं...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

बहते अश्कों को गिरता छोड़ दिया
यूं ही एहसासों को सिसकता छोड़ दिया
थक गया,अब और नहीं चला जाता
तुम जीते , मैं हार गया,
किस किस से गिला करते
खता उनकी भी नहीं यारों,
वो भी क्या करते
बहुत चाहने वाले थे, किस किस से वफ़ा करते
अभी सूखे भी नहीं आंसू मेरे
कि इक और गहरा घाव उभर आया
धुंधला ही था मन का दर्पण
क्यूं ये हल्की हल्की दरारों से भर आया
उभरे अरमां को बामुश्किल समझाया
स्तब्ध, आए भी थे, उठ कर चल दिए
किस किस से शिकवा करते
खता उनकी भी नहीं...
धूप में चलते रहे, छांव में गलते रहे
किसने देखी मेरी आग
तिलतिल जलते रहे
क्या कहा जाए, सिमट कर रह गए
कैनवास आड़ी तिरछी रेखाओं से भर गया
किस किस से फासला करते
खता उनकी भी नहीं..

डॉ.भीमराव अम्बेडकर

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

14 अप्रैल1891 महू ,
मध्य प्रदेश में जन्मा,एक बालक।
सामाजिक बुराईयां,
अभाव देख देख बढ़ा एक बालक।।
समाज में थी फैली
जबरदस्त अनगिनत कुरीतियाँ,
इंसान इंसान में असमानता,
झेलनी बड़ी चुनौतियाँ,
अर्थशास्त्र में शोध उपाधि,कांटों की राह हरा न पाई
एक बाद एक शोध,विधि,राजनीति विज्ञान,डिग्री पाई,
अद्भुत रामजी मालो सकपाल,भीमा बाई का एक बालक।
सामाजिक बुराईयां,अभाव देख देख बढ़ा एक बालक।।
दलितों के महानायक,प्रणय प्रणेता,छुआछूत से परेशान,
भारत के अग्रणी नेता,भारत निर्माण में अतुल्य योगदान,
अंबेडकर जाति भेद से दुखी हो ,बौद्ध धर्म अपनाया,
भारत के प्रथम विधि मंत्री,संविधान निर्माण करवाया,
सामाजिक बुराईयों खिलाफ लड़,बने सच्चे देश पालक।
सामाजिक बुराईयां,अभाव देख देख बढ़ा एक बालक।।
समाज सुधार,बाल शिक्षा जोर व नारी का उत्थान,
प्रखर 'भीमराव अम्बेडकर' को मिला भारत रत्न सम्मान,
महान संविधान निर्माता से देश की पावन हो गई धरती
बहुमुखी प्रतिभा संपन्न,अम्बेडकर को पुकार रही धरती,
कुरीतियाँ दूर करने को आज भी चाहिए एक चालक।
सामाजिक बुराईयां, अभाव देख देख बढ़ा एक बालक।।
14 अप्रैल1891 महू ,मध्य प्रदेश में जन्मा,एक बालक।।

सब भूल जाएंगे तुमको

अमृता,
पश्चिम बंगाल

सब भूल जाएंगे तुमको
तुम्हें याद रखना होगा खुद को ,
सहेजने होंगे हौसले, भरना होगा दम
जग से लड़ जग में फिर तुम्हें,
जगमगाना होगा , बंद पंखों को खोल
उड़ जाना होगा ।
संस्मरण रहे, न जाने कई बार
गिरा है तू ,गिर के फिर उठा है तू ,
लड़खड़ाए है, तेरे कदम भले
फिर भी, संभाला है तूने खुद को ,
हर असमंजस से निकाला है , तूने खुद को ।
खुद से लड़कर खुद को तुम्हें
सुनो ! याद आना होगा ,
तू अपने मन में भर हुंकार
अपने जीवन में जगा , तू नई ऊर्जा का संचार।
खोल अपने बंद परों को तूं ,
हाथों में थाम तू , अपनी नैया का पतवार ।
तू अपनी बगिया का माली खुद बन
रंग - बिरंगे फूलों को बागों से चुन ,
स्नेह और विनम्रता के गांठ से तू ,माला बुन ।
कठीन परिस्थितियों को तूने , है खुद ही झेला
सर्प के विष सा था वो वक्त तेरा ,
सपनों पर तेरे पड़े थे ,घने कोहरों के पैहरे
उन कोहरों को तुम्हें खुद ही हटाना होगा ।
एक नई सुबह सा , हर दिन तुम्हें ,
सुनो ! खुद में ही खुद को जगाना होगा ।
हटाते हुए कांटों को अपनी राह से
सुनो! तुम्हें खुद ही आना होगा , बीहड़ से भरे उस पनाह से !!

दोस्त ! दोस्ती !

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

मुस्कुराहट भरे ये चेहरे देखो
साथी तुम भी जरा मुस्कुराकर देखो
दरअसल मेरा दिल तेरे लिए रोता है
साथी तुम भी जरा
अपने दिल को रुला कर देखो !
लम्हों की दोस्ती बहुत प्यार भरी होती है
जुदाई के बाद कभी अपना बनकर देखो
दोस्ती दो दिलों की मोहब्बत का मेल है
अनोखी खुशी की वो मंजिल है तुम जान कर देखो!
पानी की अहमियत क्या है यह हम से नहीं
जलते हुए उन रेगिस्थानों से पूछो
लोगों के बहकावे से तुम कभी ऊपर उठकर
किसी संवेदन भरे दिल को ढूंढ कर देखो!!
ये जुदाई प्रलय से कम नहीं मेरे मीत !
तन्हा तुम्हारे इंतजार में हुए
बेजार बीते इन लम्हों से पूछो!
मीत मेरे ! मेरी तस्वीर से तुम
क्यों सवाल करते हो ?
जख्मों से भरे मेरे सीने से पूछो !!
खुशबू हो गयी गायब अब रह गया है मुरझाया फूल
मैं कहां कहां भटकता रहा ये मरीचिकाओं से पूछो !
बह गया पानी अब पलकों का किनारा रह गया !!
मैं क्या कहूं इन बेबस सांसों से पूछो!
शिकायतों की दरार में दोस्ती कब तक निभायी जाती
बाग के फूलों से नहीं उन कांटों को छूकर देखो
तमन्नाओं को पूरा करन करवटें बदलते हैं अक्सर लोग
फूट डालकर तमाशा देखते हैं ये रहनुमा से पूछो!!
धन दौलत के पुजारियां हमेशा धन से तौलते हैं दोस्ती को
मोहब्बत को जानने वाले मिलेंगे कैसे ? ये भगवान से पूछो!
दोस्त ! दोस्ती की राह के सफर में इकबार फिर
गले मिल कर देखो जन्नत भी दंग रह जाएगी
मज़हब के सारे पन्नें पलटा कर देखो !!

लोकतंत्र

टी तारासिंह
हैदराबाद

झूठे वादे अब न करना
राजनिति से खिलवाड अब न करना
अधिकार मिल जाए तो
मनमानी , जुर्म ओर हेराफेरी न करना
वादे किये तो अमल भी करना
जनता को गुमराह न करना
कुर्सी के लिए कुछ भी करना
हमारे देश मे जायज नही है
यहाँ दोस्त है दुष्मन भी है
दुष्मन का दुष्मन जिगरी दोस्त है
ये कुर्सी है कांटो भरी, खून भरी
न्याय सबको बराबर करना
सादगी , अहिंसा से अपना कार्य करना
हमारा देश है लोकतंत्र
सभी जातियो ,धर्मो को समान सम्मान देना ।।

स्मार्टफोन-हम नहीं हैं 'रमण'...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

तुम्हीं से शुरू, तुम्हीं पर हैं खतम,
स्मार्टफोन की चमक होती हजम।
ये डिजिटल दुनिया का सम्मोहन,
हर कोई बना हुआ इसका मोहन।
सुख-सुविधाओं का ये हैं खज़ाना,
क्या? दिन-रात इसमें डूब जाना।
यह चकाचौंध भरी आभासी दुनिया,
गहन, खतरनाक अंधेरे में मुनिया।
ऑनलाइन सट्टेबाजी का वह जाल,
आगोश में लेकर करता बुरा हाल।
ये हैं विस्तार डिजिटल प्लेटफॉर्म,
अब इसका खत्म ना होता है चार्म।
आर्थिक स्थिरता हो रही नेस्तनाबूद,
ये लाइलाज बीमारी में सब रहे कूद।
आओं मिलकर करें हम सब प्रयत्न,
बांध दो एक समय करिये ये यत्न।
करो स्वयं पर नियंत्रण ले लो प्रण,
डिजिटल युग के हम नहीं हैं 'रमण'।

अक्षर वाक्य और हम

डॉ टी महादेव राव

सच तो यह है
कि अक्षरों के दरमियां बढ़ गई हैं दूरियाँ
वाक्यों के बीच व्याकरण बदल गया है
यह सोचना है बुद्धिहीनता
कि हम खुश है इसलिए अभी फूल खिलें
मजे में हैं हम इसलिए
हर दिन खिले चाँदनी
है आशा करना मूर्खता
हम अच्छी बातें कर रहे हैं
सभी मज़े से सुनेंगे मान लेना है दुराशा
हर बात को इसी तरह बार बार दोहराना
है निर्दयता निर्ममता
लेकिन उसकी वह आदत है
जानकर भी खामोशी ओढ़ लेना गलती है हमारी
फिर भी सत्य तो कहना ही होगा
अक्षरों के मध्य आत्मश्लाघा अधिक हो गई है
वाक्यों के बीच व्यवहार अलग हुआ है
जब भी खून छलकता है
फूलों के झड़ने पर भी डाली सोती नहीं है
आकाश के गरियाने पर चाँदनी ने दी है सांत्वना
प्रश्न उगते ही रहेंगे
हजारों अक्षर होते रहेंगे पैदा
जहां तक सोच जाती है वहाँ तक
अनायास या सप्रयास
हथेली से चिपके पसीने को
आदतन पोंछ लेना
बन गई है हमारी परिपाटी
यही उसके लिए बना है मौका
सच तो यह है मित्रों
अक्षरों के बीच पाखण्ड अनिवार्य हो गया है
कम हो रहे हैं वाक्यों के बीच ढाढ़स बँधाते शब्द
खून से लथ पथ शरीरों को रखकर सामने
शब्द चित्रों के लिए रेंगते ढूंढ़ते रहना
लगती है कायरता
भौतिक देहों को देखते देखते
इतना अमूर्त सोचना लगती है शर्मिंदगी
सभी को एकता में बांधने वाली आत्मस्थिरता
लगता है जंगल में खिली चाँदनी हो गई है
कई आकृतियों में ढलकर कुछ न कर पाना
सामूहिक हार से सिर झुकाया सा लगता है
कहनी ही होगी सबसे यह सचाई
अक्षर न जाने क्यों डर से बिल बिला रहे हैं
इंकार कर रहे हैं वाक्य न जाने क्यों
विदूषक का भेष छोडने से।

अपनी जीर्णता पर मुस्कुराता पुल

मनीषा मंजरी
दरभंगा

उस पूल का अस्तित्व किसे लुभाता है,
जो किनारों को नहीं जोड़ पाता है,
ना गुजरती है कोई नदी उसके नीचे से,
ना कोई रेल उसके ऊपर खड़खड़ाता है।
बेचैनियां समेटे तन्हा खड़ा सा वो,
अब तो उमीदों के दरवाजे भी नहीं खटखटाता है।
कुछ क़दमों ने निशान छोड़ रखे हैं जो,
अपनी खामोशी में बस उन्हें हीं सहलाता है।
ठहरती हवाओं से दिल उसका लग जाता है,
पर चुभती निगाहों से वो बच कहाँ पाता है।
कभी आवारगी का घर वो कहलाता है,
कभी माशुकी को अपने हिस्सों में छुपाता है।
बेख्याली में खुद को ढहाता सा वो,
किनारों की तलाश में साँसों को तड़पाता है।
जो ना मिलता है खुद से ना हीं बिछड़ पाता है,
विध्वंस्ता का सबब बनकर अपनी जीर्णता पर मुस्कुराता है।

दस्तक

डॉ डी डी देसाई

आज फिर दरवाजे पर
दस्तक हुई हैं.....।
देखो..... कौन हैं....?
झूठ हो.. तो अंदर लेना...।
कहना तुम्हारा ही इंतजार था।
बड़ी आसानी से जीतते हो हर जंग,
न तलवारें चलती हैं.. न गर्दनें कटती हैं।
न ही कोई शक करता हैं तुम पर।
न कोर्ट कचहरी.. न ही कोई दलिलें।
फैसला हमेशा पक्ष में...तुम्हारे,
क़ानून से भी लम्बे हैं हाथ तुम्हारे।
कोर्ट तुम्हारा.... वकील भी तुम्हारे ...
यहाँ तक कि.. न्यायाधीश भी स्वयं तुम।
किसकी मजाल जो तुम्हें हराये।
आज फिर दरवाजे पर... दस्तक हुई हैं...।
देखो.... कौन हैं....?
सच हो...तो वहीं से रफा दफा करना।
कहना... तुम्हें साबित कौन करेगा...?
तू ठहरा गरीब ...बेचारा.. लाचार...
तुम्हारी दलील कौन सुनेगा....?
कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाओगे...
पैरोमें लहूलुहान छाले पड़ेंगे।
जमीन के साथ जमीर भी बेचोगे...
घर बार गिरवी रखोगे....।
तारीख पर तारीख मिलती रहेगी।
पर तुम्हें इंसाफ नहीं मिलेगा...।
कैदखाने में दम तोड़ दोगे...
शाहजान की तरह...।
और झूठ सियासती राज करेगा... औरंग की तरह.....।

शिक्षक और नेता

गजानन पाण्डेय

ज्ञान का दीप जलाए रखना
शिक्षक का सम्मान बनाए रखना
वे शिक्षा का आधार है
चरित्र बिना शिक्षा निराधार है ।
शिक्षक से बनता समाज है
वे संस्कृति का आधार है ।
नेता - जन प्रतिनिधि होता है
वह जनसेवक कहलाता है
' लोकतंत्र ' में जनता को
नेताओं पर भरोसा होता है
वे अगर सच्चे हो ,
जनता सम्मान देती है
वरना चुनाव में करारी हार होती है ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

मोदी-योगी चाहें तो हिंदू राष्ट्र बन सकता है नेपाल

लोग बोले- राजा भी जरूरी, नेताओं ने विदेशी पैसे लेकर देश को सेक्युलर बनाया

नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर के सामने बाबा गंगादास अक्सर बैठे मिल जाते हैं। सिर पर लंबी जटाएं, चेहरे पर दाढ़ी, बदन पर सिर्फ एक कपड़ा। मंदिर के बाहर एक शिला पर बैठे बाबा गंगादास मामूली शख्स नहीं हैं। ये नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के गुरु की तरह हैं। धर्म से जुड़े मसलों पर राजा उनकी ही सलाह लेते हैं। बाबा गंगादास कहते हैं, 'राजा भी यही सोचते हैं कि नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र होना चाहिए। फिर सब ठीक हो जाएगा। अभी देश में धर्म की हानि हो रही है। ऐसे समय में धर्म को बढ़ाया जाना चाहिए। हिंदू राष्ट्र के लिए राजा का आना जरूरी है, उनके बिना हिंदू राष्ट्र टिक नहीं सकता। नेपाल में राजशाही की वापसी के लिए आंदोलन चल रहा है। इन दिनों नेपाल में राजशाही से भी बड़ी मांग हिंदू राष्ट्र की है। वजह है यहां की 80% से ज्यादा हिंदू आबादी।

2008 तक ये देश दुनिया का इकलौता हिंदू राष्ट्र था। इसी साल राजा का शासन खत्म होने के बाद सेक्युलर हो गया। अब जो लोग राजशाही का समर्थन नहीं करते, वे भी नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। हिंदूवादी संगठन इसके लिए रैलियां निकाल रहे हैं, प्रदर्शन कर रहे हैं। वे अपने नेताओं से भी नाराज हैं। उन्हें लगता है कि हिंदू राष्ट्र तभी बनेगा, जब राजशाही लौटेगी। बाबा गंगादास कहते हैं, 'हमारी राजा से मुलाकात होती रहती है। वे हमें धर्म पर चर्चा करने के लिए बुलाते हैं।

बाबा गंगादास के बगल में ही उनके सहयोगी शिवदास कहते हैं, 'नेपाल पहले भी हिंदू राष्ट्र था। फिर से हो जाए, तो क्या बुरा है। मोदी और योगी चाहें तो हिंदू राष्ट्र बनाने में हमारी मदद हो सकती है। जब राजा था, हिंदू राष्ट्र था, तब एक आदमी खाता था। अब कई लोग खा रहे हैं। जब तक राजा नहीं आएगा, हिंदू राष्ट्र आने का कोई मतलब नहीं है। इसलिए दोनों का एक साथ आना जरूरी है। पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन करने आईं जानकी केसरी काठमांडू की रहने वाली हैं। वे कहती हैं, 'नेपाल को हिंदू राष्ट्र होना चाहिए। मैं नेपाल में ही पैदा हुई हूं। हम धर्म-ईश्वर को मानने वाले लोग हैं।

42 साल के मिलन काठमांडू में इंटरनेशनल टूरिस्ट के साथ काम करते हैं। वे भी नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। बोले, 'पहले नेपाल हिंदू राष्ट्र ही था। तब हम राजा से खुश नहीं थे। मैंने भी लोकतंत्र लाने के लिए लड़ाई लड़ी थी। हमने हिंदू राष्ट्र का दर्जा खत्म करने की मांग कभी नहीं की थी। नेपाल में सबसे ज्यादा हिंदू रहते हैं। हिंदू धर्म हमारे देश की पहचान है। अगर कोई ये सोच रहा है कि हिंदू राष्ट्र होने से दूसरे धर्मों के लोगों का शोषण होगा, तो ऐसा नहीं होगा। हम हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं।

नेपाल में हिंदूवादी संगठन नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग कर रहे हैं। इनमें विश्व हिंदू महासंघ भी शामिल है। ये संगठन करीब 10 साल से रैलियों और सभाओं के जरिए लोगों को एकजुट कर रहा है। विश्व हिंदू महासंघ नेपाल में धर्मांतरण के खिलाफ भी अभियान चलाता है। 'घर वापसी' जैसे कार्यक्रम करता है। विश्व हिंदू महासंघ की वाइस प्रेसिडेंट ज्योत्सना साउद कहती हैं, 'आए दिन धर्मांतरण की खबरें आती हैं। क्रिश्चियन मिशनरी बड़े पैमाने पर इसके लिए अभियान चला रही हैं। हम उन्हें जवाब देने के लिए घर वापसी अभियान चलाते हैं। धर्मांतरण के बाद कई लोग हिंदू धर्म में वापस आना चाहते हैं। 3 महीने पहले ही हमने 1800 लोगों की एक साथ घर वापसी करवाई है। वे आगे कहती हैं, 'हिंदू राष्ट्र नेपाल की पहचान है। हम लोग सरकार पर दबाव बना रहे हैं। लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं। हम दोहरी रणनीति पर काम कर रहे हैं। पहलीः सड़कों पर एकजुट होकर लोगों से हिंदू राष्ट्र की मांग के लिए साथ आने की अपील कर रहे हैं। दूसरीः सरकार में शामिल नेताओं से हिंदू राष्ट्र पर आगे बढ़ने की गुजारिश कर रहे हैं। ज्योत्सना कहती हैं, 'मुझे लगता है कि नेपाली लोगों की रजामंदी से ही ये काम होगा। नेपाल फिर से हिंदू राष्ट्र बनेगा। भले ही मौजूदा सरकार कांग्रेस और वामपंथी पार्टी के गठबंधन से बनी है, लेकिन मैं खुद इन पार्टियों के साथ काम करती हूं। इनके नेता-कार्यकर्ता भी हिंदू राष्ट्र की मांग का समर्थन करते हैं। 'कांग्रेस-वामपंथी पार्टी के अपने कार्यकर्ताओं के आगे झुक जाएंगे। मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोग भी चाहते हैं कि नेपाल फिर से हिंदू राष्ट्र बने। उन्हें पता है कि देश हिंदू राष्ट्र था, तब वे ज्यादा खुश थे।'

काठमांडू के रहने वाले पुष्पराज पुरुष सोशल मीडिया पर नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने का अभियान चलाते हैं। 10 अप्रैल को उन्होंने इसके लिए रैली निकाली थी। इसमें करीब एक हजार लोग जुटे। ये लोग भगवा झंडे और हिंदू राष्ट्र के समर्थन में पोस्टर लेकर आए थे। रैली के आसपास पुलिस तैनात रही, ताकि हिंसा न भड़के। पुरुष के फेसबुक पर एक लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं। वे कहते हैं, 'हम सोशल मीडिया के जरिए हिंदू राष्ट्र की मांग लोगों तक पहुंचा रहे हैं। युवाओं को इस बारे में बता रहे हैं। उन्हें एकजुट कर रहे हैं। मानव सभ्यता की शुरुआत ही हिंदू दर्शन से हुई है। नेपाल शुरुआत से हिंदू राष्ट्र था, ये अब भी हिंदू राष्ट्र है। इसलिए इसे फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित करना चाहिए।'

'नेपाल की पार्टियों और नेताओं ने विदेशी पैसा खाकर देश को हिंदू राष्ट्र की जगह सेक्युलर बना दिया। अगर पार्टियां फिर से इसे हिंदू राष्ट्र नहीं बनाती हैं, तो हम नेपाल को कांग्रेस और कम्युनिस्ट मुक्त बनाने का अभियान शुरू करेंगे।

जगमान गुरुड भी नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए निकाली रैली में शामिल हुए थे। उनके फेसबुक पर करीब 80 हजार फॉलोअर हैं। जगमान को पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह का करीबी माना जाता है। वे राजा की उस कमेटी में भी हैं, जो हिंदू राष्ट्र पर काम करती है। हालांकि, जगमान हंसते हुए कहते हैं, ये कमेटी राजा ने नहीं, बल्कि नेपाल की जनता ने बनाई है। नेपाल में धर्म खत्म हो रहा है, हम सबसे पहले धर्म की स्थापना करेंगे। हिंदू राष्ट्र की स्थापना राजा के बिना मुमकिन नहीं है और राजा को वापस लाने के लिए हिंदू राष्ट्र होना जरूरी है।'

नेपाल की सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के नेता अभिषेक प्रताप शाह कहते हैं, 'पार्टी हिंदू राष्ट्र की मांग का समर्थन करती रही है। हमारे सीनियर लीडर ओम बहादुर खड़का हिंदू राष्ट्र की बहाली की मांग करते हैं।

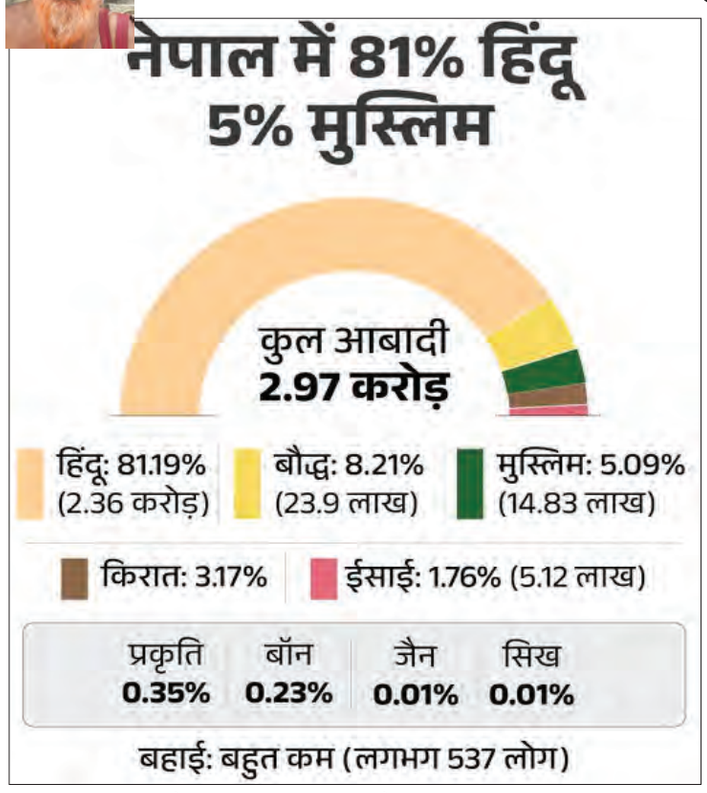

विदेश तक पहुंची रिजॉर्ट पॉलिटिक्स

विशाखापट्टनम नगर निगम में मेयर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव की वोटिंग 19 अप्रैल को होनी है, लेकिन उससे पहले राजनीति ने एक अलग ही मोड़ ले लिया है। आंध्र प्रदेश की दो बड़ी पार्टियां—तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वायएसआरसीपी) अपने-अपने पार्षदों को मलेशिया और श्रीलंका के रिजॉर्ट्स में भेजकर 'रिजॉर्ट पॉलिटिक्स' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले गई हैं। इसका मकसद है पार्षदों को विपक्षी दल के संपर्क से दूर रखना और क्रॉस-वोटिंग की संभावनाओं को खत्म करना।

विदेश यात्रा बना राजनीतिक हथियार

टीडीपी ने अपने पार्षदों को मलेशिया रवाना किया है, जबकि वायएसआरसीपी ने पहले तो उन्हें कर्नाटक में कैंप कराया, बाद में श्रीलंका शिफ्ट कर दिया। वायएसआरसीपी के करीब 30 पार्षद फिलहाल श्रीलंका के अलग-अलग हिस्सों में हैं। पार्टी के डिप्टी मेयर खुद कोच्चि में डेरा डाले हुए हैं। वहीं, टीडीपी ने अपने समर्थक पार्षदों को विदेश में 'सेफ जोन' में रखा है ताकि आखिरी समय में कोई सियासी उलटफेर न हो।

पार्षदों की गिनती से लेकर गणित तक

विशाखापट्टनम नगर निगम में कुल 98 सीटें हैं, जिनमें से एक खाली है। वर्तमान में 97 पार्षद वोटिंग में हिस्सा ले सकते हैं, साथ ही 14 एक्स-ऑफिशियो सदस्य भी वोट डालेंगे। वायएसआरसीपी के पास अभी 59 पार्षद हैं जबकि टीडीपी के पास 29, और उसके सहयोगी जेएसपी, भाजपा, सीपीआई और सीपीएम के पास एक-एक सदस्य हैं। हालांकि, पिछले कुछ महीनों में वायएसआरसीपी के 25 से ज्यादा पार्षद टीडीपी में जा चुके हैं।

टीडीपी का दावा है कि उसे 70 पार्षदों का समर्थन मिल चुका है, लेकिन अविश्वास प्रस्ताव पारित करने के लिए 74 वोट जरूरी हैं। 2024 के विधानसभा और लोकसभा चुनावों में टीडीपी और एनडीए गठबंधन ने विशाखापट्टनम में शानदार प्रदर्शन किया था। अब पार्टी नगर निगम पर भी कब्जा चाहती है। वहीं, वायएसआरसीपी लगातार कमजोर हो रही है और उसे अपनी सरकार गंवाने के बाद अब नगर निकाय में भी हार का डर सता रहा है। पार्टी के अंदरूनी मतभेद भी सामने आ रहे हैं। कुछ पार्षदों ने विदेश यात्रा का विरोध करते हुए कैंप से दूरी बना ली है।

भारत में 'रिजॉर्ट पॉलिटिक्स' यानी विधायकों और पार्षदों को होटल या रिजॉर्ट्स में कैद करके रखना नया नहीं है। लेकिन विशाखापट्टनम का यह मामला पहली बार है जब पार्षदों को विदेश भेजा गया है। यह दिखाता है कि अब राजनीति केवल विचारधारा की नहीं, रणनीति और 'हॉलीडे प्लानिंग' की भी बन गई है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया है कि सत्ता की लड़ाई में सैर-सपाटे भी अब एक अहम हथियार बन चुके हैं।

दुनिया को आर्थिक युद्ध में धकेलता अमेरिका

डॉ घनश्याम बादल

इन दिनों विश्व भर के बाजारों पर अमेरिका की नई टैरिफ नीति का भारी प्रभाव दिखाई दे रहा है शंकर आशंकाओं एवं भय का माहौल गर्म है। हालांकि अभी इस टैरिफ नीति के अंतिम परिणाम के बारे में केवल कयास लगाए जा रहे हैं और ठोस आधार पर अधिक नहीं कहा जा सकता है फिर भी व्यापार विशेषज्ञ, बाजार के धुरंधर, मीडिया विश्लेषक और नेता एवं ब्यूरोक्रेट्स इस नीति का विश्लेषण करने में लगे हैं ।

इस टैरिफ नीति के पूरी तरह लागू होने से पहले ही शेयर बाजार पर इसका जो असर दिखाई दे रहा है वह गहरी चिंता पैदा कर रहा है। यहां एक बात सोचने वाली है कि क्या अमेरिका ने इस नीति के दूरगामी परिणाम का विश्लेषण किए बगैर ही इसे लागू कर दिया या वहां के विशेषज्ञों ने सोच समझकर इस नीति को लागू करने का फैसला किया है। भले ही भारत सहित दुनिया के दूसरे देशों को लगे कि यह टैरिफ नीति उनके लिए हानिकारक है और विश्व बाजार पर हानिकारक प्रभाव पड़ेगा एवं वैश्विक युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो सकती है अथवा 1904 - 1905 जैसी मंदी का दौर लौट सकता है ।

जैसे सभी देशों को अपने बाजार एवं व्यापार की रक्षा का अधिकार है वैसा ही अधिकार अमेरिका को भी है और निश्चित रूप से अमेरिका ने अपने घरेलू व्यापार एवं उत्पादों को संरक्षण देने के लिए इस नीति को अपनाने का फैसला किया है।

वैसे अमेरिका समय-समय पर आयातित वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाता या घटाता रहा है और इसके पीछे उसकी सोच के मुख्य बिंदु रहे हैं घरेलू उद्योगों की रक्षा की , व्यापार घाटा कम करना, रणनीतिक व्यापारिक संतुलन कायम रखना व प्रतिद्वंद्वी देशों पर दबाव बनाना मुख्यहै ।

इस टैरिफ नीति के माध्यम से अमेरिका ने कई देशों से आने वाले उत्पादों पर टैरिफ बढ़ा कर संरक्षणवाद की नीति अपनाई है। यहां ध्यान देना चाहिए कि यह वही अमेरिका है जो दुनिया भर में काफी पहले से खुले व्यापार और खुले बाजार की वकालत करता रहा है मगर जब उसे खुद के बाजार पर जरा सा संकट नजर आया तो उसने तुरंत पैंतरा बदल लिया है ।आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक व्यापार में टैरिफ बढ़ने से सप्लाई श्रंखला बाधित होगी, उत्पादों की लागत बढ़ेगी वैश्विक व्यापार धीमा होगा । ऐसी स्थिति रोकने की जिम्मेदारी विश्व व्यापार संगठन पर है मगर जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा टैरिफ लगाते हैं तो डब्ल्यू टी ओ की चुप्पी उसकी प्रासंगिकता एवं निष्पक्षता पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगाती है। यदि अमेरिकी टैरिफ नीति के प्रति उत्तर में भारती, जापान, चीन, यूरोपीय संघ के देश भी जवाबी टैरिफ लगाते हैं 'व्यापार युद्ध' की स्थिति बनने के पूरे आसार हैं इससे न केवल विश्व में तनाव बढ़ेगा अपितु सिर पर विश्व युद्ध का खतरा भी मंडराता नजर आएगा । याद रखना चाहिए कि विश्व युद्ध केवल राजनीतिक कारणों से नहीं होते अपितु उनके पीछे

आर्थिक एवं सामाजिक तथा प्रजातीय कारण भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं इस नीति का भारत पर भी प्रभाव अवश्यंभावी है और काफी लंबे अरसे के बाद अच्छे हुए भारत अमेरिका संबंधों पर भी इसकी काली छाया पड़ सकती है। अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले कुछ उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाया है जिससे भारत के निर्यातकों पर असर पड़ेगा और अमेरिकी बाजारों में भारतीय उत्पाद काफी महंगे हो जाएंगे जिससे उनकी मांग पर नकारात्मक असर पड़ेगा और इससे भारत की निर्यात आय पर भी असर पढ़ना तय है।लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं अमेरिका की इस नीति से भारत को दूरगामी में लाभ भी हो सकता है क्योंकि अगर अमेरिका चीन से दूरी बनाता है, तो भारत को अमेरिका में उसके विकल्प के रूप में व्यापार का अवसर मिल सकता है। बौद्धिक संपदा और तकनीकी उत्पादों और डिजिटल व्यापार जैसे क्षेत्रों में सख्ती करता है, जो भारत की आईटी औरफार्मा कंपनियों को प्रभावित कर सकता है।

औरंगजेब और शिवाजी में साम्राज्य के लिए संघर्ष !

मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर राजनीति गरम है। उन्हें लेकर अक्सर राजनीति होती रहती है। उनके बारे में तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं। इनमें से कुछ सच हैं तो कई झूठ।

औरंगजेब को लेकर पिछले कई दिनों से विवाद चल रहे हैं। खासकर एक फिल्म आने के बाद, जो शिवाजी और औरंगजेब पर है। फिल्म से अलग शिवाजी और औरंगजेब के बारे में इतिहास क्या कहता है?इलाहाबाद यूनिर्वसिटी के प्रोफेसर हैंब्रम चतुर्वेदी का तर्क है कि औरंगजेब-शिवाजी पर आई फिल्म के बाद जो विवाद चल रहा है उसके मूल में सांप्रदायिकता है। इसका इतिहास से कोई लेना-देना नहीं है। संदर्भ से काटकर कोई बात कही जाती है, तो उसका अनर्थ हो जाता है। मराठों से औरंगजेब की लड़ाई हिंदू-मुसलमान की नहीं, बल्कि एक राजा की दूसरे राजा से थी। औरंगजेब ने 1658 से 1707 तक शासन किया और मुगल साम्राज्य को सबसे बड़े विस्तार तक पहुंचाया। शिवाजी मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे, जिन्होंने मुगलों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और 1674 में राजा के रूप में ताज पहना। दोनों के बीच लंबे समय तक शत्रुता रही, जिसमें शिवाजी ने कई बार मुगल शक्ति को चुनौती दी, जैसे- 1664 और 1670 में सूरत बंदरगाह की लूट। शिवाजी की मृत्यु 3 अप्रैल, 1680 को रायगढ़ किले पर हुई। संभावित कारणों में रक्तस्रावी डिसेंटरी, एंथ्रेक्स, या बुखार शामिल हैं। ऐतिहासिक तथ्यों से पता चलता है कि शिवाजी की मृत्यु की खबर दिल्ली पहुंचने पर औरंगजेब ने उनकी मृत्यु पर खुशी जताई थी, लेकिन साथ ही उनकी नेतृत्व क्षमता को स्वीकार करते हुए कहा, 'शिवाजी एक महान कप्तान थे और एक नए राज्य को स्थापित करने की उदारता रखने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। मेरी सेनाओं ने उनके खिलाफ 19 वर्षों तक संघर्ष किया, फिर भी उनका राज्य हमेशा बढ़ता रहा।'

संभाजी को 1 फरवरी, 1689 को संगमेश्वर में मुगल सेनापति मुकर्रब खान के नेतृत्व में मुगल सेना ने कब्जा लिया था। मुकर्रब खान के पुत्र इखलास खान ने संभाजी और उनके मंत्री कावी कलाश को उनके बालों से खींचकर कब्जा किया। संभाजी और अन्य कैदियों को अकलूज ले जाया गया, जहां औरंगजेब मौजूद था। औरंगजेब ने हामदुद्दीन खान को आदेश दिया कि कैदियों को जंजीरों और हथकड़ियों में लाया जाए। उन्हें बहादुरगढ़ में कैद किया गया, जहां रुहिल्ला खान को मराठा खजाने की जानकारी निकालने के लिए भेजा गया। संभाजी ने जानकारी देने से इनकार कर दिया। इसके बाद संभाजी और कावी कलाश की जीभ काट दी गई, आंखें गर्म लोहे से जला दी गईं। अंततः, 11 मार्च 1689 को तुलापुर में कोरेगांव पर भीमा नदी के किनारे उन्हें क्रूर तरीके से मार दिया गया।

मुगल साम्राज्य की उत्तराधिकार परंपरा में बड़े पुत्र को सत्ता देने का चलन नहीं था। इसलिए भाइयों के बीच शक्ति संघर्ष और हत्या की घटनाएं आम थीं। शासन के दौरान भाइयों की हत्या मुख्य रूप से शाहजहां और औरंगजेब के साथ जुड़ी हुई है। शाहजहां ने सिंहासन पर कब्जा किया तो इस दौरान उन्होंने अपने भाई शहरयार मिर्जा को मारने का आदेश दिया, जो एक संभावित प्रतिद्वंद्वी थे। इसके अलावा शाहजहां ने अपने भतीजों दावर और गर्शस्प (खुसरो मिर्जा के पुत्र) और अपने चचेरे भाइयों तहमुरस और होशंग (दानियाल मिर्जा के पुत्र) को भी उसी दिन मार डाला, ताकि किसी भी चुनौती को खत्म किया जा सके। औरंगजेब ने उत्तराधिकार युद्ध में दारा शिकोह, शाहशुजा, और मुराद बख्श के खिलाफ लड़ाई लड़ी जबकि अकबर के पुत्र जहांगीर ने अपने भाइयों की हत्या नहीं की। उनके पूरे भाई परवेज, खुसरो, और दानियाल या तो पहले से मर चुके थे या उनकी हत्या नहीं की गई थी।

औरंगजेब ने कुछ मंदिरों को अनुदान भी दिए, जो मुख्य रूप से भूमि (जागीर) या धन के रूप में थे। इनमें सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर (प्रयागराज), महाकालेश्वर मंदिर (उज्जैन), बालाजी मंदिर (चित्रकूट), उमानंद मंदिर (गुवाहाटी) और जंगमबाड़ी मठ (काशी) शामिल हैं। औरंगजेब ने 18 अप्रैल, 1669 को मंदिर को ध्वस्त करने का फरमान जारी किया, जिसके परिणामस्वरूप मंदिर को तोड़कर वहां ज्ञानवापी मस्जिद बनाई गई।

जजिया एक इस्लामिक कर था, जो गैर-मुस्लिमों पर लगाया जाता था, जो इस्लामिक राज्यों में रहते थे। यह कर मूल रूप से सैन्य सेवा से छूट के बदले में लिया जाता था। मुगल साम्राज्य में तीसरे सम्राट अकबर ने 1564 में इस कर को समाप्त कर दिया था। औरंगजेब ने 1679 में इस कर को पुनर्जीवित किया। इसमें हिंदू, ईसाई और यहूदी सर्वाधिक प्रभावित थे। इतिहास में यह भी दर्ज है कि औरंगजेब ने दक्कन युद्ध समाप्त होने के बाद इस कर को खत्म कर देने का वादा भी किया था, पर वह दक्कन में ही मर गया।

देश में दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल जैसी घटना दोबारा न हो

अशोक भाटिया

गर्भवती महिला को अस्पताल में दाखिल न करने के आरोप में दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल घिरता जा रहा है। इस मामले में अब कांग्रेस ने एसआईटी जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने पुणे में एक गर्भवती महिला की मौत की जांच एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की शुक्रवार को मांग की। दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल तब निशाने पर आया जब उसने मार्च के आखिरी हफ्ते में 10 लाख रुपये की अग्रिम राशि जमा न करने पर गर्भवती महिला तनीषा भिसे को भर्ती करने से कथित तौर पर इनकार कर दिया। बाद में महिला ने जुड़वां बेटियों को जन्म देने के बाद दूसरे अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना की जांच कर रही चार सदस्यीय समिति ने इंगित किया है कि अस्पताल ने धर्मार्थ अस्पतालों पर आपातकालीन मामलों में अग्रिम भुगतान मांगने पर रोक संबंधी नियमों का उल्लंघन किया है।कांग्रेस नेता ने कहा, ''इस प्रकरण की जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में एसआईटी द्वारा की जानी चाहिए। जिम्मेदार चिकित्सकों और अस्पताल के कर्मचारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।" गौरतलब है कि फरवरी में राज्य सरकार ने पुणे में दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल को लगभग आठ हजार वर्ग फीट जमीन एक रुपये के मामूली वार्षिक किराए पर दी है। इससे पहले अस्पताल के लिए दी गई जमीन भी मामूली किराए पर दी गई थी। अब दी गई जमीन की कीमत मौजूदा बाजार मूल्य पर कम से कम 10 करोड़ रुपये होगी। लेकिन अस्पताल ने इलाज करने से मना कर दिया क्योंकि उसने 10 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान नहीं किया और मरीज की मौत हो गई। अगर अस्पताल को इतनी छूट देने के बावजूद इस तरह से इलाज किया जा रहा है तो इसका क्या मतलब है, अस्पतालों को इतनी छूट क्यों दी जानी चाहिए?

दीनानाथ अस्पताल की घटना के बाद सरकार की ओर से तीन जांच समितियां गठित की गई थीं, लेकिन अब तक के अनुभव को देखते हुए सरकार की ओर से बहुत कम बदलाव की उम्मीद क्योंकि दो रिपोर्टों में अस्पताल को दोषी ठहराया गया है, जबकि तीसरी रिपोर्ट में लीपापोती की कोशिश की गई है। दावा है कि ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य सरकार इसमें संलिप्त लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है।इस मुद्दे पर मंगेशकर परिवार की कथित चुप्पी पर भी सवाल उठाया जा रहा है ।दरअसल इसके बजाय, डॉक्टरों के संघों और सामाजिक संगठनों को संचार गतिविधियों, स्व-नियमन, अविश्वास के माहौल को दूर करने और डॉक्टरों पर हमलों के मामले में पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई करने के लिए एक साथ आना होगा।

दीनानाथ अस्पताल में हुई ताजा घटना के बाद प्रदेशभर से निजी अस्पताल, राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, स्वास्थ्य अधिकार कार्यकर्ताओं, सोशल मीडिया आदि पर कड़ी प्रतिक्रिया आई है।लोगों के रिएक्शन से डॉक्टर भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यदि इस स्थिति में तेजी से सुधार नहीं किया गया, तो समाज को कई गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। राज्य सरकार और स्थानीय निकायों के स्वास्थ्य विभाग, जो निजी अस्पतालों को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार हैं, बुरी तरह विफल रहे हैं, इसलिए डॉक्टरों, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों को एक साथ लाने और तुरंत एक संवाद प्रक्रिया शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है ।

इसके लिए आईएमए के साथ-साथ सामाजिक संगठनों के माध्यम से विभिन्न शहरों में संचार कार्यक्रम और दीर्घकालिक पर्याप्त गतिविधियां शुरू की जा सकेंगी। प्रदेश में बड़ी संख्या में डॉक्टर भी हैं जो सेवा भाव के साथ ईमानदारी से प्रैक्टिस करते हैं। चिकित्सा पेशे में कदाचार को रोकने में ऐसे डॉक्टरों की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है। दीनानाथ अस्पताल में मरणासन्न गर्भवती महिला के इलाज में देरी हुई, क्योंकि वह 10 लाख रुपये की एकमुश्त जमा राशि का भुगतान करने में विफल रही। परिजनों का आरोप है कि महिला की मौत हो चुकी है। घटना के चार-पांच दिन बाद सोशल मीडिया पर इसके बारे में लिखा गया। शिवसेना उद्धव ठाकरे समूह की प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने उसी के बारे में एक फेसबुक पोस्ट लिखा।

सूर्य के मेष राशि में जाते ही मीन में बनेगा चतुर्ग्रही योग

14 अप्रैल के बाद 3 राशियों के शुरू होंगे सुनहरे दिन

सूर्य ग्रह 14 अप्रैल को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में गोचर कर जाएंगे। सूर्य के राशि बदलते ही मीन राशि में चतुर्ग्रही योग बनेगा। मीन राशि में शनि, राहु, शुक्र और बुध इस योग का निर्माण करेंगे। बुध और शुक्र शनि के मित्र हैं वहीं शुक्र की भी शनि और बुध से मित्रता है। बुध और के संबंध भी इन ग्रहों के साथ अच्छे माने जाते हैं। ऐसे में मीन राशि में चतुर्ग्रही योग का बनना कुछ राशियों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। आइए जान लेते हैं कि चतुर्ग्रही योग से किन राशियों के लोग लाभ पाएंगे।

वृषभ राशि

चतुर्ग्रही योग आपके लाभ भाव में बनेगा और इसमें आपकी राशि के स्वामी शुक्र भी शामिल होंगे। चतुर्ग्रही योग के बनने से करियर क्षेत्र में आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे, मेहनत का उचित परिणाम आपको प्राप्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन में भी सुखद बदलाव देखने को मिलेंगे। बड़े भाई-बहन आपको मार्गदर्शन कर सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन आपके पद और आमदनी में बढ़ोतरी करेगा। धन-धान्य की स्थिति भी 14 अप्रैल के बाद बेहतर होगी।

मिथुन राशि

चतुर्ग्रही योग आपके जीवन में नई उपलब्धियां लेकर आ सकता है। बीते समय में किए गए कार्यों का अच्छा परिणाम आपको मिलेगा। आप सही समय पर सही जगह पर होंगे और अवसरों का लाभ उठा पाएंगे। आपके अच्छे कार्य को देखकर कार्यक्षेत्र में बॉस का रवैया आपके प्रति सकारात्मक होगा। धन से जुड़े मामलों को लेकर भी समय अनुकूल है, आप जितना पैसा कमाएंगे उसका बड़ा हिस्सा संचित भी कर पाएंगे। पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

कुंभ राशि

आपके लिए चार ग्रहों की युति बेहद फादयदेमंद साबित होगी। आर्थिक पक्ष से जुड़ी चिंताओं का अंत इस दौरान हो सकता है। आपके व्यक्तित्व में भी अच्छे बदलाव दिखेंगे। मानसिक रूप से आप शांति और स्थिर होंगे जिससे समाज में आपका मान सम्मान बढ़ सकता है। परिवार के लोगों के बीच चल रहे मतभेद को दूर करने के लिए आप प्रयास करेंगे और सफलता भी आपको मिलेगी। कुछ लोग प्रेम के रिश्ते को विवाह के बंधन में बांध सकते हैं। नवविवाहित लोगों के जीवन में नए मेहमान की दस्तक होने के योग हैं।

अगर बीमारियां नहीं छोड़ रही हैं पीछा तो धारण करें यह धातु, मिलेगा आराम!

अक्सर हमने देखा है कि लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि उनके द्वारा किस धातु का प्रयोग किया जाए। लोग पूछते हैं कि सोना या चांदी या अन्य कोई धातु उनके लिए शुभ है या नहीं। आज हम आपको सभी धातुओं के अलग-अलग लाभ बताने जा रहे हैं। यदि आपको कोई बीमारी लगी रहती है तो आप अपनी सुविधा और बीमारी के अनुसार उसे धातु का अपने ऊपर प्रयोग कर सकते हैं। आईए जानते हैं किस बीमारी में हमें किस धातु का प्रयोग करना चाहिए।

यदि कोई व्यक्ति सोने की अंगूठी अनामिका उंगली में पहना है इससे उसका ब्लड सर्कुलेशन अच्छा हो जाता है और दिल मजबूत होता है।

चांदी की पायल मस्तिष्क में शीतलता देता है इसलिए पैरों में चांदी की पायल पहनने से शरीर की गर्मी संतुलित रहती है और मासिक धर्म में नियमितता बनी रहती है।

कलाई में तांबे का कड़ा पहनने से व्यक्ति का रक्त शुद्ध होता है और टॉक्सिन बाहर निकलने लगते हैं।

यदि आप अपने हाथ में पीतल की एक चूड़ी पहनते हैं तो इससे आपकी सांस से संबंधित समस्या खत्म हो जाती है और फेफड़े मजबूत होते हैं।

मन की शांति के लिए व्यक्ति को अपने गले में भारत की माला पहननी चाहिए। इससे उसका ध्यान और मजबूत हो जाता है।

दाहिने हाथ की कलाई में यदि आप कांसे का कड़ा पहनते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज हो जाएगी। छात्रों का पढ़ाई में मन लगने लगेगा।

किसी भी हाथ की मध्यमा उंगली में लोहे की रिंग पहनने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है और शारीरिक कमजोरी दूर होती है।

तर्जनी उंगली में जस्ता की अंगूठी पहनने से घाव जल्दी भर जाता है और किसी भी प्रकार का संक्रमण नहीं होता है। डायबिटीज से पीड़ित लोग इस अंगूठी को पहने इससे उनकी चोट आदि के घाव शीघ्र भर जाएंगे।

यदि आपके मन में सदैव ही नकारात्मक विचार आते हैं या रात में सोते समय खराब सपने आते हैं तो आपको गले में पंचधातु की माला पहननी चाहिए। इससे आपके अंदर से नकारात्मकता दूर हो जाएगी।

यदि किसी व्यक्ति को एजिंग की समस्या है तो उसे प्लैटिनम का लॉकेट पहनना चाहिए। लॉकेट सदैव ही हृदय के पास रहना चाहिए। इससे आपकी चेहरे पर भी चमक बढ़ जाएगी।

इस प्राचीन कुंड में भगवान राम ने किया था स्नान, नहाने से ठीक हो जाती है बीमारियां

राजस्थान की हिल स्टेशन माउंट आबू को धर्म नगरी के रूप में भी जाना जाता है। इस नगरी को भगवान राम के गुरु ऋषि वशिष्ठ की तपोस्थली माना जाता है मान्यता है कि भगवान राम ने यहां गुरू वशिष्ठ आश्रम में शिक्षा ग्रहण की थी। आज हम आपको माउंट आबू के एक ऐसे कुंड के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां भगवान राम ने स्नान किया था। जी हां, हम बात कर रहे हैं। सर्वेश्वर रघुनाथ मंदिर से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित राम कुंड की।

माउंट आबू में नक्की लेक के किनारे अतिप्राचीन सर्वेश्वर रघुनाथ मंदिर में बना है। किसी महल जैसे नजर आने वाले इस मंदिर से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर जंगल में के कुंड बना हुआ है। जिसे राम कुंड के नाम से जाना जाता है। एक पहाड़ी के नीचे गुफा में बना है। यह कुंड काफी पवित्र माना जाता है। भगवान राम जब गोमुख वशिष्ठ आश्रम में गुरू वशिष्ठ से शिक्षा ग्रहण करने के बाद इस कुंड में स्नान किया था। भक्तों में इस कुंड के पानी को प्रसाद के रूप में माना जाता है। इस कुंड के पानी से कई बीमारियां भी ठीक हो जाती है। मन को भी शांति मिलती है।

दो दिवसीय पाटोत्सव पर घोषित होता है अवकाश

रघुनाथ मंदिर के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है कि जिला प्रशासन द्वारा इस मंदिर के दो दिवसीय पाटोत्सव पर पूरे माउण्ट आबू ब्लॉक का अवकाश घोषित कर दिया जाता है। माउंट आबू घूमने आने वाले पर्यटकों की यात्रा ये मंदिर इज़लिये भी अनोखा है। यहां पर भगवान राम बिना भाई लक्ष्मण एवं माता सीता के अकेले विराजमान हैं।

मंदिर के महंत आचार्य डॉ। सियारामदास महाराज ने बताया कि भगवान राम ने माउंट आबू में गुरु वशिष्ठ से शिक्षा ग्रहण की थी। यहां विराजे प्रभु श्रीराम की मूर्ति साढ़े तीन फीट है एवं मूर्ति का मुख पूर्व दिशा की ओर है। यहां प्रभु बाल स्वरूप रूप में अकेले विराजमान हैं, जो राजस्थान का पहला ऐसा मंदिर है। भगवान राम की यह मूर्ति 5500 साल पुरानी स्वयंभू है। 700 साल पहले जगद्गुरु रामानंदाचार्य ने प्रतिमा को मंदिर में स्थापित किया था। रामानंद संप्रदाय के साधु ही मंदिर में पूजा करते हैं।

मंदार पर्वत पर मां सीता ने की थी छठ, वनवास के दौरान यहां ठहरे थे राम-लक्ष्मण

बांका का मंदार पर्वत आस्था का केंद्र है बांका जिले के बौंसी थाना क्षेत्र के मंदार की महिमा अपार है। यहां पहाड़ के मध्य चक्रवर्ती कुंड अवस्थित है। कहा जाता है कि इसी कुंड घाट पर सीता मैया ने छठ व्रत किया था। समुद्र मंथन का साक्षी पर्वत राज मंदार पर वनवास के दौरान भगवान राम,सीता और लक्ष्मण ठहरे थे। इसी दौरान माता सीता ने धन, वंश और ऐश्वर्य की प्राप्ति के लिए सूर्य उपासना का व्रत छठ किया था। मंदार क्षेत्र के कुल्हड़िया के पंडित लाल बहादुर मिश्रा ने बताया कि पुराण में उल्लेख है कि त्रेता युग मे वनवास के दौरान भगवान राम पत्नी और भाई के साथ लंबे समय तक निवास किया था।

वनवास के दौरान राम-सीता यहां ठहरे थेः वनवास के दौरान ही पहाड़ के मध्य में स्थित चक्रवर्ती कुंड में माता सीता ने अपनी मनोकामना सिद्ध को लेकर छठ व्रत किया था। इसके बाद से ही चक्रवर्ती कुंड का नाम सीता कुंड हो गया, जो आज धर्म और आस्था का बड़ा केंद्र है। यहां भगवान राम रहते थे। वह राम झरोखा के नाम से आज भी अवस्थित है।बाल्मिकी रामायण में सीता के छठ करने का प्रमाणः पंडित भवेश झा ने कहा वाल्मिकी रामायण में भगवान राम के आने और सीता के छठ व्रत करने का जिक्र है। माता सीता ने ऋषि मुद्रल के वरदान के मुताबिक यहां मनोकामना पूर्ण होने के लिए छठ किया। तबसे कुंड का नाम सीता कुंड पड़ गया। छठ व्रत के दौरान यहां इस कुंड के दर्शन के लिए लोग दूर -दूर से आते है और अपनी मनोकामना को लेकर छठ व्रत करने का संकल्प लेते हैं।

इस पेड़ को लगाने से दूर होती है आर्थिक समस्याएँ

धर्म शास्त्रों में तमाम ऐसे पेड़-पौधों का जिक्र है, जो पूजनीय माने गए हैं। मान्यता है कि, इस पेड़-पौधे और उनके फूल में दैवीय ऊर्जा पाई जाती है। इन पेड़-पौधों के स्पर्श मात्र से ही कई मुसीबतें टल जाती हैं। ऐसे ही करामाती पौधों में से एक है हरसिंगार। जी हां, हरसिंगार को पारिजात के नाम से भी जाना जाता है। इस पौधे को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र माना जाता है। नारंगी डंडी और सफेद फूलों से लदे इस पौधे को आपने कई जगहों पर दिखा होगा।

पैसा कमाने के लिए हम खूब मेहनत करते हैं। हालांकि, कई बार कमाया हुआ पैसा टिकता नहीं है। महीने के आखिर में आपको दोस्तों या रिश्तेदारों से आर्थिक मदद लेनी पड़ सकती है। इससे व्यक्ति कर्ज में डूब जाता है या फिर महीने की तनख्वाह पूरी तरह खत्म हो जाती है। इसी वजह से हमें नुकसान होता है। इसके अलावा, हम बहुत मितव्ययी होने की भी कोशिश करते हैं। लेकिन खर्च इतना ज्यादा होता है कि इसके बिना काम नहीं चल सकता। ऐसे में ज्योतिष शास्त्र में कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनसे पैसा हमेशा आपके पास बना रहे।

पारिजात, जिसे ज्यादातर लोग हरसिंगार के नाम से जानते हैं, के फूल को हिंदू धर्म में पवित्र माना जाता है। पारिजात का फूल आपने कई जगहों पर देखा होगा। ज्योतिषियों के अनुसार जिस घर में पारिजात का पौधा होता है उस घर में लक्ष्मी की सुगंध रहती है। यही नहीं, यदि इस पौधे को घर की सही दिशा में लगाया जाए, तो कई प्रकार की समस्याएं दूर हो सकती हैं। अब सवाल है कि आखिर परिजात को पौधा घर में लगाने से क्या लाभ होगा? अगर आप अपने घर की बालकनी या आंगन में पारिजात का पौधा लगाते हैं, तो इसका आपके जीवन पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पारिजात का पेड़, एक धार्मिक पेड़ है। पौराणिक मान्यताओं की मानें तो यह पेड़ समुद्र मंथन के दौरान निकला था और इसे वैकुंठ लोक में जा कर लगाया गया था। इस पेड़ को लेकर एक और मान्यता यह है कि इस पेड़ पर स्वंय माता लक्ष्मी और नारायण वास करते हैं। साथ ही इस पेड़ को स्त्री का एक सुंदर स्वरूप भी माना गया है। माना जाता है, कि ये पेड़ शरद के मौसम में और दुर्गा पूजा से पहले फूल देना शुरू करते हैं, जिसे देवी पक्ष कहा जाता है। इसलिए माना जाता है, इस पेड़ और इसके फूलों के साथ दुर्गा देवी की शक्तियां भी होती हैं। साथ ही इन फूलों को भगवान शिव पर भी चढ़ाया जाता है ताकि शिव और शक्ति की साथ में उपासना हो सके।

कब लगाना चाहिए पारिजात का पेड़

पारिजात का पेड़ आप किसी भी शुक्रवार या फिर सोमवार को लगा सकते हैं। ये दोनों दिन ही देवी पक्ष के दिन हैं जिसमें देवियों की पूजा होती है। वैसे, शुक्रवार की शाम को पारिजात का पेड़ लगाना सबसे सही समय और शुभ माना जाता है। ऐसा इसलिए कि ये लक्ष्मी की दिन और समय होता है।

वास्तु दोष दूर होगा

घर में हरसिंगार/पारिजात का पौधा लगाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इस पौधे में माता लक्ष्मी का वास माना जाता है। यदि इस पौधे को घर के उत्तर या पूर्व दिशा में लगाया जाए, तो घर से वास्तु दोष दूर होता है। साथ ही इस पौधे के फूल को देखने से जीवन में सुकून आता है। इस पौधे के फूल को देखने के बाद जीवन में शांति मिलती है, मन को बहुत संतुष्टि मिलती है।

घर में रहेगी बरकत

पारिजात का फूल देवी लक्ष्मी को अत्यंत प्रिय है। ऐसा कहा जाता है कि इस फूल की सुगंध जहां भी होती है वहां देवी लक्ष्मी रुक जाती हैं। इसलिए पारिजात का पौधा घर में रखने से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। ऐसा कहा जाता है कि ऐसे लोग दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करते हैं। साथ ही घर के लोगों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

रोजगार में लाभ

अगर आप नौकरी की तलाश में हैं या फिर आपको नौकरी में मनचाही सफलता नहीं मिल रही है, साथ ही व्यापार में भी सफलता नहीं मिल रही है तो 21 पारिजात के फूलों को लाल कपड़े में बांधकर घर में लक्ष्मी देवी के सामने रखना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से हमारी तरक्की होती है। साथ ही नौकरी के भी अच्छे अवसर मिलते हैं।

रुका हुआ पैसा मिलेगा

इसके अलावा घर में पारिजात का पौधा लगाने से एक और फायदा होता है। आपका पैसा जहां फंसा हुआ है वह भी निकल आता है, साथ ही आप कर्ज मुक्त भी हो सकते हैं। पारिजात पौधे का केवल एक टुकड़ा लाल कपड़े में बांधकर देवी लक्ष्मी के सामने रखना चाहिए। इसके बाद देवी लक्ष्मी और पौधे के टुकड़े की विधि-विधान से पूजा करें, उस पौधे पर हल्दी और कुमकुम लगाएं। ज्योतिषशास्त्र कहता है कि आपको कनकधारा स्त्रोत का पाठ करना चाहिए, इससे आपको अवश्य लाभ होगा।

इन उपायों से दूर की जा सकती है घर की नकारात्मकता

घर का माहौल हमेशा उदास और नेगेटिव बना हुआ रहता है, तो म्यूजिक की मदद से भी तुरंत इसे खुशनुमा बनाया जा सकता है। म्यूजिक में हीलिंग प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं, जो मूड को तुरंत बेहतर बनाने का काम करती हैं। आप चाहें तो अध्यात्म से जुड़े मंत्र और गीत सुन सकते हैं। इसके अलावा क्लासिकल म्यूजिक और मन को सुकून देने वाले सॉफ्ट म्यूजिक का सहारा ले कर घर के माहौल को तुरंत पॉजिटिव बनाया जा सकता है।

घर को रखें साफ-सुथरा

अगर आपके घर में सारा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा रहता है, घर गंदा और अव्यस्थित रहता है तो जाहिर है कि उसमें रहना किसी को भी अच्छा नहीं लगेगा। ऐसे घर में हमेशा ही नेगेटिविटी का माहौल बना रहता है। इसलिए बेहतर है कि एक दिन आप अपने घर के लिए निकालें। जितना भी गैर जरूरी सामान है उसे घर से निकाल दें। बाकी जरूरी सामान को ऑर्गेनाइज कर के रखें और घर की साफ सफाई पर भी ध्यान दें। इससे भी तुरंत आपके मूड में पॉजिटिविटी आएगी।

नेचर की लें मदद

घर में पॉजिटिविटी का माहौल बनाए रखना है तो नेचर आपकी इसमें भरपूर मदद कर सकता है। इसके लिए आप घर को असली पेड़-पौधों की मदद से डेकोरेट कर सकते हैं। कुछ पौधे ऐसे होते हैं जो नेगेटिविटी को दूर करने का काम करते हैं, आप ऐसे पौधों को घर की डेकोरेशन के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा घर के खिड़की-दरवाजों से बाहर की धूप और ताजी हवा अंदर आने दें। इससे घर की नेगेटिविटी दूर होती है और आपके मूड में भी तुरंत सुधार देखने को मिलता है। घर में जितना ज्यादा नेचर एलिमेंट एड करेंगे उतनी ज्यादा घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी।

खुशबू से महकाएं घर का आंगन

घर से भीनी-भीनी खुशबू आती है तो मूड भी तुरंत ही बेहतर हो जाता है। ऐसे में अगर आपका दिन जरा बेहतर नहीं जा रहा है तो आप घर में किसी सुगंधित चीज की खुशबू फैला सकते हैं। इसके लिए आप कपूर, तेज पत्ता और लौंग जैसी चीजें जला सकते हैं। वहीं इसके अलावा खुशबूदार मोमबत्ती, डिफ्यूजर, प्राकृतिक रूम फ्रेशनर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपके मूड में तुरंत ही पॉजिटिव बदलाव आएगा।

लाइटिंग का करें इस्तेमाल

किसी भी त्यौहार या खास मौके पर खूब सारी लाइट्स और दीयों से घर की सजावट की जाती है। ऐसा करने से तुरंत ही घर में फेस्टिवल वाला माहौल बन जाता है और सब कुछ पॉजिटिव सा लगने लगता है। आप अपने घर में पॉजिटिव माहौल बनाए रखने की लिए घर के मंदिर या पौधों के पास दीए लगा सकते हैं। इसके अलावा अच्छी लाइटिंग से भी घर का इंटीरियर जगमगाया जा सकता है। कोशिश करें कि प्राकृतिक रूप से घर में ज्यादा से ज्यादा रोशनी आए।

सर्वोत्तम है उत्तर दिशा की ओर पैर करके सोना

वास्तु शास्त्र के अनुसार सोने की दिशा का हमारे स्वास्थ्य, मानसिक शांति और समृद्धि पर गहरा प्रभाव पड़ता है। सही दिशा में पैर करके सोने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। वास्तु शास्त्र का विज्ञान इस बात पर आधारित है कि पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र हमारे शरीर पर कैसा प्रभाव डालता है। जब हम सही दिशा में सोते हैं, तो हमारे शरीर का ऊर्जा संतुलन बना रहता है, जिससे स्वास्थ्य और मनःशांति में सुधार होता है। सही दिशा में सोने से तनाव में कमी, सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि और बेहतर नींद प्राप्त होती है।

उत्तर दिशा में पैर करके सोना

वास्तु शास्त्र में शयन के लिए दक्षिण दिशा को सर्वोत्तम माना गया है। इसके अनुसार सिर को दक्षिण और पैर को उत्तर दिशा में रखकर सोने से शरीर में ऊर्जा का प्रवाह संतुलित रहता है। यह दिशा पृथ्वी के चुंबकीय प्रभाव के साथ सामंजस्य रखती है और इसलिए, इस दिशा में सोने से मन में शांति बनी रहती है और तनाव में कमी आती है। इसके अलावा गहरी नींद आती है। जो लोग अनिद्रा या थकान की समस्या से परेशान रहते हैं उन्हें दक्षिण दिशा में सोने की सलाह दी जाती है।

पूर्व दिशा में पैर करके सोना

वास्तु के अनुसार, पूर्व दिशा में सिर और पश्चिम दिशा में पैर करके सोने से मानसिक शक्ति और एकाग्रता में वृद्धि होती है। पूर्व दिशा ज्ञान और सफलता की दिशा मानी जाती है, इसलिए विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और उन लोगों के लिए यह दिशा लाभकारी मानी जाती है, जिन्हें अपने कार्य में मानसिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। यह दिशा याददाश्त में सुधार और सृजनात्मकता को बढ़ावा देती है।

उत्तर दिशा में सिर करके सोने के नुकसान

वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा में सिर रखकर सोना अत्यधिक हानिकारक माना गया है। यह दिशा चुंबकीय प्रभाव के कारण मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव डालती है और इससे सिरदर्द, थकान और मानसिक तनाव की समस्या हो सकती है। इस दिशा में सोने से शरीर की ऊर्जा असंतुलित होती है और गहरी नींद में भी बाधा आती है। इसलिए, वास्तु शास्त्र उत्तर दिशा में सोने की मनाही करता है।

21 वर्ष की दिखने के लिए 'प्लास्टिक सर्जरी' की जरूरत नहीं

फिल्म' इसी लाइफ में' से डेब्यू करने वाली संदीपा धर ने 'अभय' और 'माई' जैसी वैब सीरीज से लोकप्रियता पाई है। हाल ही में रिलीज वैब सीरीज' प्यार का प्रोफैसर ' में नजर आई संदीपा अपनी कुदरती सुंदरता को लेकर भी प्रशंसा पाती है। संदीपा ने प्लास्टिक सर्जरी व बोटॉक्स को सामान्य बताने की आलोचना करते हुए कहा है कि यह कोई छोटी नहीं, बहुत बड़ी बात । नई अभिनेत्रियां आजकल अपने शरीर में कई तरह के बदलाव करवा रही हैं, जिसे संदीपा ने जान को जोखिम में डालना कहा है।

संदीपा ने कहा, मुझे लगता है कि उम्र बढ़ना आम बात है । मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन आपको लगातार यह बताया जाता है कि एक अभिनेत्री की शैल्फ लाइफ होती है। साथ ही, यह एक ऐसा विजुअल मीडियम है जिसमें आपसे हमेशा एक निश्चित तरीके से दिखने की उम्मीद की जाती है और जैसे-जैसे आप बड़ी होती हैं, आप अपने चेहरे पर रेखाएं देखना शुरू कर देती । आप यह देखना शुरू कर देती हैं कि आप कैसे बूढ़ी हो रही हैं, जो वास्तव में एक बहुत ही खूबसूरत चीज है, लेकिन किसी

तरह इंडस्ट्री आपको ऐसा महसूस कराती है कि यह एक गलत चीज है । जैसे- जैसे मैं बड़ी हो रही हूं मुझे यह एहसास हुआ है कि मेरे चेहरे की हर रेखा में अपनी एक कहानी है, यह केवल मेरे चरित्र में इजाफा करेगी। मुझे 21 वर्ष की दिखने के लिए इंजैक्शन और प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत नहीं है क्योंकि मैं 21 वर्ष की नहीं हूं । उसने आगे कहा, "और मैं बहुत परेशान हो जाती जब लोग इसे सामान्य दिखाने की कोशिश करते हैं। हाल ही में मैंने एक अभिनेत्री का इंटरव्यू देखा, जिसमें उन्होंने कहा था 'हां मैंने तो दो-तीन चीजें करवाई हैं। इसमें क्या बड़ी बात है, मैं इसे स्वीकार करूंगी'। नहीं, यह एक बड़ी बात ही है । इसे ऐसे मत दिखाइए, जैसे कि यह कोई बड़ी बात नहीं है ।

यह एक ऑपरेशन है, यह एक गंभीर चीज है जो आप कर रहे हैं । '16-17 साल की लड़कियां हैं जो यहां-वहां से पैसे इकट्ठा करेंगी और कहेंगी कि 'मैं अपने में यह चीज बदलना चाहती हूं' । आप जानते हैं कि कितने लोग ऑपरेशन टेबल पर मरते हैं ? यह बहुत जोखिम भरा काम है, यह आखिरकार एक सर्जरी है । वास्तव में, आपको तब तक सर्जरी नहीं करवानी चाहिए, जब तक कि इसका मकसद आपका जीवन बचाना न हो। अगर आपकी जान को खतरा है, तो आपको केवल उसी समय सर्जरी करवानी चाहिए।

संदीपा धर

'द आई' मूवी का अनुभव खास बना : श्रुति हासन

श्रुति हासन हाल ही में ब्रिटिश मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म 'द आई' में नजर आई। ग्रीस के लुभावने परिदृश्यों पर आधारित फिल्म में श्रुति ने डायना का रोल निभाया है। कहानी में डायना की भावनात्मक यात्रा दिखाई गई है, जिसमें उसके पति का देहांत हो चुका। यह श्रुति की बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय शुरुआत है । यह फिल्म एक गहन सिनेमाई अनुभव प्रदान करती है, जो दर्शकों को रोमांचित करता है । इसकी पटकथा अवार्ड विनिंग लेखका एमिली कार्लटन ने लिखी है और इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्टार मार्क रोली, ब्रिटिश अभिनेता अन्ना सव्वा और लिंडा मार्ले भी हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, श्रुति ने कहा कि जिस क्षण उसने स्क्रिप्ट पढ़ी थी, उसे पता था कि यह फिल्म उसके लिए ही बनी है।

उनके अनुसार, "मैं हमेशा ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित हुई हूं, जिनमें प्रेम, अंधकार और आत्म- खोज जैसे विषय होते हैं, ऐसी अवधारणाएं, जो मेरे साथ गहराई से गूंजती हैं। 'द आई ' ने मुझे स्क्रीन पर उन भावनाओं को उतारने का मौका दिया और अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने से अनुभव और भी खास बन गया ।

कभी 'हार' नहीं मानी : हेली शाह

हेली जल्द ही गुजराती फिल्म 'डैडा' में भी नजर आने वाली है, जिसे वह केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि इमोशनल जर्नी बताती है।

इन दिनों धारावाहिक 'ज्यादा मत उड़' में नजर आ रही लोकप्रिय अभिनेत्री हेली शाह इसको लेकर काफी उत्साहित है। ड्रामा और कॉमेडी का एक बेहतरीन मिश्रण 'ज्यादा मत उड़' की कहानी चुनौतियों से भरी दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाने की कोशिश कर रहे युवाओं के संघर्ष और आकांक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। हेली ने कहा, "एक साथ कई कलाकारों के साथ प्रोजैक्ट का हिस्सा होना मेरे लिए कभी चिंता का विषय नहीं रहा, क्योंकि मुझे अपने काम पर भरोसा है। मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करता है को खुद ऐसे किरदारों से चुनौती देना, जो एक अभिनेत्री के तौर पर मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं । शो में हेली ने काजल की भूमिका निभाई है, जो एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी महिला है, जो सामाजिक अपेक्षाओं से पीछे हटने से इन्कार करती है । अपने पहले निभाए गए पारम्परिक किरदारों से अलग, काजल बोल्ड, मुखर और हमेशा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहती है।

उसने कहा," धारावाहिक में काजल की भूमिका निभाना मेरे लिए एक नया अनुभव रहा, क्योंकि वह बोल्ड, निडर और सामाजिक मानदंडों से बंधे रहने से इन्कार करती है । वह अपने मन की सुनती है, अपने लिए खड़ी होती है और मेरे द्वारा पहले निभाई गई भूमिकाओं की तुलना में एक अलग ऊर्जा लेकर आती है। मेरे लिए यह रोमांचक और फायदेमंद दोनों रहा है।

वहीं एक इंटरव्यू में अपने जीवन के अनुभवों को लेकर उसने कहा, "जीवन में कई बार ऐसे लोग होते हैं, जो खुलकर नहीं कहते, लेकिन उनके हाव-भाव से समझ आ जाता है कि वे आपको नीचे खींचना चाहते हैं। अपने ही घर में, रिश्तेदारों या करीबी दोस्तों में भी ऐसे लोग मिल जाते हैं लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी। आपकी नीयत साफ है और आप ईमानदारी से अपने सपनों के लिए काम कर रहे हैं, तो कोई भी आपको रोक नहीं सकता।'

अब तक का करियर

हेली ने अभिनय करियर की शुरुआत 8वीं कक्षा में शो 'गुलाल' से की थी। इसके बाद वह शो 'दीया और बाती हम' में नजर आई। इसके बाद उसने 'अलक्ष्मी - हमारी सुपर बहू' में अलक्ष्मी का किरदार निभाया। बाद में वह 'खेलती है जिंदगी आंख मिचौली' में दिखी । फिर वह शो 'खुशियों की गुल्लक आशी' में नजर आई।

'स्वरागिनी' में हेली ने स्वरा माहेश्वरी का किरदार निभाया था। 2016 में वह 'झलक दिखला जा' के सीजन 9 में दिखी । उसको बाद में 'देवांशी', 'सूफियाना प्यार मेरा', 'ये रिश्ते हैं प्यार के' और 'इश्क में मरजावां 2' जैसे कई शोज में देखा गया।

मौनी रॉय 'डराएगी' लेकिन 'प्यार' से

मौनी रॉय जल्द ही दर्शकों को डराने के लिए पूरी तरह तैयार है । उसकी अगली बड़ी फिल्म 'द भूतनी ' 18 अप्रैल को रिलीज होगी, जो उसकी सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस हॉरर-कॉमेडी में वह संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी और आसिफ खान जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएगी ।

इसके अलावा, यह फिल्म डिजिटल क्रिएटर यूनिक की बॉलीवुड में डेब्यू भी होगी । निर्माताओं ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फिल्म के नाम का खुलासा किया था, जिसके साथ एक छोटा-सा टीजर भी जारी किया गया था, जो काफी डरावना था।

अब, निर्माताओं ने फिल्म मौनी की लुक भी जारी कर दी है। पोस्टर में वह हरे रंग की पोशाक में नजर आ रही है। जिसमें उसकी आकर्षक हरी आंखें हैं। उसके किरदार का नाम मोहब्बत है, लेकिन पोस्टर के साथ लिखी गई टैगलाइन है 'प्यार या प्रलय'।

मौनी की लुक उसकी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर देगी, लेकिन साथ ही उसके किरदार से डर भी लगेगा। मौनी को फिल्म 'द भूतनी' के लिए तब से ही काफी सराहना मिल रही है, जब से फिल्म की पहली लुक जारी हुई है। उसे अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने और जोखिम उठाने के लिए सराहा जा रहा है। अन्य फिल्में 'द भूतनी' की रिलीज के बाद, वह निर्देशक फारूक कबीर की अगली फिल्म 'सलाकार' में नजर आएगी।

बन सकती है सुपरनैचुरल शो का हिस्सा

मौनी काफी समय से सीरियल्स से दूर है और उसके फैन्स फिल्मों के साथ ही छोटे पर्दे के सीरियल्स में पहले की तरह उसे देखने के लिए भी बेकरार हैं। इसी बीच कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वह एक सुपरनैचुरल टी.वी. सीरियल में एंट्री कर सकती है । दरअसल, एक करीबी सूत्र के अनुसार, मौनी रॉय को हाल ही में 'जादू तेरी नजर - डायन का मौसम' की प्रोड्यूसर गुल खान के ऑफिस में देखा गया। इस अचानक हुई मुलाकात ने फैन्स की एक्साइटमैंट बढ़ा दी है । मौनी सुपरनैचुरल शोज में लंबे समय तक नजर आई है। उसे लोकप्रिय धारावाहिक 'नागिन' में काफी पसंद किया गया था, जबकि 'देवों के देव महादेव' में सती के किरदार को भी काफी सराहा गया। ऐसे में अगर वह ' जादू तेरी नजर - डायन का मौसम ' में एंट्री करती है तो हो सकता है कि वह अलग तरह के अवतार में नजर आए।

अगर इस सीरियल में उसकी एंट्री होती है तो वह विलेन का किरदार निभाएगी या कोई रोमांटिक रोल इस बारे में अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। शो में एक जादूगर और एक चुड़ैल शिकारी के बीच प्रेम कहानी दिखाई जा रही है।

जिन्दगी में कभी 'हार' मत मानो : आलिया

आलिया भट्ट जब बहुत छोटी थी, तभी उसने तय कर लिया था कि वह अभिनय जगत और फिल्मों की दुनिया में ही काम करेगी। 'संघर्ष' जैसी फिल्म में बाल कलाकार के रूप में पहली बार कैमरे का सामना करने वाली आलिया ने बड़े होकर जब फिल्मों में कदम रखे तो कुछ ही समय में अपने दमदार अभिनय से यह साबित कर दिया कि वह अपने करियर की सफलता के लिए अपने फिल्मी परिवार पर जरा भी निर्भर नहीं है ।

आज बॉलीवुड की सबसे सफल और बहुमुखी एक्ट्रैस का दर्जा हासिल कर चुकी आलिया ने फिल्म 'स्टूडैंट ऑफ द ईयर' से अपने करियर की शुरूआत की थी और कई बेहतरीन फिल्मों में सफलता हासिल करने के बाद अब रणबीर कपूर से विवाह करके बॉलीवुड के मशहूर कपूर खानदान की बहू बन चुकी है। यह बहुमुखी प्रतिभा वाली अभिनेत्री एक प्यारी पत्नी के साथ ही बेटी राहा की मां भी बन चुकी है।

बचपन में ही ठान लिया था कि अभिनेत्री बनना है

एक इंटरव्यू में आलिया ने बताया था कि वह बचपन से ही अभिनेत्री बनना चाहती थी। उसका कहना था, जब मैं 4 साल की थी, तभी मैंने तय कर लिया था कि मैं हीरोइन बनूंगी। मुझे याद है कि उस दिन मैं गोविंदा और करिश्मा कपूर की एक फिल्म देख रही थी, जिसमें दोनों सड़क पर गाना गा रहे थे। उस वक्त यह देखकर मैं हैरान हो गई कि दोनों नाच रहे हैं और फटाफट कपड़े भी बदल रहे हैं। मुझे लगा कि यह तो कमाल है, ये कैसे और कहां से कपड़े बदल रहे हैं, मुझे भी ऐसा करना है। बस वहीं से एक्टिंग के कीड़े ने मुझे काट लिया था । 'संघर्ष' में मैंने एक छोटा-सा किरदार भी निभाया था और उसी के बाद मुझे यकीन हो चला था कि मुझे बस कैमरे के सामने अभिनय करना है ।

जब उससे पूछा गया कि करियर और पर्सनल लाइफ को संतुलित करने वाली अभिनेत्री के रूप में उसे एक आदर्श माना जाता है तो वह अपने प्रशंसकों और विशेष रूप से महिलाओं को क्या संदेश देना चाहेगी तो उसका कहना था, बस चलते रहो... काम करते रहो, आप कभी असफल भी होंगे,

मगर हम यह है कि आप खुद पर कैसे विश्वास करते हैं और कैसे दोबारा उठ खड़े होते हैं। मेरा संदेश यही है, कभी हार मत मानो, गिरो, तो उठ खड़े हो और चल पड़ो।

अपनी बीमारी के बारे में बोली

आलिया ने हाल ही एक इंटरव्यू में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई बातें शेयर कीं। इस दौरान उसने ' अटैंशन डेफिसिट / हाइपरएक्टिविटी डिसॉर्डर' (ए.डी.एच.डी.) और 'एंग्जाइटी' होने को लेकर भी खुलकर बात की। आलिया ने कहा, हाल ही में मुझे पता चला कि मैं इससे ग्रस्त हूं। पहले तो लगा कि मुझे वैसे ही कोई आम तकलीफ है लेकिन मुझे वास्तव में पता करना पड़ा क्योंकि मेरे लिए चीजें बहुत मुश्किल हो गई थीं । सामाजिक समारोहों में हिस्सा लेना मेरे लिए कठिन हो चुका था और मुझे कुछ चीजों पर ध्यान केंद्रित करने में भी मुश्किल हो रही थी । मेरा ध्यान इधर-उधर भटक रहा था।

आलिया ने कहा कि वह खुद को एक 'अद्भुत मल्टी टास्कर' मानती थी लेकिन धीरे-धीरे उसे एहसास हुआ कि यह सब मल्टी टास्किंग उस पर भारी पड़ रही थी । उसे लगा कि उसे यह समझने की जरूरत है कि यह उस पर क्यों असर कर रहा था क्योंकि उसने पाया कि वह अपने आस-पास की सबसे बुनियादी चीजों को भूलने लगी थी ।

उसने कहा, इसलिए मैंने तीन दिनों तक चलने वाला एक टैस्ट करवाया और तब जाकर मुझे ए.डी.एच.डी. और'एंग्जाइटी' होने की पुष्टि की गई।

उसने कहा कि इससे उसे तुरंत राहत और खुशी मिली क्योंकि अब उसे परेशानी का असली कारण पता चल गया था। उसने कहा, जब भी जानकारी की कमी होती है, तो मैं सबसे ज्यादा परेशान हो। मुझे इन चीजों के बारे में पता चला, तो इससे निपटना बहुत आसान हो गया ।

आलिया ने कहा कि उसने कोई दवा नहीं लेने का फैसला किया है। उसने कहा, "मैं कोई दवा या कुछ भी नहीं ले रही हूं। मैं ले सकती हूं लेकिन मैंने ऐसा नहीं करने का फैसला किया और मैं इससे उबरने के लिए बस सक्रिय रूप से काम कर रही हूं। मुझे लगता है कि मैं इससे बहुत अच्छी तरह निपट सकती हूं।

आलिया ने कहा कि बेटी राहा के आने के बाद उसे जवाब खोजने की जरूरत बढ़ गई । मां बनने के बाद मुझे और ज्यादा व्यवस्थित होने की जरूरत महसूस हुई, क्योंकि मैं अपनी बेटी से जुड़ी कोई भी चीज भूलना नहीं चाहती थी।

मुझे लगता है कि यही मेरा सबसे बड़ा डर था । आपके दिमाग में बहुत शोर-सा रहता है और आपको लगता है कि क्या यह सिर्फ मेरे दिमाग में है या यह सिर्फ आज मेरे साथ हो रहा है ? जैसे ही आपको इसका जवाब मिलता है, वह सुकून देने वाला होता है ।

अमेरिका-चीन के बीच सब खत्म: भारत बनेगा बड़ा खिलाड़ी या कोई और ही चट कर लेगा मलाई

नई दिल्ली,12 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन और अमेरिका के बीच टैरिफ जंग तीखी हो गई है। जिस तरह यह बढ़ गई है, उससे दोनों देशों के बीच कारोबारी रिश्ते करीब-करीब खत्म होते दिख रहे हैं। एक-दूसरे पर अमेरिका और चीन ने बेहद ऊंचे टैक्स लगा दिए हैं। इसके बाद दोनों देशों के लिए अपने उत्पादों को एक-दूसरे के यहां बेच पाना नामुमकिन है। विश्व व्यापार संगठन ने हाल में इसे लेकर एक अनुमान भी जारी किया था। उसने चेतावनी दी थी कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव के कारण दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 80% तक कम होने की आशंका है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच यह टकराव वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। इससे ग्लोबल जीडीपी में लगभग 7% की कमी आ सकती है। डब्ल्यूटीओ का यह शुरुआती अनुमान ऐसे समय में आया था, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयात पर शुल्क बढ़ा दिया था। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिका से आयातित वस्तुओं

पर टैरिफ बढ़ा दिया था। ट्रंप ने चीन से दूरी बनाने की अपनी मंशा साफ कर दी है। जहां उन्होंने तमाम दूसरे देशों पर लागू टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोक दिया है। वहीं, चीन को इस मुरव्वत से बाहर रखा गया है। इस स्थिति में भारत के लिए एक बड़ा खिलाड़ी बनने की संभावना निश्चित रूप से मौजूद है। लेकिन, यह कई फैक्टर्स पर निर्भर करेगी।

भारत के लिए क्या हैं मौके?

अमेरिका और अन्य देश चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए सप्लाई चेन को डायवर्सिफाई कर रहे हैं। भारत एक संभावित विकल्प के रूप में उभर सकता है। खासकर कुछ खास क्षेत्रों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और इंजीनियरिंग वस्तुओं में। अमेरिकी बाजार में चीनी वस्तुओं पर ऊंचे टैरिफ लगने से भारतीय निर्यातकों के लिए जगह बन सकती है। यह उनके उत्पादों को ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

इसके अलावा जो कंपनियां चीन से बाहर निकलना चाहती हैं, वे भारत को आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में देख सकती हैं। खासकर अगर भारत अपने कारोबारी माहौल और बुनियादी ढांचे में सुधार करता है। भारत का एक बड़ा और बढ़ता हुआ घरेलू बाजार भी उसे बाहरी झटकों से कुछ हद तक बचा सकता है।

सब थाली में सजा नहीं मिलेगा

हालांकि, भारत के सामने कई चुनौतियां भी हैं। भारत को चीन के पैमाने और दक्षता के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपनी मैन्यूफैक्चरिंग क्षमता को काफी हद तक बढ़ाना होगा। इसके लिए महत्वपूर्ण निवेश, बेहतर बुनियादी ढांचा और कुशल श्रमशक्ति की जरूरत होगी। भारत को अमेरिका और अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ अनुकूल व्यापार समझौतों पर बातचीत करने की जरूरत होगी ताकि वह नए अवसरों का पूरी तरह से लाभ उठा सके। वियतनाम, मलेशिया, थाईलैंड और मेक्सिको जैसे अन्य देश भी सप्लाई चेन डायवर्सिफिकेशन से लाभ उठाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत को इन देशों की तुलना में अधिक आकर्षक बनना होगा। भारत को अपने रेगुलेटर इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुव्यवस्थित करने, नौकरशाही बाधाओं को कम करने और भूमि अधिग्रहण जैसे मुद्दों को हल करने की जरूरत होगी ताकि विदेशी निवेश को आकर्षित किया जा सके। साथ ही निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके।

टैरिफ युद्ध के बीच अमेरिकी शेयर बाजार में उछाल, उतार-चढ़ाव से ऐतिहासिक रहा वॉल स्ट्रीट का यह सप्ताह

वॉशिंगटन,12 अप्रैल (एजेंसियां)। टैरिफ युद्ध की आशंकाओं के बीच शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में उछाल आया। हालांकि अमेरिकी डॉलर के गिरते मूल्य और वित्तीय बाजार के उतार-चढ़ाव ने संकेत दिया है कि अमेरिका और चीन के बीच संभावित टैरिफ वार से बाजार में डर का माहौल है। एसएंडपी 500 में 1.8 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। वहीं डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 340 अंकों की गिरावट से शुरू होकर 810 अंकों की बढ़त तक पहुंचा और फिर 619 अंकों या 1.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर बंद हुआ। वहीं नैस्डैक में 2.1 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। कुल मिलाकर शुक्रवार को एसएंडपी 500, 95.31 अंक बढ़कर 5,363.36 पर पहुंच गया। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 619.05 चढ़कर 40,212.71 पर पहुंच गया, और नैस्डैक कंपोजिट 337.14 चढ़कर 16,724.46 पर पहुंच गया। माना जा रहा है कि शेयरों में उछाल की वजह अमेरिकी बॉन्ड बाजार से थोड़ा दबाव कम होना है। 10 साल के ट्रेजरी पर प्रतिफल सुबह 4.58 प्रतिशत से ऊपर चला गया, जो एक सप्ताह पहले 4.01 प्रतिशत था। हालांकि दोपहर तक यह 4.48 प्रतिशत पर वापस आ गया। इस तरह के उछाल से अमेरिका में घरों और व्यवसायों को दिए जाने वाले मॉर्गेज और अन्य कर्जों की दरें बढ़ सकती हैं। इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी होगी। बाजार के विशेषज्ञ आशंका जता रहे हैं कि अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वार के चलते अमेरिका के बाहर के निवेशक अपने यूएस बॉन्ड बेच सकते हैं। हेज फंड और अन्य नुकसान को कवर करने के लिए वे ऐसा कर सकते हैं। इससे दुनिया के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले बाजार अमेरिकी बाजार की प्रतिष्ठा पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। शुक्रवार को यूरो से लेकर जापानी येन और कनाडाई डॉलर के मुकबाले यूएस डॉलर की कीमतें गिर गईं। व्यापार युद्ध के चलते अमेरिकी उपभोक्ता संशकित हैं और इससे उनके खर्च प्रभावित हो सकते हैं। यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

कुलांचे मारता सोना, दगाबाज बने शेयर शॉक पे शॉक के बीच कहां बनेगा पैसा?

नई दिल्ली,12 अप्रैल (एजेंसियां)। राहुल और उनकी पत्नी अंजलि एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। पिछले कुछ समय में उन्होंने अपने खर्चों में कटौती करके 2 लाख रुपये की सेविंग की है। अब वे इस बचत को निवेश करना चाहते हैं। उनके सामने असमंजस यह है कि फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) का ब्याज कुछ खास नहीं है। सोना आसमान छू रहा है। इसकी कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। वहीं, शेयर बाजार में भारी उथल-पुथल है। सच तो यह है कि राहुल और अंजलि के सामने जो कन्फ्यूजन है, उसका सामना आज ज्यादातर निवेशक कर रहे हैं। सोने की लगातार बढ़ती कीमतों और शेयर बाजार में जारी उथल-पुथल ने निवेशकों के लिए यह तय करना मुश्किल कर दिया है कि पैसा कहां लगाया जाए। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर तेज हो गई है। इससे शेयर बाजारों में अनिश्चितता है। निवेशकों में डर का माहौल है। मुश्किल समय में ज्यादातर शेयर 'दगाबाज' साबित हो रहे हैं। इसके उलट सोना तेजी से बढ़ रहा है। सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बढ़ गई है। फिक्स्ड इनकम से मिल रहा रिटर्न सामान्य है। जिन लोगों ने अपने पोर्टफोलियो में सोना और फिक्स्ड इनकम को शामिल किया था, वे दूसरों से बेहतर कर रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से बाजार में बड़ी गिरावट (30% से ज्यादा) और उसके बाद सुधार होने में लगभग दो साल लगे हैं। लेकिन, कुछ में चार-पांच साल भी लगे हैं। हाल के वर्षों में बाजार में कोई बड़ा झटका नहीं लगा है। ऐसे में कई निवेशकों को लगता है कि वे शेयर बाजार की अस्थिरता को संभाल सकते हैं। उन्होंने अभी तक ज्यादा अस्थिरता नहीं देखी है। कई लोग अब उम्मीद करते हैं कि बाजार फिर से खड़ा होगा और ऊपर चढ़ेगा। लेकिन, इतिहास को एक चेतावनी के रूप में देखना चाहिए। 2008 की मंदी की यादें अभी भी निवेशकों के दिमाग में ताजा हैं। लेकिन, ऐसे भी उदाहरण हैं जब सुधार में बहुत लंबा समय लगा था। फिलिप कैपिटल में वेल्थ मैनेजर प्रतीक मिश्रा कहते हैं कि निवेशकों को अभी ज्यादा जोखिम लेने से बचना चाहिए। सोच-समझकर निवेश का फैसला लेने की जरूरत है। बाजार में बीच-बीच में तेजी देखने को मिली है। आगे अगर कंपनियों का मुनाफा कम होता है या दुनिया की अर्थव्यवस्था बिगड़ती है तो बाजार फिर से नीचे जा सकता है। जोखिम प्रोफाइल और लंबी अवधि के इन्वेस्टमेंट हॉरिजन को देखते हुए पोर्टफोलियो का लगभग 75%-80% इक्विटी में आवंटित करना सही होगा।बाजार में डर का माहौल किस कदर है यह एएमएफआई के ताजा आंकड़ों से पता चलता है। मार्च 2025 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 14.4% घटकर 25,082 करोड़ रुपये रहा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-05 सूर्यास्त. -18-28
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	मे	मीन....	04-32 बजे
चंद्र-	कन्या	मे	मेष---	06-07 बजे
मंगल	कर्क	मे	वृष---	07-52 बजे
बुध-	मीन	मे	मिथुन..	09-53 बजे
गुरु-	वृष	मे	कर्क....	12-05 बजे
शुक्र-	मीन	मे	सिंह---	14-17 बजे
शनि-	मीन	मे	कन्या---	16-24 बजे
राहु-	मीन	मे	तुला----	18-29 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृश्चिक...	20-40 बजे
			धनु.....	22-52 बजे
			मकर...	00-59 बजे
			कुंभ....	02-49 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा दिन रात तक अहोरात्र
मास - वैशाख कृष्ण , रविवार 13 April
नक्षत्र - चित्रा 21-10 तक उपरान्त स्वाति
योग - हर्षण 21-38 तक उप वज्र
करण- बालव 19-08 तक उप कौलव
विशेष:- श्रीमहावीर रथ यात्रा
व्रत -त्योहार - मेषे अर्क खालसा ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:57 से 18:31 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:05 - 07:36	अशुभ	शुभ	18:28 - 19:57	शुभ
चंचल	07:36 - 09:10	शुभ	अमृत	19:57 - 21:23	शुभ
लाभ	09:10 - 10:43	शुभ	चंचल	21:23 - 22:50	शुभ
अमृत	10:43 - 12:17	शुभ	रोग	22:50 - 00:16	अशुभ
काल।	12:17 - 13:50	अशुभ	काल	00:16 - 01:43	अशुभ
शुभ।	13:50 - 15:24	शुभ	लाभ	01:43 - 03:09	शुभ
रोग	15:24 - 16:57	अशुभ	उत्पात	03:09 - 04:36	अशुभ
उत्पात	16:57 - 18:28	अशुभ	शुभ	04:36 - 06:05	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं ।अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें । इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा । अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें ।अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है ।आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'हाजमोला' कैंडी है या आयुर्वेदिक दवा? जीएसटी डिपार्टमेंट ने खोल दी है फाइल

नई दिल्ली,12 अप्रैल (एजेंसियां)। एफएमसीजी सेक्टर की जानी मानी कंपनी डाबर जीएसटी अधिकारियों के चक्कर में फंस गई दिखती है। लोगों की पसंदीदा हाजमे की गोली हाजमोला पर टैक्स को लेकर सवाल उठाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह कैंडी है जबकि डाबर कंपनी हाजमोला को आयुर्वेदिक दवा बता रही है। अगर यह कैंडी है, तो इस पर 18% टैक्स लगेगा। अगर आयुर्वेदिक दवा है, तो 12% टैक्स लगेगा।

कैसे शुरू हुआ विवाद

दरअसल, जीएसटी इंटेलीजेंस महानिदेशालय का कोयम्बटूर जोन इस बात की जांच कर रहा है कि यह कैंडी या आयुर्वेदिक दवा। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) इसे कैंडी मान रहा है और इस पर 18 फीसदी के जीएसटी की डिमांड कर रहा है। लेकिन डाबर ने इस ऑफिस को को जवाब दिया है कि हाजमोला एक आयुर्वेदिक दवा है। इसे चीनी से बनी कैंडी नियमित चीनी-उबली कैंडी नहीं मानना चाहिए।

हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया में आई एक रिपोर्ट के अनुसार यह मामला पहले भी उठाया गया था। उस सयम देश में जीएसटी लागू भी नहीं हुआ था। उस समय सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि हाजमोला एक आयुर्वेदिक दवा है। हाजमोला हर घर में इस्तेमाल होता है। इसे कैंडी या कंफेक्शनरी आइटम नहीं मानना चाहिए। डाबर कंपनी को इनकम टैक्स का एक नोटिस भी मिला है। 1 अप्रैल को डाबर ने बताया कि इनकम टैक्स विभाग ने वित्त वर्ष 2017-18 के लिए 110.33 करोड़ रुपये का टैक्स भरने का आदेश दिया है। इनकम टैक्स विभाग का कहना है कि डाबर ने अपने रिसर्च और डेवलपमेंट और इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के सेक्शन 14ए के तहत टैक्स में गलत छूट का दावा किया है। मतलब, डाबर ने टैक्स बचाने के लिए कुछ गलत तरीके अपनाए, ऐसा इनकम टैक्स विभाग का मानना है। इस महीने की शुरुआत में डाबर ने कहा था कि शहरी बाजारों में मंदी और महंगाई के कारण मार्च तिमाही में उसकी कमाई कम हो सकती है। कंपनी को अपने मुनाफे में 150-175 बेसिस पॉइंट्स की कमी आने की आशंका है। इसका मतलब है कि डाबर को पहले जितना फायदा होता था, अब उतना नहीं होगा। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, डाबर ने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में उसकी कमाई लगभग स्थिर रहने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि उसकी कमाई में ज्यादा बदलाव नहीं होगा।

डाबर के कई मशहूर ब्रांड

डाबर के कुछ मशहूर ब्रांड हैं, जैसे डाबर च्यवनप्राश, डाबर शिलाजीत कैप्सूल, डाबर सितोपलादि चूर्ण, डाबर हनी, डाबर पुदीन हरा, डाबर लाल तेल, डाबर आंवला तेल, डाबर रेड पेस्ट, फूट जूस रियल और वाटिका शैम्पू। ये सभी प्रोडक्ट्स लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। डाबर इंटरनेशनल में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इन बाजारों में डाबर की कमाई में अच्छी बढ़ोतरी हो रही है। डाबर को अपनी कुल कमाई का लगभग एक चौथाई हिस्सा इंटरनेशनल बिजनेस से मिलता है।

इस शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री में रिलायंस ने बढ़ाई अपनी हिस्सेदारी, 51.72 करोड़ में फाइनल हुई डील

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के जाने-माने बिजनेस टायकून और 9,100 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति के साथ एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी शिपिंग इंडस्ट्री में अपना दायरा बढ़ा रहे हैं। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी नौयान ट्रेडिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने नौयान शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड में अपनी 10 परसेंट और हिस्सेदारी बढ़ा ली है। इसके लिए आरआईएल ने वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड के साथ से 51.72 करोड़ रुपये में एक डील की है। इस डील के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने बिजनेस पोर्टफोलियो में विविधता लाने की व्यापक रणनीति के संकेत दे दिए हैं। रेगुलेटरी अथॉरिटी को सौंपे गए डॉक्यमेंट्स में रिलायंस ने कहा, कंपनी की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी नौयान ट्रेडिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने कंपनी को सूचित किया है कि उसने आज वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड से 51.72 करोड़ रुपये के कुल मूल्य पर कंपनी की एक स्टेप-डाउन सब्सिडियरी नौयान शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड में 10 परसेंट अतिरिक्त इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। रिलायंस ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इस लेनदेन के पूरा होने की पुष्टि की। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की कंपनी सेक्रेटरी और कंप्लायंस ऑफिसर सावित्री पारेख ने कहा, "नौयान शिपयार्ड में इस अतिरिक्त हिस्सेदारी का अधिग्रहण शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री की विकास क्षमता में रिलायंस के निरंतर विश्वास को दर्शाता है।" इससे पहले मार्च के आखिर में नौयान ट्रेडिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड से नौयान शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड के 74 परसेंट इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करीब 383 करोड़ रुपये में पूरा किया था।फोर्ब्स बिलियनेयर्स लिस्ट 2025 के अनुसार, मौजूदा समय में दुनिया में 3,028 अरबपति हैं, जो पिछले साल के मुकाबले 247 ज्यादा है। इन अरबपतियों की कुल मिलाकर संपत्ति 16।1 ट्रिलियन डॉलर है।

यूपीआई ने फिर खडी की परेशानी ट्रांजैक्शन को लेकर परेशान रहे लोग

नई दिल्ली,12 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपीआई में एक बार फिर से समस्या आई है। इससे शनिवार को लोगों को ऑनलाइन पेमेंट करने में परेशानी हुई। डाउन डिटेक्टर के अनुसार, सुबह 11:26 बजे से यूपीआई में दिक्कतें शुरू हुईं। सबसे ज्यादा परेशानी 11:41 बजे हुई। तब 222 से ज्यादा लोगों ने पेमेंट में दिक्कत की शिकायत की। पेटीएम और गूगल पे जैसे प्लेटफॉर्म पर भी पेमेंट करने में परेशानी हुई। पिछले एक साल में यह यूपीआई के डाउन होने का यह छठा मामला है। आज सुबह कई लोगों को यूपीआई से पेमेंट करने में दिक्कत हुई। डाउन डिटेक्टर ने बताया कि 11:26 बजे के आसपास लोगों ने यूपीआई में परेशानी की शिकायत की। 11:41 बजे तक 222 से ज्यादा शिकायतें आईं। लोगों को डिजिटल पेमेंट करने में दिक्कत हो रही थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कई लोगों ने

लिखा कि उन्हें पेटीएम और गूगल पे जैसे ऐप पर पेमेंट करने में परेशानी हो रही है। एक यूजर ने कहा, 'यूपीआई आज फिर डाउन है, सारे पेमेंट फेल हो रहे हैं। अगर पहले से पता होता कि यूपीआई काम नहीं करेगा तो अच्छा होता।' अभी तक नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है। यह भी नहीं बताया गया है कि दिक्कत कब ठीक होगी। पिछले एक साल में यह छठी बार है जब यूपीआई में इतनी बड़ी खराबी आई है। यूपीआई एक ऐसा सिस्टम है जिससे आप तुरंत पैसे भेज और पा सकते हैं।

होम लोन लेना होगा आसान, इस सरकारी बैंकों ने घटाई अपनी ब्याज दरें

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। आरबीआई की ओर से ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने के बाद अब बैंकों ने भी इंट्रेस्ट रेट में कटौती करने का फैसला लिया है. सरकारी सेक्टर की बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक ने रेपो रेट से जुड़ी ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है. बैंक ने इसको लेकर इस बार शनिवार को जानकारी दी है. बैंक के इस फैसले के बाद आपको होन लोन सस्ता मिलेगा. हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की हालिया बैठक में नीतिगत दर रेपो को 6.25 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत करने का निर्णय लिया था, जिसके बाद अब इंडियन ओवरसीज बैंक ने भी ब्याज दर में कटौती की है. ब्याज दर में कमी आने से होम लोन सहित इस बैंक से लिए जाने वाले सभी लोन्स की ईएमआई कम आएगी.बैंक की ओर से ब्याज दर में कटौती किए जाने के बाद अब इस बैंक से होम लोन सस्ता होगा. अगर कोई इस सरकारी बैंक से लोने के लिए अप्लाई करेगा, तो उसे कम ईएमआई चुकानी होगी. होम लोन के अलावा भी बाकी लोन्स भी अब सस्ते हो जाएंगे. बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती का निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले सप्ताह भारतीय वस्तुओं के आयात पर 26 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच आया है.

साइबर जागरूकता वॉकथॉन के साथ पीएनबी का 131वां स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद,12 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब नैशनल बैंक के 131वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अंचल कार्यालय, हैदराबाद द्वारा साइबर जागरूकता पर केंद्रित वॉकथॉन का आयोजन किया गया।वॉकथॉन का सफलतापूर्वक समन्वयन मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबंधक श्री सुनील कुमार चुघ के नेतृत्व में पूर्ण किया गया। कार्यक्रम में आज के डिजिटल परिदृश्य में साइबर सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री के वी एम प्रसाद, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), साइबर अपराध, हैदराबाद, विशिष्ट अतिथि के रूप में, श्री चिन्मय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक एवं लोकपाल, भारतीय रिजर्व बैंक, हैदराबाद उपस्थित रहें। श्री के वी एम प्रसाद, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), साइबर अपराध, हैदराबाद ने अपने उद्बोधन में आए दिन साइबर खतरों में हो रही वृद्धि पर बात की और ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटने में जागरूकता एवं सतर्कता के महत्व को विशेष रुप से रेखांकित किया। उन्होंने सभी से सतर्क रहने और इंटरनेट सुरक्षा के बारे में खुद को प्रशिक्षित एवं जागरुक रहने के प्रति आगाह किया। श्री चिन्मय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक एवं लोकपाल, भारतीय रिजर्व बैंक, हैदराबाद ने अपने उद्बोधन में सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग वातावरण स्थापित करने के लिए बैंकों, विनियामकों और विधि प्रवर्तन एजेंसियों के बीच विशेष सहयोग एवं समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने ऑनलाइन सुरक्षित रहने के महत्व पर अपने ग्राहकों और कर्मचारियों को शिक्षित करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पीएनबी की सराहना की। श्री सुनील कुमार चुघ, मुख्य महाप्रबंधक एवं

अंचल प्रबंधक ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अतिथियों के प्रति विशेष आभार जताया। श्री चुघ ने डिजिटल सुरक्षा के प्रति पीएनबी की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने इस आयोजन को उसी दिशा में एक कदम बताया। श्री चुघ ने दैनिक आधार पर विभिन्न साइबर जागरूकता पहलों एवं सुरक्षित बैंकिंग प्रक्रियाओं के माध्यम से ग्राहकों के साथ एवं विश्वास को बढ़ाने में पीएनबी की भूमिका पर जोर दिया। श्री शैलेन्द्र कुमार, महाप्रबंधक ने ग्राहकों से सतर्कता एवं जागरुकता अपनाने पर जोर दिया।

नशीली दवाओं का भंडाफोड़

बिहार के दो कारोबारी गिरफ्तार, प्रतिबंधित दवाएं बरामद

जमशेदपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। जमशेदपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी कुमार शिवाशिष के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की।

बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के खरकाई रोड स्थित रीगल चौक से दो आरोपियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चंदन कुमार पांडे उर्फ अमित कुमार पांडे उर्फ नारायण और रवि रंजन चौधरी उर्फ विष्णु कुमार के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। आरोपी वर्तमान में सरायकेला-खरसावां जिले के आरआईटी थाना क्षेत्र में रह रहे थे। वहीं से वे नशीली दवाओं का अवैध कारोबार चला रहे थे। पुलिस ने उनके पास से भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं बरामद की हैं। जांच में पता चला है कि इन दवाओं का इस्तेमाल बच्चे और किशोर नशे के लिए करते थे। पूछताछ में आरोपियों ने माना कि वे लंबे समय से इस धंधे में लिप्त थे। वे कई जिलों में इन दवाओं की आपूर्ति करते थे। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

दो दिनों में सीएम हेमंत का डबल धमाका

बाबूलाल के बाद अब सुदेश को दिया झटका नीरू शांति भगत जेएमएम में शामिल

रांची, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव 2025 में बड़ी जीत हासिल कर दोबारा सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अब संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में जुटे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संगठन विस्तार की रणनीति के तहत राज्य के विभिन्न जिलों के सामाजिक कार्यकर्ताओं का जेएमएम में शामिल होने का सिलसिला जारी है।

संताल परगना प्रमंडल के दौरे के क्रम में एक दिन पहले बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताला मरांडी ने जेएमएम का दामन थाम लिया, वहीं शनिवार को रांची में जेएमएम ने आजसू पार्टी को झटका दिया है। आजसू पार्टी के संस्थापक सदस्य कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत जेएमएम में शामिल हो गईं।

जेएमएम के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे ने नीरू शांति भगत को पार्टी की सदस्यता दिलाई। नीरू शांति भगत के साथ उनके कई समर्थकों ने आजसू पार्टी

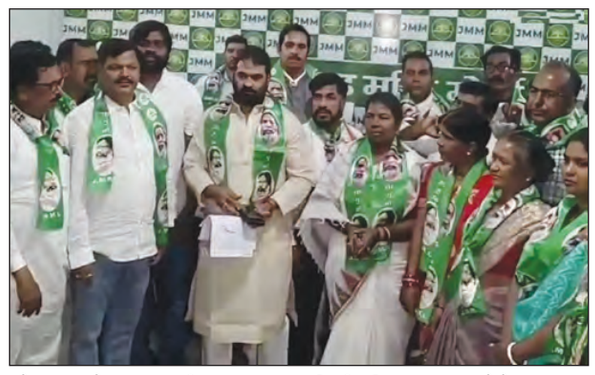

छोड़कर जेएमएम की सदस्यता ली। नीरू शांति भगत 2019 और 2024 में लोहरदगा विधानसभा सीट से आजसू के टिकट पर चुनाव लड़ चुकी हैं और दोनों ही चुनाव में उन्हे कांग्रेस के रामेश्वर उरांव के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

नीरू शांति भगत ने विधानसभा चुनाव के ठीक बाद आजसू पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो को चिट्ठी लिखकर उन्होने आजसू पार्टी के अंदर चल रही गतिविधियों को लेकर सचेत किया था और बताया था कि कैसे पार्टी के अंदर सब कुछ ठीक नहीं है। आजसू पार्टी से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की थी। इसके बाद से ही कयास लगाये जा रहे थे कि वो जेएमएम की सदस्यता ले सकती है।

नीरू शांति भगत के जेएमएम में शामिल होने से एक दिन पहले बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष ताला मरांडी ने साहेबगंज के भोगनाडीह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थामा था। ताला मरांडी बोरियो विधानसभा सीट से दो बार विधायक रह चुके है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें बीजेपी ने राजमहल लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था लेकिन जेएमएम के विजय कुमार हांसदा ने उन्हे चुनाव में शिकस्त दे दी।

वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान लोबिन हेम्ब्रम के बीजेपी ज्वाइन करने से ताला मरांडी नाराज बताए जा रहे थे। उन्होंने लोबिन के बीजेपी ज्वाइन करने से पहले इसका खुलकर विरोध भी किया था। लेकिन इसके बावजूद लोबिन ने बीजेपी की सदस्यता भी ली और पार्टी ने उन्हे बोरियो सीट से उम्मीदवार भी बनाया मगर उन्हे चुनाव में जीत नहीं मिल सकी।

वन विभाग के कर्मचारी के घर से मिले 26 लाख रुपये

अधिकारियों ने मिलकर किया था बड़ा कांड लपेटे में पूर्व विधायक समेत कई सीनियर

रायपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाला, कोल घोटाला के बाद एक और घोटाला सामने आया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तेंदूपत्ता घोटाले में कार्रवाई की है। तेंदूपत्ता घोटाला मामले में राज्य के सुकमा जिले में पूर्व विधायक समेत कई अधिकारियों के आवास पर छापेमारी की गई थी। वन विभाग के एक कर्मचारी के परिसर से 26.63 लाख रुपये की नकदी बरामद की। एसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि जांच एजेंसी ने पूर्व विधायक और आदिवासी नेता मनीष कुंजाम, सुकमा के वन मंडल अधिकारी (डीएफओ) कार्यालय के कर्मचारी राजशेखर पुराणिक और प्राथमिक लघु वनोपज समिति के प्रबंधकों के 12 परिसरों पर छापे की कार्रवाई हुई। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान पुराणिक के आवास से 26,63,700 रुपये जब्त किए गए। उनके मुताबिक, छापेमारी के दौरान मामले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कई बैंक खातों और निवेश से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

अधिकारी ने बताया कि दस्तावेजों का विश्लेषण और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने बताया कि सुकमा वन मंडल के तत्कालीन डीएफओ अशोक कुमार पटेल ने अपने पद का कथित तौर पर दुरुपयोग किया और वन विभाग के अधिकारियों तथा सुकमा में विभिन्न प्राथमिक लघु वनोपज समितियों के प्रबंधकों और पदाधिकारियों के साथ मिलीभगत कर लगभग सात करोड़ रुपये का हिस्सा हड़प लिया, जो वर्ष 2021 और 2022 के लिए तेंदूपत्ता संग्राहकों को पारिश्रमिक के रूप में वितरित किया जाना था।

सुशासन तिहार, युवक बोला-मेरी शादी करा दो सरकार

आवेदन में लिखा–घरवाले नहीं दे रहे ध्यान, अंबिकापुर में युवक ने ससुराल जाने के लिए मांगी बाइक

सरगुजा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में संविदा कर्मचारी ने अपनी शादी के लिए अनोखा आवेदन लगाया है। आवेदन लिखा है कि मैं 46 साल का हो चुका हूं। मेरी शादी नहीं हुई है। घरवाले भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। कोई अच्छी लड़की देखकर मेरी शादी करवा दो। मिली जानकारी के मुताबिक इस तरह के कई आवेदन आ रहे हैं। इनमें एक युवक ने ससुराल जाने के लिए बाइक की मांग की है। ये दोनों आवेदन महिला एवं बाल विकास के तहत आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम में आए हैं। यहां लोग अपनी समस्याओं को लेकर हजारों की संख्या में आवेदन कर रहे हैं।

दरअसल, आवेदन देने वाले संविदाकर्मी का नाम मनोज टोप्पो है, जो अंबिकापुर ब्लॉक के

भफौली का निवासी है। वह एक स्कूल में स्वीपर के पद पर पदस्थ है। सरकारी नौकरी होने के बाद भी उसकी शादी नहीं लग रही है, जिससे मनोज परेशान है।

मनोज टोप्पो ने बताया कि, जब वो छोटा था, तभी उसके पिता की मौत हो गई थी। वे 3 भाई और एक बहन हैं, जिनमें से 2 भाई और बहन की शादी हो गई है। मनोज अपनी मां और 2 भतीजों के साथ रहता है। भाई और मां उसके शादी के लिए ध्यान नहीं दे रहे हैं। वे ध्यान देते तो पहले ही शादी हो जाती। मनोज ने बताया कि वह अकेले रहता है, तो उसे अच्छा नहीं लगता, इसलिए भतीजों को अपने घर में साथ रखता है। शायद सरकार सुन ले और शादी करा दे, इसलिए आवेदन दिया है। सरकार से शादी कराने को लेकर उम्मीद है।

वहीं दूसरा मामला मैनपाट ब्लॉक के कदनई पंचायत का है। यहां के रहने वाले अजेश कुमार ठाकुर ने भी सुशासन तिहार के कार्यक्रम आवेदन किया है। आवेदन देकर बाइक की मांग की है। युवक ने आवेदन में लिखा कि उसे ससुराल और बाजार जाने में दिक्कत होती है।

युवक ने आवेदन में लिखा है कि उसे बाइक की जरूरत है, क्योंकि उसके गांव से ससुराल और हाट बाजार दूर है। आवेदन में संबंधित विभाग का नाम भी लिखा गया है। साथ ही ऑटो एजेंसी का नाम भी लिखा है।

बेकाबू होकर खाई में गिरी पिकअप, 2 की मौत

12 ग्रामीणों की हालत गंभीर, 24 लोग थे सवार सीआरपीएफ–231 बटालियन ने बचाई जान

दंतेवाड़ा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में शनिवार को एक पिकअप बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में पिकअप में सवार दो लोगों की मौत हुई है, जबकि 12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि, पिकअप में 24 लोग सवार थे। घटना अरनपुर थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, सभी ग्रामीण गोंडेरास के रहने वाले हैं। जो ताड़मेटला गए थे। वहां से अपने गांव गोंडेरास लौट रहे थे। इसी बीच कोंडासांवली और कमल पोस्ट के बीच घाट में पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई।

इस हादसे की खबर जैसे ही पास में स्थित 231 बटालियन के कैंप के जवानों को मिली तो अफसर समेत अन्य जवान तत्काल मौके पर पहुंचे। हालांकि, तब तक 12 साल के लड़के और करीब 20 साल की युवती की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं, 12 ग्रामीण गंभीर रूप से घायल है। जिनका सीआरपीएफ के डॉक्टरों ने पहले मौके पर ही प्राथमिक इलाज किया। फिर अरनपुर से एंबुलेंस बुलवाकर सभी को दंतेवाड़ा जिला अस्पताल रेफर किया गया। इसके साथ ही पिकअप में सवार बाकी 10 लोगों को मामूली चोटें आई है। जिनका सीआरपीएफ के डॉक्टरों ने ही इलाज किया। इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को भी दी गई। बताया जा रहा है कि, 231 बटालियन के जवानों की मदद से अन्य गंभीर रूप से घायल ग्रामीणों की जान बच गई।

छत्तीसगढ़ में बड़ा एनकाउंटर

तीन माओवादी ढेर, मौके से हथियार और विस्फोटक बरामद

रायपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार सुबह सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में तीन माओवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना इंद्रावती नेशनल पार्क के इलाके में हुई। सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम माओवादी विरोधी अभियान पर निकली थी। उसी दौरान सुबह करीब 9 बजे यह मुठभेड़ हुई।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि इस ऑपरेशन में बीजापुर और दंतेवाड़ा जिलों के डीआरजी के जवान शामिल थे। एसटीएफ और सीआरपीएफ की यूनिट कोब्रा की 202वीं और 210वीं बटालियन भी इस ऑपरेशन का हिस्सा थीं। डीआरजी स्टेट पुलिस की एक यूनिट है।

अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से तीन माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। साथ

ही, हथियार और विस्फोटक भी मिले हैं। उन्होंने कहा कि इलाके में अभी भी ऑपरेशन जारी है।

इस कार्रवाई के साथ ही, इस साल राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 138 माओवादी मारे जा चुके हैं। इनमें से 122 बस्तर संभाग में मारे गए हैं। बस्तर संभाग में बीजापुर समेत सात जिले शामिल हैं।

फोर्स के एक्शन से नक्सली संगठन बैकफुट पर आ गए हैं। सरकार ने मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के इस आदेश के बाद बस्तर संभाग में नक्सल ऑपरेशन में तेजी आई है।

बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिले के संवेदनशील इलाकों में फोर्स के कैंप खोले गए हैं। इससे नक्सलियों में बौखलाहट है। फोर्स के मूवमेंट से नक्सलियों में दहशत है। मुठभेड़ में मारे जाने के डर से माओवादी संगठन से जुड़े लोग लगातार सरेंडर कर रहे हैं।

मां ने बड़े बेटे को मारकर घर में दफनाया

8 महीने बाद खोदकर निकाला शव, परिवार के 4 लोग हिरासत में

सक्ती, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में एक मां ने अपने बड़े बेटे को मार डाला। सरिता भारती ने मंझले बेटे और दूसरे पति के साथ मिलकर संदीप भारती की हत्या की। इसके बाद शव को घर में ही दफना दिया। 8 महीने बाद बाड़ी में खुदाई कर शव को बाहर निकाला गया है।

मामला मालखरौदा थाना क्षेत्र का है। दूर के रिश्तेदार ग्राम चारपारा के अरविंद भारती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद शनिवार को पुलिस ने कार्रवाई की। बॉडी मिलते ही तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया है पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी मां के पहले पति की मौत हो गई थी। ये उसका दूसरा पति था जिसके साथ मिलकर बेटे को मौत के घाट उतारा। शिकायत में अरविंद भारती ने बताया कि सरिता भारती ने अपने मंझले बेटे करन भारती और वर्तमान पति रंजीत भारती के साथ मिलकर बड़े बेटे संदीप भारती की हत्या की। वहीं,

मामले की सूचना मिलते ही सक्ती एसडीओपी मनीष कुंवर पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंची। एसडीएम की अनुमति के बाद शव को निकालने की कार्रवाई की गई। मालखरौदा थाना प्रभारी सतरूपा तारम ने मामले की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि उच्च अधिकारियों को घटना की जानकारी दे दी गई है। मामले की जांच जारी है। पूछताछ के बाद हत्या के कारण का खुलासा हो पाएगा।

झारखंड के 12 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट

60 किमी/प्रति घंटा चल सकती है हवा, बारिश और मेघ गरजने के साथ गिर सकती है आकाशीय बिजली

रांची, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। आज राज्य के उत्तर पूर्वी तथा दक्षिण पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर मेघ गर्जन और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना व्यक्त की गई है। इस दौरान हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे रहने वाली है। मौसम विभाग ने देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा तथा सरायकेला-खरसावां के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

वहीं राज्य के पश्चिमी तथा मध्य निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं कहीं पर 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की गई है। इस दायरे में रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, पलामू, गढ़वा, चतरा, लोहरदगा जैसे जिले आते हैं। इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

बीते 24 घंटे में राज्य में लगभग सभी स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ हल्के से मध्य दर्जे की बारिश हुई है। जबकि कहीं-कहीं पर आंधी और ओलावृष्टि भी हुई है। सबसे अधिक वर्षा 56.2 मिमी चंद्रपुरा बोकारो में हुई। सबसे अधिक उच्च तापमान 38.8 डिग्री डाल्टेनगंज का रहा। जबकि सबसे कम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज किया गया है।

बीते 24 घंटे के दौरान जिन इलाकों में सबसे अधिक बारिश हुई है। उसमें चंद्रपुरा 56.2, सिलाईचक 52, मसानजोर 42.8, महारो 37.2, राजमहल 36.2, पुनपुनकी 35.2, रामगढ़ 35, पथरगामा 34.2, जमशेदपुर 32.4, डाल्टनगंज 32.2 और जमशेदपुर 31 मिमी है। अगले तीन दिनों के मौसम की बात करें तो 13 अप्रैल को राज्य में कहीं-कहीं में मेघ गर्जन और तेज हवा का झोंका चल सकता है।

युवती से गैंग रेप की आशंका

दुष्कर्म कर गला रेत मार डाला सबूत मिटाने को चेहरा जलाया एफएसएल टीम कर रही जांच

खूंटी, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। खूंटी के कर्रा थाना के मुरहू पार टांड़ खेत में बने कुंबा (फसल रखवाली के लिए बना शेड) से एक युवती का शव बरामद हुआ है। युवती की पहचान नहीं हो सकी है। युवती का शव नग्न स्थिति में मिला है।

पुलिस के मुताबिक बॉडी देख कर ऐसा लगता है कि युवती के साथ गैंग रेप किया गया है। बॉडी मिलने की जानकारी मिलते ही कर्रा थाना प्रभारी सहित एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं, कर्रा पुलिस की टीम युवती की पहचान करने में जुटी है। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार घटना काफी वीभत्स तरीके से किया गया है। पहले युवती के साथ रेप किया गया।

अंतरराष्ट्रीय शराब तस्करी का भंडाफोड़

गोवा से भूटान जा रहा था ट्रक, 14 हजार 400 बोतल नकली शराब जब्त

पलामू, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय शराब तस्करी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश किया है। पलामू में पुलिस ने गोवा से भूटान जा रहे एक ट्रक को पकड़ा है। इस ट्रक में 1200 कार्टन में 14400 बोतल नकली अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग का ट्रक गढ़वा से मेदिनीनगर की ओर नकली शराब ले जा रहा है। पुलिस ने मंगरदाहा स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप से ट्रक को जब्त कर लिया।

सभी कागजात और बोतलों की गुणवत्ता संदिग्ध पाई गई। ट्रक महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ होते हुए झारखंड में घुसा था। पुलिस ने ट्रक चालक जीतेन्द्र यादव को गिरफ्तार किया है। वह उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का रहने वाला है। पूछताछ में उसने शराब तस्करी गिरोह के तीन सदस्यों का खुलासा किया है।

इस गिरोह में जमशेदपुर के सीतारामडेरा से नीरज गुप्ता और प्रकाश राम शामिल हैं। बिहार के गया जिले के डुमरिया से बसंत गुप्ता उर्फ भंडारी भी इस गिरोह के सदस्य हैं। पुलिस इन तीनों की भूमिका की जांच कर रही है।

टीएसपीसी के 2 सब जोनल कमांडर समेत 6 उग्रवादी गिरफ्तार

जंगल में घेराबंदी कर सभी उग्रवादियों को पकड़ा गया, हथियार और कारतूस बरामद

लातेहार, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। लातेहार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के दो सबजोनल कमांडर समेत छह उग्रवादियों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार उग्रवादियों में नारायण भोक्ता उर्फ आदित (हेसाबार, बालूमाथ) सबजोनल कमांडर आलोक यादव उर्फ अमरेश यादव (बारा, पांकी,पलामू), एरिया कमांडर अमित दुबे उर्फ छोटे बाबा (पथरई,लेस्लीगंज), महेंद्र ठाकुर व इमरान अंसारी (दोनों बरैनी, चतरा), संजय उरांव उर्फ भगत (अलौदिया,चंदवा) का रहने वाला है।

पुलिस ने इनके पास से 315 बोर के चार राइफल, एक ऑटोमेटिक रिवॉल्वर, 1102

राउंड गोली, तीन पाउच, दो वर्दी, दो बाइक और नक्सली पर्चा बरामद किया है। इसकी जानकारी एसपी अंजनी कुमार गौरव ने दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बालूमाथ थाना क्षेत्र के हेसाबार-भांग जंगल में टीएसपीसी के नक्सली किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के बाद बालूमाथ एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम बनाई गई। टीम ने जंगल में घेराबंदी कर सभी उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने बताया कि ये सभी अपराधी पहले जेल जा चुके हैं। जेल से छूटने के बाद फिर से टीएसपीसी संगठन को सक्रिय कर रहे थे। लातेहार, गढ़वा, पलामू और चतरा जिले के व्यवसायियों और ठेकेदारों से जबरन वसूली कर रहे थे। पिछले चार-पांच महीने से यह पूरी टीम सक्रिय थी। इनकी गिरफ्तारी से टीएसपीसी को लातेहार जिले में बड़ा झटका लगा है।

गिरफ्तार सभी उग्रवादियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आलोक यादव पर 11 मामला दर्ज है। जबकि इमरान अंसारी और संजय उरांव पर 7-7, अमित दुबे और नारायण भोक्ता पर 5-5 मामले दर्ज हैं। यह सभी उग्रवादी जेल से छूटने के बाद विभिन्न नाम का उपयोग कर लेवी वसूलने का कार्य कर रहे थे।

कैंसर मरीज को एंबुलेंस नहीं मिला

हाईकोर्ट बोला– राज्य सरकार की मुफ्त योजनाएं, फिर भी सुविधाएं नहीं हेल्थ सेक्रेटरी और रेलवे से मांगा जवाब

बिलासपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन में कैंसर मरीज और दंतेवाड़ा में बीमार को एंबुलेंस नहीं मिलने पर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने कहा है कि राज्य सरकार की मुफ्त की योजनाएं हैं, फिर भी लोगों को सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। हाईकोर्ट ने इस मामले में स्वास्थ्य विभाग के सचिव और बिलासपुर रेलवे के डीआरएम से जवाब मांगा है। डिवीजन बेंच ने पूछा कि व्यवस्था सुधार के लिए क्या किया जा रहा है, इसकी पूरी जानकारी कोर्ट में पेश करें। यह भी बताएं कि इमरजेंसी में एंबुलेंस की सुविधा आखिर उपलब्ध क्यों नहीं हो पाती।

रेप-मर्डर केस, राज्यपाल से मुलाकात करेगी कांग्रेस

18 अप्रैल को दुर्ग–रायपुर तक निकालेंगे 'न्याय पथ यात्रा', 21 को सीएम हाउस का घेराव, निष्पक्ष जांच की मांग

रायपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में मासूम बच्ची से हैवानियत को लेकर कांग्रेस अब सीधे राज्यपाल से मिलकर न्याय मागेगी। 13 अप्रैल को नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की अगुवाई में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात करेगा।

कांग्रेस की मांग है कि, इस मामले की जांच में जिस तरह की पुलिस की भूमिका रही है, उसमें पारदर्शिता नहीं दिखी और अब वक्त है कि एक निष्पक्ष एजेंसी जैसे सीबीआई को जांच सौंपी जाए। राजभवन के बाद कांग्रेस ने बड़ा आंदोलनात्मक कार्यक्रम भी तय किया है। पार्टी 18 अप्रैल से दुर्ग से रायपुर तक न्याय पथ यात्रा निकालेगी। 21 अप्रैल को रायपुर में मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

दुर्ग जिले में 6 अप्रैल को कन्या भोज के लिए गई 6 साल की बच्ची का मर्डर हुआ है। बच्ची पर सेक्सुअल असॉल्ट, प्राइवेट पार्ट को सिगरेट से दागने, इलेक्ट्रिक शॉक देने जैसी गंभीर बात भी सामने आई। मौत के बाद बच्ची की लाश को कार की डिक्की में छिपाया गया। पुलिस ने इस केस में बच्ची के चाचा को आरोपी बनाया है। पुलिस का कहना है कि, 5 लोगों को संदेह के आधार पर पूछताछ के लिए पकड़ा गया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट समेत कई जांच में ये पाया गया कि, बच्ची के सगे चाचा ने ही वारदात को अंजाम दिया है।

इस घटना को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने साफ कहा है कि, पीड़ित परिवार को न तो पुलिस पर भरोसा है और न ही सरकार पर। उन्होंने आरोप लगाया कि, बच्ची के चाचा को जबरन आरोपी बनाया गया है जबकि असली गुनहगार अब भी खुला घूम रहा है।

दीपक बैज ने दावा किया कि, मृत बच्ची के परिजनों से उन्होंने मुलाकात की है। परिवार का कहना है कि, पुलिस ने न सिर्फ बुजुर्गों और महिलाओं के साथ बर्बरता की बल्कि जबरन कबूलनामा भी करवाने की कोशिश की गई। यहां तक कि बच्ची की हमउम्र बुआ को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि उसके चेहरे तक में अंदरूनी चोटें हैं।

कांग्रेस ने बालोद विधायक संगीता सिन्हा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय एक जांच टीम दुर्ग भेजी थी, पुलिस की जांच पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी का कहना है कि जिस जगह को पुलिस क्राइम सीन बता रही है, वहां कोई दरवाजा तक नहीं है। उस वक्त घर में और लोग भी मौजूद थे, फिर भी पुलिस ने मनमाने तरीके से कहानी बनाई और अब पूरे परिवार को ही टारगेट किया जा रहा है। इस घटना के बाद प्रदेश भर में जनता का आक्रोश फूटा है। दुर्ग में आरोपी के घर में आगजनी हुई। वहीं, बलौदाबाजार में कलेक्टर और एसपी दफ्तर तक फूंक दिए गए।

कांग्रेस ने इसे कानून व्यवस्था की पूरी नाकामी बताया है और कहा है कि सूरजपुर, बलरामपुर, लोहारीडीह, और अब दुर्ग। हर जगह जनता सड़कों पर है क्योंकि भरोसा टूट चुका है।

ट्रम्प ने ईरान को फिर धमकी दी

न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ा तो खामियाजा भुगतना पड़ेगा, ओमान में दोनों देशों के बीच बातचीत

ओमान, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ा, तो उसे खामियाजा भुगतना पड़ेगा। यह बात ट्रम्प की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने शनिवार को होने वाली अमेरिका-ईरान बातचीत से पहले पत्रकारों के सामने कही।

कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रम्प की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी परमाणु हथियार न हासिल कर सके। ट्रम्प कूटनीति से निकाले गए हल का समर्थन करते हैं, लेकिन अगर कूटनीति विफल होती है तो वह कड़े कदम उठाने के लिए भी तैयार हैं।

कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प पहले भी साफ कर चुके हैं कि इस मामले में सभी विकल्प खुले हैं। ईरान के पास दो विकल्प हैं- या तो ट्रम्प की मांगों को माने, या गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहे। यही इस मुद्दे पर ट्रम्प की दृढ़ भावना है।

अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ शनिवार को ओमान में

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची से मुलाकात करेंगे। यह अमेरिका और ईरान के बीच एक दशक से भी अधिक समय में पहली औपचारिक परमाणु बातचीत होगी। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी इस बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाएंगे। पॉलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने ईरान को एक नई परमाणु डील पर सहमति के लिए 60 दिनों का समय दिया है, नहीं तो सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी है। यह चेतावनी एक चिट्ठी के जरिए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को भेजी गई। इस पत्र में साफ तौर पर कहा गया कि तेहरान को वाशिंगटन के साथ बातचीत के लिए तैयार रहना होगा, चाहे यह बातचीत सीधे ही क्यों न हो। नहीं तो ऐसे परिणाम भुगतने होंगे जो ईरानी सरकार की स्थिरता को खतरे में डाल सकते हैं। इससे पहले 30 मार्च को ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी थी कि अगर वह अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम पर किसी समझौते पर नहीं पहुंचता तो अमेरिका उस पर बमबारी कर सकता है। ट्रम्प ने ईरान पर सेकेंडरी टैरिफ लगाने की भी धमकी दी।

ट्रम्प ने एनबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा, अगर वे कोई डील नहीं करते हैं तो बमबारी होगी। यह ऐसी बमबारी होगी, जैसी उन्होंने पहले कभी नहीं देखी होगी।

2018 में ट्रम्प के ईरान से परमाणु करार रद्द करने के बाद ईरान की बम बनाने की क्षमता में इजाफा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के अनुसार ईरान ने 60% शुद्धता का 275 किलो यूरेनियम बना लिया है। यह छह परमाणु बम बनाने के लिए काफी है। अगर अमेरिका-ईरान के बीच कोई समझौता नहीं होता है तो इस साल के अंत तक अमेरिका या इजराइल या दोनों ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी का फैसला ले सकते हैं। अमेरिकी, इजराइली और अरब सूत्रों का कहना है कि ट्रम्प कुछ माह तक बातचीत की प्रक्रिया जारी रखेंगे।

बांग्लादेश के आर्मी चीफ को अरेस्ट कराएंगे यूनुस

फांसी देने की तैयारी, बांग्लादेशी एक्सपर्ट का बड़ा दावा, फिर दहलेगा भारत का पड़ोस?

ढाका, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश में बीते साल हुए नाटकीय सियासी बदलाव के बाद सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमां सबसे प्रमुख व्यक्ति बनकर उभरे थे। उनके इशारे पर ही शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार की कमान सौंपी गई। हालांकि कुछ महीनों के बाद ही बांग्लादेश के आर्मी चीफ जनरल वकार जमां और देश की सरकार के मुखिया यूनुस के बीच तनातनी की खबरें आने लगीं। अब स्थिति बद से बदतर हो गई है और यूनुस किसी तरह जमां को रास्ते से हटाने की जुगत में हैं। यहां तक कि उनकी गिरफ्तारी कर फांसी भी दी जा सकती है। ये सब दावे बांग्लादेश के ही एक पत्रकार ने किए हैं।

इंडिया डेली लाइव पर एक कार्यक्रम में बोलते हुए बांग्लादेशी पत्रकार सलाउद्दीन शोएब चौधरी ने दावा किया है कि मोहम्मद यूनुस पूरी तरह पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे हैं। ये आर्मी चीफ वकार जमां को पसंद नहीं आ रहा है और दोनों के रिश्ते में तनाव की वजह बन रहा है।

उन्होंने कहा कि यूनुस ने लालमोनिरहाट में चीन को एयरबेस बनाने के बुलाया है। इससे पहले ढाका की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को पाकिस्तान को सौंपने की कोशिश यूनुस कर चुके हैं। आर्मी चीफ जमां ने दखल देकर उस डील को रोका।

'जमां के खिलाफ साजिश चल रही है'

चौधरी ने आगे कहा, 'यूनुस लगातार सेना प्रमुख जमां के करीबियों पर शिंकाजा कस रहे हैं ताकि उनको कमजोर कर सकें। यूनुस ने कई सीनियर अफसरों को हाउस अरेस्ट करा दिया है और उन पर मुकदमें किए गए हैं। इस सबके बीच मोहम्मद यूनुस ने खलीलुर्रहमान को नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर बना दिया है। ये आर्मी चीफ वकार जमां के खिलाफ साफतौर पर साजिश का हिस्सा है। मैं कह सकता हूं कि आने वाले वक्त में जमां को बर्खास्त कर दिया जाएगा। यूनुस की मंशा मजां को गिरफ्तार कर जेल भेजने और मुकदमा चलाकर उनको फांसी देने की है। इसकी बड़ी साजिश चल रही है।

शोएब चौधरी ने इस दौरान कहा कि बंगाली कभी भी पाकिस्तानी को पसंद नहीं करता है। बांगाली तो पाकिस्तानी फौज और सरकार को अपने दुश्मन की तरह देखता है। यूनुस बंगाली हैं ही नहीं, इसलिए यह पाकिस्तान की गोद में बैठ रहे हैं। यूनुस को ये समझ लेना चाहिए कि अगर किसी बाहरी ताकत के इशारे पर उन्होंने बांग्लादेश की आर्मी और जनता के खिलाफ लड़ाई छेड़ने की कोशिश की तो उनका अंजाम बहुत बुरा होगा।

चौधरी ने कहा कि यूनुस को सत्ता तक पहुंचाने के पीछे पाकिस्तान और अमेरिका है। इन बाहरी ताकतों का मकसद बांग्लादेश को अस्थिर करना है। ये पूरी साजिश बांग्लादेश को लूटने के लिए रची जा रही है। इन काम आसान हो गया है क्योंकि शेख हसीना की पार्टी फिलहाल अंडरग्राउंड है।

इसके बावजूद यूनुस के दिल में शेख हसीना का ही डर है कि वो लौटीं तो जनता सड़कों पर उतरकर उनका स्वागत करेगी।

मेलबर्न के भारतीय दूतावास में तोड़फोड़

मेन गेट पर लाल पेंट से निशान बनाए, पहले भी दीवारों पर भड़काऊ नारे लिखे जा चुके

कैनबेरा, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मेलबर्न के भारतीय वाणिज्य दूतावास में एक बार फिर तोड़फोड़ की गई है। 'ऑस्ट्रेलिया टुडे' की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 1:00 बजे दूतावास के मेन गेट पर लाल रंग से बनाए गए निशान दिखे।

घटना के बाद कैनबरा स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस मुद्दे को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के सामने रखा। इस दूतावास में पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय तनाव के दौरान पहले भी यहां की दीवारों पर भड़काऊ नारे लिखे गए थे।

विक्टोरिया पुलिस के प्रवक्ता ने बताया, 'हमें लगता है कि बुधवार और गुरुवार की रात के बीच किसी समय इमारत के मेन गेट पर किसी ने निशान बनाए हैं। इस नुकसान की जांच अभी जारी है।'

पुलिस ने अब तक ये नही बताया है कि किसी संदिग्ध की पहचान हुई है या नहीं। उन्होंने

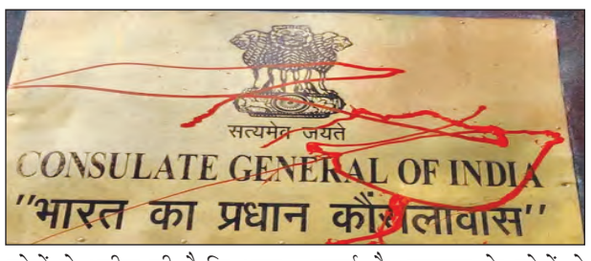

लोगों से अपील की है कि अगर किसी के पास इस घटना को लेकर कोई जानकारी हो तो आगे आएं। भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को X पोस्ट में लिखा, 'मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास की दीवारों पर शरारती तत्वों की तरफ से की गई अपमानजनक हरकत को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के साथ उठाया गया है। देश में भारतीय राजनयिक और कॉन्सुलेट बिल्डिंग के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।'

इस घटना को लेकर भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय ने चिंता जताई है। समुदाय के लोगों ने बताया कि हिंदू मंदिरों और भारतीय सरकारी इमारतों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। एक भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ने कहा, 'यह सिर्फ दीवार बनाए गए निशान नहीं हैं- यह हमारे समुदाय को डराने की एक कोशिश है।'

2023 में ऑस्ट्रेलिया के कई मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना सामने आई थी। ब्रिसबेन में स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवार को तोड़ दिया गया। साथ ही मंदिर की दीवार पर खालिस्तान के समर्थन और भारत के खिलाफ नारे लिखे गए।

ईरान के सुप्रीम लीडर का होगा गद्दाफी जैसा अंत?

अमेरिका का तानाशाहों को मारने का रहा है इतिहास, हूतियों के आका संग क्या करेंगे ट्रंप?

तेहरान, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अगले 24 घंटे में तय हो जाएगा की ईरान का मुकद्दर क्या होने वाला है। इससे भी ज्यादा अगले 24 घंटे में ये तय हो जाएगा कि ईरानी सुप्रीम लीडर सैय्यद अली होसैनी खामेनेह जिन्हें अली खामेनेई के नाम से जाना जाता है, उनकी तकदीर का क्या होगा? क्योंकि वो उस सुपरपावर अमेरिका से डील कर रहे हैं, जिसका तानाशाहों का मारने का इतिहास रहा है। शनिवार को ओमान में अमेरिका और ईरान के अधिकारियों की परमाणु समझौते पर काफी अहम बातचीत होने वाली है।

ट्रंप ने धमकी दे रखी है कि अगर ईरान परमाणु समझौते के लिए तैयार नहीं होता है तो अमेरिका उसकी परमाणु सुविधाओं पर हमला करेगा। अमेरिका ने अपने दो एयरक्राफ्ट कैरियर, जिनपर 90-90 फाइटर जेट्स, हेलीकॉप्टर्स और मिसाइलें तैनात हैं, उसे ईरान को घेरने के लिए भेज चुका है। इसके अलावा हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया द्वीप पर परमाणु बम गिराने वाले बी-2 बॉम्बर्स पहले से ही तैनात कर दिए गये हैं।

लेकिन ओमान में बातचीत शुरू होने से पहले ही इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू एक बिल्कुल अलग तरह की बातचीत कर रहे हैं। वो तेहरान के लिए लीबिया की शैली की निरस्त्रीकरण की योजना पर जोर दे रहे हैं। जिससे सवाल उठ रहे हैं कि बेंजामिन नेतन्याहू एक ऐसी रणनीति की वकालत क्यों कर रहे हैं, जिससे आखिरकार लीबिया में मुअम्मर गद्दाफी के खौफनाक क्रूर तानाशाह शासन का अंत हो गया था? क्या डोनाल्ड ट्रंप भी नेतन्याहू के इस 'कट्टरपंथी' दृष्टिकोण का समर्थन कर रहे हैं?

और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर ट्रंप, नेतन्याहू के बताए रास्ते पर कदम बढ़ाते हैं तो फिर मिडिल ईस्ट के भविष्य का क्या होगा और ईरान का क्या होगा?

तुलसी गबार्ड बोलीं- पेपर बैलेट से वोटिंग हो

ईवीएम हैक करके नतीजे बदले जा सकते हैं, सुरजेवाला बोले– चुनाव आयोग और केंद्र सरकार चुप क्यों

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठने लगे हैं। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने कहा- ईवीएम को आसानी से हैक करके चुनाव नतीजों में हेरफेर की जा सकती है। इसलिए, पूरे अमेरिका में पेपर बैलेट लागू करने की जरूरत है, ताकि मतदाता चुनाव की पारदर्शिता पर भरोसा कर सकें। उन्होंने यह बात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मौजूदगी में कही। गबार्ड का यह बयान सोशल मीडिया पर इतनी तेजी से वायरल हुआ कि अमेरिका में चुनाव सुरक्षा पर नई बहस शुरू हो गई। कई यूजर्स ने गबार्ड का समर्थन किया, वहीं कुछ ने इसे राजनीतिक एजेंडा बताया।

एक दिन पहले ही ट्रम्प ने एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी करके न्याय विभाग को निर्देश दिया था

कि वह 2020 चुनाव के दौरान पूर्व साइबर सुरक्षा प्रमुख क्रिस क्रेब्स की भूमिका की जांच करे। टेस्ला और स्पेसएक्स सीईओ एलन मस्क ने पिछले साल ईवीएम पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था- हमें ईवीएम को खत्म कर देना चाहिए।

वहीं, भारत में कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने गबार्ड की टिप्पणी पर जवाब नहीं देने पर भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) और केंद्र की भाजपा सरकार से सवाल किए। साथ ही सुप्रीम कोर्ट से इस मामले खुद से संज्ञान लेने की मांग की।

सुप्रीम कोर्ट भी ईवीएम विश्वसनीयता पर मुहर लगा चुका

5 अप्रैल 2002 : सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय चुनाव आयोग के दावों को माना कि ईवीएम में हेराफेरी की संभावना नहीं है।

8 अक्टूबर 2013 : वीवीपाट को ईवीएम के साथ अनिवार्य करने का आदेश दिया। ताकि भरोसा हो, वोट सही गया है।

2023 : अब तक ईवीएम में हैकिंग का कोई प्रमाण नहीं।

2025 : 100% वीवीपाट गिनती की मांग कोर्ट से खारिज।

ईसीआई बोला- हमारी ईवीएम दूसरे देशों से अलग, अब तक 5 करोड़ वीवीपाट से पुष्टि

तुलसी गबार्ड के अमेरिकी ईवीएम पर सवाल उठाने के बाद भारत के चुनाव आयोग ने दावा किया है कि अब तक के मतदान में 5 करोड़ से अधिक वीवीपाट की पुष्टि हो चुकी है, जो ईवीएम के वोटों से मिलान में सही पाई गईं।

यूरोप में तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका से पसरा खौफ

72 घंटे तक जान बचाने वाली सर्वाइवल किट रखने की अपील, रूस करेगा हमला?

लंदन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्रांस के बाद अब ब्रिटेन ने लोगों को 72 घंटे तक जिंदा रहने के लिए सर्वाइवल किट तैयार रखने को कहा है। ब्रिटेन सरकार की तरफ से बकायदा लोगों को इसको लेकर चेतावनी दी गई है। ब्रिटेन को डर है कि उसकी महत्वपूर्ण गैस पाइपलाइन पर हमला किया जा सकता है, जैसा 2022 में जर्मनी के नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन पर किया गया था। जिससे देश की स्थिति अचानक से खराब हो सकती है। दरअसल, ब्रिटेन को अपनी गैस का लगभग 40% हिस्सा नॉर्वे से मिलता है और इसे लैंगेलेड नामक एक विशाल 700 मील लंबी पाइपलाइन के जरिए आयात किया जाता है। यह विशालकाय पाइपलाइन नॉर्वे के गोसा द्वीप पर स्थित न्याम्ना गैस प्रसंस्करण संयंत्र से काउंटी डरहम में ईसिंगटन गैस टर्मिनल तक जाती है। अगर इसपर हमला होता है तो ब्रिटेन पहुंचने वाली 40 प्रतिशत गैस की आपूर्ति तत्काल बंद हो जाएगी।

ब्रिटेन इसलिए डरा हुआ है क्योंकि यंतर नाम के एक रूसी जासूसी जहाज को हाल के महीनों में उत्तरी सागर में ब्रिटेन के पानी के नीचे के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर नजर गड़ाए हुए देखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक रूसी जहाज यंतर, पनडुब्बी को पानी के नीचे 20,000 फीट तक भेजने में सक्षम है, जिसमें पाइपलाइनों को उड़ाने के लिए विस्फोटक भरे हुए हैं। ब्रिटिश अखबार डेलीस्टार ने सरकारी सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हम जानते हैं कि रूस, उत्तरी सागर में सक्रिय हैं और हमारे ऊर्जा संबंधों को तोड़ने की क्षमता उनके पास है।

इजराइल ने 1000 सैनिकों को नौकरी से निकाला

इन्होंने गाजा युद्ध पर सवाल उठाया था, कहा था– जंग अब राजनीतिक मकसद पूरा कर रही

तेल अवीव, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइल ने 1000 सैनिकों को नौकरी से निकाला, इन्होंने गाजा जंग पर सवाल उठाया था, कहा था- ये जंग अब राजनीतिक मकसद पूरा कर रही। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने अपने लगभग 1000 रिजर्व सैनिकों को बर्खास्त कर दिया है। इजराइल के सैन्य प्रमुख ईयार जमीर और वायु सेना ने रिजर्विस्टों को बर्खास्त करने का फैसला किया है। हालांकि अभी यह मालूम नहीं है कि ये बर्खास्तगी कब से होगी।

इन सैनिकों ने गाजा में चल रहे जंग के खिलाफ आवाज उठाई थी और बंधकों की रिहाई को प्राथमिकता देने के लिए तत्काल युद्धविराम की मांग की थी। इजराइल में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सैनिकों को इस तरह की वजह से नौकरी से निकाला गया है। बर्खास्त किए गए सैनिकों में ज्यादातर रिजर्व सैनिक हैं, जो हाल में गाजा और लेबनान में हुए

जंग में शामिल थे। इजराइल में पिछले महीने सैकड़ों वायुसेना रिजर्व सैनिकों ने कुछ इजराइली अखबारों में सरकार के नाम एक चिट्ठी प्रकाशित की थी। इसमें उन्होंने कहा था कि गाजा में चल रही जंग अब राजनीतिक हितों को पूरा कर रही है। इसका अब कोई सैन्य उद्देश्य नहीं है।

इसमें कहा गया था कि गाजा में 18 महीने से चल रही लड़ाई न तो बंधकों को बचा रही है और न ही हमास को खत्म कर पा रही है। इसके बजाय इस जंग में सैनिक, बंधक और आम नागरिक मारे जा रहे हैं। अगर जंग जारी रहा तो बंधकों, सैनिकों और निर्दोष लोगों की मौत होगी। इस चिट्ठी पर सैकड़ों रिटार्यड अधिकारियों ने दस्तखत किए थे। इसे इजराइल के कई प्रमुख अखबारों में छापा गया था। इस चिट्ठी पर हस्ताक्षर करने वालों में रिजर्व नेविगेटर अलोन गुर जैसे लोग शामिल थे, जिन्हें पहले ही बर्खास्त किया जा चुका है। इजराइली सेना ने इस चिट्ठी को 'अनुशासन' और 'सैन्य नीतियों' के खिलाफ माना है। आईडीएफ प्रवक्ता ने कहा, हमारी प्राथमिकता देश की सुरक्षा है। ऐसे समय में जब हम कई मोर्चों पर लड़ रहे हैं, इस तरह की कार्रवाइयां सैन्य एकता को कमजोर करती हैं।

इन सैनिकों को नौकरी से निकाले जाने की आलोचना शुरू हो गई है। तेल अवीव में बंधकों की रिहाई के लिए प्रदर्शन कर रहे एक कार्यकर्ता, योआव लेवी ने कहा, ये सैनिक सही कह रहे थे। युद्ध 18 महीने से चल रहा है, और 59 बंधक अभी भी गाजा में हैं। सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए थी, न कि उन्हें नौकरी से निकालना चाहिए।

ग्रीन कार्ड और एच-1बी वीजा की आस लगाए भारतीयों को झटका

अमेरिका ने जारी किया वीजा बुलेटिन

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश विभाग ने अगले महीने यानी मई 2025 का वीजा बुलेटिन जारी कर दिया है। इस बुलेटिन से एच-1बी और ग्रीन कार्ड की आस लगाए भारतीयों को झटका लगा है। बुलेटिन में बताया गया है कि भारतीयों के लिए एम्प्लॉयमेंट-बेस्ड फिफ्थ प्रेफरेंस (ईबी-5) कैटेगरी में भारी गिरावट आई है। भारत ईबी-5 अनरिजर्व्ड कैटेगरी में छह महीने से ज्यादा पीछे चला गया है। इसका मतलब है कि ग्रीन कार्ड मिलने में अब ज्यादा देरी होगी। पहले यह कैटेगरी चालू थी, जिससे भारतीय बिना किसी देरी के ग्रीन कार्ड के लिए अप्लाई कर सकते थे। अब केवल वही लोग आगे बढ़ेंगे, जिनकी प्रायोरिटी डेट 1 मई 2019 से पहले की है। बाकी आवेदक एक बड़ी होती हुई बैकलॉग में फंस जाएंगे।

मई वीजा बुलेटिन के अनुसार, एम्प्लॉयमेंट-बेस्ड फर्स्ट प्रेफरेंस (ईबी1) कैटेगरी में बदलाव नहीं हुआ है। भारत के लिए ईबी1 की कटऑफ डेट फरवरी 2022 है। चीन के लिए यह 8 नवंबर 2022 है, वहीं बाकी सभी देशों के लिए ईबी1 कैटेगरी अभी चालू है। एम्प्लॉयमेंट-बेस्ड सेकंड प्रेफरेंस (ईबी2) कैटेगरी में कोई बदलाव नहीं है।

भारत की कटऑफ डेट 1 जनवरी 2013 पर स्थिर है। चीन की ईबी2 कटऑफ डेट 1 अक्टूबर 2020 है। इनके अलावा बाकी सभी देशों के लिए ईबी2 कटऑफ 22 जून 2023 पर है। एम्प्लॉयमेंट-बेस्ड थर्ड प्रेफरेंस (ईबी3) कैटेगरी में भारत की कटऑफ डेट थोड़ी आगे बढ़कर 15 अप्रैल 2013 हो गई है। इसमें चीन के लिए कोई बदलाव नहीं है और यह नवंबर 2020 पर है।

5.5 और 5.8 रही तीव्रता, जम्मू-कश्मीर में भी कांपी धरती

इस्लामाबाद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में शनिवार को आधे घंटे के अंतराल में भूकंप के दो तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.5 और 5.8 मापी गई। पहला झटका दोपहर 12.31 बजे और दूसरा झटका एक बजे महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, दोपहर एक बजे आए भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप का असर भारत में जम्मू-कश्मीर समेत कुछ अन्य हिस्सों तक महसूस किया गया। हालांकि, अब तक भूकंप की वजह से किसी भी तरह के नुकसान की कोई जानकारी नहीं है।

इससे पहले समाचार एजेंसी पीटीआई ने राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र (एनएसएमसी) के हवाले से बताया कि पहला झटका 12.31 मिनट पर आया।

भूकंप का केंद्र रावलपिंडी से 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में जमीन की सतह से 12 किलोमीटर की गहराई में था। इसकी तीव्रता 5.5 बताई गई।

भूकंप के झटके पंजाब के अटक, चकवाल और मियांवाली जिलों और आस-पास के इलाकों में महसूस किए गए। इसके अलावा पेशावर, मर्दन, मोहमंद और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शबकदर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। पाकिस्तान में अक्सर अलग-अलग तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। सबसे घातक भूकंप 2005 में आया था, जिसमें 74,000 से अधिक लोग मारे गए थे। इससे पहले 9 अप्रैल को ताइवान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। केंद्रीय मौसम विभाग ने भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई थी।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के मुताबिक, 5.0 तीव्रता का भूकंप यिलान के दक्षिण-दक्षिणपूर्व में पूर्वोत्तर तट पर लगभग 21 किलोमीटर (12 मील) की दूरी पर आया। इसका केंद्र जमीन की सतह से 69 किलोमीटर (43 मील) गहराई में था।

चीन बोला- भारतीय दोस्तों का हमारे यहां स्वागत

इस साल अब तक 85000 इंडियन को वीजा जारी किया, कई नियमों में छूट दी

बीजिंग, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका से जारी ट्रेड वॉर के बीच चीन अपने देश में भारतीय पर्यटकों को बुलाने की लिए भरसक कोशिशों कर रहा है। भारत में चीनी दूतावास और कॉन्सुलेट्स ने 9 अप्रैल तक भारतीय नागरिकों को 85,000 से अधिक वीजा जारी किए हैं। भारत में चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने ज्यादा से ज्यादा भारतीयों से चीन आने और देश की घूमने की अपील की। उन्होंने X पर लिखा- 9 अप्रैल, 2025 तक भारत में चीनी दूतावास और कॉन्सुलेट्स ने इस साल चीन की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों को 85,000 से ज्यादा वीजा जारी किए हैं। चीन आने वाले ज्यादा से ज्यादा भारतीय दोस्तों का स्वागत है, ताकि वे सुरक्षित और दोस्ताना चीन का अनुभव कर सकें।

इससे पहले मार्च में चीनी राजदूत ने बताया था कि उनके देश ने भारतीयों को 50,000 से अधिक वीजा जारी किये हैं। फेइहोंग ने उस समय कहा था- जब वसंत में फूल खिलते हैं, हम ज्यादा से ज्यादा भारतीय दोस्तों का चीन आने और वसंत में हमारे देश अनुभव करने के लिए स्वागत करते हैं।

निर्वासन के खिलाफ अपील करेगा इजरायल विरोधी महमूद खलील

कोलंबिया विश्वविद्यालय में विरोध का मामला

वॉशिंगटन, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। बीते साल कोलंबिया विश्वविद्यालय में इजरायल विरोधी और फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले महमूद खलील को निर्वासित करने का आदेश दे दिया गया है। अब महमूद खलील के वकील ने कहा है कि वे इस आदेश को चुनौती देंगे। संघीय अप्रवासन एजेंट्स ने बीते महीने महमूद खलील को हिरासत में लिया था। उल्लेखनीय है कि महमूद खलील अमेरिका का नागरिक है और उसकी पत्नी, जो गर्भवती है, वह भी अमेरिकी नागरिक है। हिरासत में लिए जाने के बाद महमूद खलील को कोलंबिया से हजारों मील दूर लुइसियाना के जेना में स्थित हिरासत केंद्र में रखा गया है। खलील कोलंबिया यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय मामलों का छात्र है। बीते साल जब कोलंबिया यूनिवर्सिटी में गाजा के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हुए तो महमूद खलील ने ही इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक ब्लॉक पर कब्जा कर लिया था। जिसके चलते खासा हंगामा हुआ था और पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी थी। प्रदर्शन के दौरान महमूद खलील ने अपना चेहरा नहीं छिपाया और मीडिया से भी बात की, जिससे वह ट्रंप प्रशासन के निशाने पर आ गया। व्हाइट हाउस ने महमूद खलील पर आतंकियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। हालांकि अभी तक ये साबित नहीं हुआ है। 8 मार्च को खलील को पुलिस ने यूनिवर्सिटी परिसर से ही हिरासत में लिया था। खलील पर किसी कानून के उल्लंघन का आरोप नहीं है।

सरकारी इंजीनियर के बैंक लॉकर में मिला सोने का खजाना

एसीबी ने किया चौंकाने वाला खुलासा

जयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सार्वजनिक निर्माण विभाग दूदू के अधिशासी अभियंता हरिप्रसाद मीणा के दो बैंक लॉकर खोले। डीजी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि अनुसंधान अधिकारी भूपेन्द्र के नेतृत्व में टीम ने हरिप्रसाद के बैंक लॉकर खोले।

लॉकर में उसके माता-पिता के नाम से 3.74 लाख रुपए के सोने में निवेश के बिल व 90 हजार रुपए कीमत की चांदी मिली। एसीबी की जांच में सामने आया कि कुछ माह पहले इसी बैंक के लॉकर में रखे 250 ग्राम सोने के जेवर पर 14 लाख रुपए का गोल्ड लोन लिया गया था।

वहीं मानसरोवर स्थित एक बैंक से 280 ग्राम सोने पर करीब साढ़े 14 लाख रुपए का गोल्ड लोन लिया गया था। गौरतलब है कि एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर अधिशासी अभियंता हरिप्रसाद मीणा के पांच ठिकाने जगतपुरा में वीआईटी रोड यूनिक एपोरियम स्थित विला, जगतपुरा में वीआईटी रोड यूनिक न्यू टाउन स्थित विला, दौसा के लालसोट स्थित गांव बगड़ी, दूदू सरकारी कार्यालय स्थित कक्ष व दूदू स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित आवास पर सर्च किया था।

सर्च में करीब चार करोड़ रुपए की सपत्ति की जानकारी मिली थी। एसीबी को हरिप्रसाद के पास वैध आय से 199.75 प्रतिशत अधिक सपत्ति मिली। सर्च में चार लग्जरी कार व एक बाइक, 7 देशों की विदेशी मुद्रा और 6 देशों की यात्रा के सबूत सहित करोड़ों की सपत्ति की जानकारी मिली।

शारजाह पुलिस में था लॉरेंस गैंग का गुर्गा

दुबई में गैंगस्टर को देता था शरण, सीकर में दबोचा

जयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस मुख्यालय की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने गैंगस्टर लॉरेंस व रोहित गोदारा के लिए दुबई में गुर्गों को शरण देने वाले मास्टरमाइंड को सीकर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि सीकर में खुद के गांव के रहने वाले जयपुर के एक फल व्यापारी की रैकी करवाकर रंगदारी के लिए रोहित गोदारा तक उसे मोबाइल नंबर पहुंचाए थे। एजीटीएफ ने मुहाना मंडी में फल व्यपारी को रंगदारी के लिए धमकी दिलाने और पैसे मांगने के मामले में उसको गिरफ्तार किया है।

एजीटीएफ ने हाल ही गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए दुबई से डिब्बा कॉल करने के मामले में आदित्य जैन को दुबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। आरोपी को जयपुर लाकर पूछताछ की गई, जिसमें गैंग के कई गुर्गों की जानकारी सामने आई है। एजीटीएफ के एडीजी दिनेश एम.एन. ने बताया कि सीकर आने की सूचना पर रामगढ़ सेठान निवासी इलियास को सीकर से गिरफ्तार किया है।

इलियास वर्ष 2014 से यूएई के शारजाह में अलजुबेर सुपर मार्केट स्थित वलदिया बिल्डिंग में रह रहा था। वह दुबई पुलिस में स्टोरकीपर था और पुलिस के कार्ड का दुरुपयोग कर गैंग के गुर्गों की दुबई में मदद करता था। इस मामले में वह दुबई में ही दो अन्य लोगों के साथ पकड़ा जा चुका और कुछ कुछ माह पहले जमानत पर छूटा था। इतना ही नहीं किसी गैंगस्टर का इमीग्रेशन से रेड कॉर्नर नोटिस जारी होता तो वह तुरंत उसकी सूचना गैंग के आकाओं तक पहुंचा देता।

लॉरेंस, रोहित व वीरेन्द्र के कहने पर देता शरण

इलियास दुबई में गैंगस्टर लॉरेंस, रोहित व वीरेन्द्र के कहने पर गुर्गों के रहने, उन्हें सुरक्षित दूसरी जगह भेजने का काम करता था। बदले में गैंग से मोटी रकम मिलती। वह हवाला का काम भी करता था, ताकि गैंग के पैसों को इधर-उधर दिलवा सके। आरोपी दुबई में लग्जरी लाइफ जी रहा था। दुबई में एजीटीएफ के पहुंचने की सूचना पर उसने वीरेन्द्र को जानकारी दी और उसे दुबई से भगा दिया।

इलियास करता गैंग की मदद, दुबई में बदमाशों को देता शरण

भारत से भागने के बाद गैंगस्टर रोहित गोदारा, वीरेंद्र चारण व महेंद्र सारण को दुबई में लंबे समय तक शरण दी और उनके कहने पर ही हवाला का काम शुरू किया। आरोपी दो शादियां कर चुका है। पहली पत्नी ने उसके खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करवाया था। मामले में यहां पर जेल भी जा चुका है। जेल से बाहर आने के बाद वह दुबई चला गया। आरोपी ने राजस्थान, हरियाणा व पंजाब के बदमाशों को शरण देने के लिए दुबई के रोला मॉल में ठिकाना बना रखा था।

जीणमाता मंदिर के पट खुलते ही नया विवाद

वीधायक गोपाल शर्मा और राजेंद्र गुढ़ा के बीच जमकर तकरार

सीकर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पुजारियों और प्रशासन में समझौता वार्ता के बाद जीणमाता मंदिर के पट खुलने के बाद नया विवाद हो गया। जीणमाता मंदिर में पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा और विधायक गोपाल शर्मा के बीच जमकर तकरार हुई। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को खूब खरी-खरी सुनाई। गुढ़ा ने तो यहां तक कह दिया कि पंडितों के जनेऊ टूट गए और अब आप लिखित में लेने की बात कहते हो।

दरअसल, सिविल लाइंस जयपुर के विधायक गोपाल शर्मा जीणमाता मंदिर के पुजारियों से मिलने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा भी आ गए। विधायक पुजारियों से मामले की जानकारी ले रहे थे। विधायक ने पुजारियों से कहा कि आप लिखित में दो सरकार और भी सख्त एक्शन लेगी। इस पर पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने कहा कि मामले के वीडियो-फोटो पिछले कई दिनों से वायरल हो रहे है। मीडिया में पूरा मामला आ गया। अब लिखित में लेने की बात कहां से आ गई।

राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि भाजपा के राज में जीणमाता मंदिर के पुजारियों के जनेऊ तक टूट गए। पुजारियों के साथ मारपीट हुई और पुजारियों व संतों को धरने पर बैठना पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर पूर्व मंत्री व विधायक के साथ उनके समर्थकों में भी तकरार हो गई। विधायक गोपाल शर्मा ने गुढ़ा को कहा कि मैं आपकी राय नहीं ले रहा हूं। बाद में विधायक ने काफी देर तक पुजारियों से बातचीत की।

जयपुर के सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि जीणमाता मंदिर के पुजारियों से बातचीत का दौर चल रहा था। इस दौरान राजेन्द्र गुढा बीच में बोलने लगे। मैंने उनसे पूरे सम्मान से बातचीत की। मैंने पुजारियों से बातचीत कर मामले की पूरी जानकारी ली। इसके बाद गृहमंत्री, डीजीपी सहित सीकर जिले के प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत भी की है। गुढा राजनीति में नहीं आए तब से मेरा जुड़ाव जीणधाम से है। जब कोई शिकायत लिखित में होगी तभी तो एक्शन मजबूती से होगा। सरकार पूरे मामले की जांच करा रही है। मामले में जो भी दोषी होंगे सरकार उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। पूर्व राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि भाजपा सरकार में मंदिर और मंदिर के पुजारियों के साथ प्रशासन का सौतेला व्यवहार सामने आ रहा है। जीण माता में पुजारियों की जनेऊ तोड़ डाली। पुजारियों के साथ मारपीट हुई।

ओले, तेज बारिश और मेघगर्जन के साथ चमकी बिजली

आईएमडी ने 20 से ज्यादा जिलों में दे दिया आरेंज अलर्ट

उदयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले दिनों से तीखे तेवर दिखा रही गर्मी में अब कुछ नरमी देखी गई है। दोपहर में धूप तेज रही, लेकिन कुछ हद तक राहत मिली है, हवाओं ने गर्मी पर असर डाला तो पिछले दो दिन में ही दिन-रात का तापमान 4-4 डिग्री तक गिरा है। इधर देर रात मौसम का पलटवार हुआ। रात 2 बजे तेज हवाओं के साथ बिजली चमकी। वहीं जिले में कई जगह हल्की-फुल्की बारिश हुई। तेज हवाओं से शहर में कई जगह बिजली गुल हो गई।

प्रतापगढ़ जिले में आज अलसुबह मौसम ने अप्रत्याशित रूप से करवट ले ली। जिले के कई इलाकों में आज करीब सुबह 5 बजे अचानक आसमान में काले बादल छा गए और तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। शहरवासी उस समय गहरी नींद में थे, जब तेज हवाओं की सरसराहट और बादलों की गड़गड़ाहट ने सभी को चौंका दिया।

देखते ही देखते पूरे शहर में बिजली की कड़क और मेघ गर्जना के बीच तेज बारिश होने लगी।गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से प्रतापगढ़ में भीषण गर्मी का दौर जारी था। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा था। लू के थपेड़े लोगों को दिन में बाहर निकलने नहीं दे रहे थे। ऐसे में आज सुबह की बारिश ने लोगों को राहत की सांस दी है। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और वातावरण में ठंडक महसूस की जा रही है। हालांकि बारिश के साथ आई तेज आंधी ने शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति को बाधित कर दिया। कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई, जिससे लोगों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ा।

भोपालगढ़ में भी थोड़ी देर रुकने के बाद अब फिर तेज बारिश शुरू हो गई। जिससे किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। जीरे व ईसबगोल के साथ सबसे ज्यादा गेहूं की फसल में नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। ओसियां क्षेत्र के जसनाथ बाड़ी में ओले भी गिरे।

मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 23.1 डिग्री दर्ज किया गया। एक दिन पहले गुरुवार को अधिकतम 39.9 और न्यूनतम 24.6 डिग्री रहा था। लिहाजा दिन के पारे में 2.9 डिग्री और रात के पारे में 1.5 डिग्री की गिरावट आई। दो दिनों में दिन के पारे में 4.4 डिग्री और रात के पारे में 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

एसओजी की पूछताछ में बड़ा खुलासा

परीक्षा में कैसे हुआ था सौदा?

जयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में पेपर लीक व डमी अभ्यर्थी बैठाने के मामले में पकड़े गए आरोपियों से रोज नए खुलासे हो रहे हैं। आरोपियों ने जुआ खेलने की तर्ज पर एक-दूसरे से सौदा तय किया था। एसओजी की पूछताछ में सामने आया कि दलाल नरपतराम व रामनिवास के बीच एक समझौता हुआ।

समझौते के तहत दोनों पक्ष एक-दूसरे के लिए डमी अभ्यर्थी बैठाने पर तैयार हो गए। इसके अनुसार जो पक्ष परीक्षा में पास नहीं हुआ और दूसरा पक्ष परीक्षा में पास हो गया। तब पास होने वाला पक्ष फेल होने वाले पक्ष को 15 लाख रुपए देगा।

तो रामनिवास ने 7 लाख रुपए दे दिए

दलाल नरपतराम की पत्नी इंद्रा ने रामनिवास की पत्नी नारंगी की जगह रीट परीक्षा दी और उसमें नारंगी पास होकर सरकारी टीचर बन गई। जबकि रामनिवास ने एसआइ भर्ती परीक्षा-2021 में नरपतराम की जगह जैसलमेर में फतेहगढ़ के एसडीएम हनुमानाराम को डमी अभ्यर्थी बनाकर परीक्षा दिलवाई। नरपतराम ने परीक्षा पास कर ली, लेकिन साक्षात्कार में रह गया। तब नरपतराम ने रामनिवास से पत्नी की नौकरी लगने पर रुपए मांगे। तो रामनिवास ने 7 लाख रुपए दे दिए।

हरखू ने उसे 1.80 लाख रुपए ही दिए

एसओजी की पूछताछ में इंद्रा को परीक्षा में अपनी जगह डमी अभ्यर्थी बनाकर थानेदार बनी हरखू ने कहा कि दलाल से 15 लाख रुपए में सौदा तय हुआ। इसमें उसने 5 लाख रुपए दलाल को दे भी दिए। लेकिन हाल ही एसओजी की गिरफ्त में आए नरपतराम ने कहा कि हरखू ने थानेदार परीक्षा पास करने के बाद उसे 1.80 लाख रुपए ही दिए। अब एसओजी रुपए के संबंध में भी पड़ताल कर रही है।

दलाल व एसडीएम से हो रही है पूछताछ

एडीजी वी.के. सिंह ने बताया कि एएसपी चिरंजीलाल मीना के नेतृत्व में एसओजी टीम आरोपी दलाल नरपतराम व एसडीएम हनुमानाराम से पूछताछ कर रही है।

बीजेपी नेता की मौत, 6 दिन पहले हुआ था जानलेवा हमला

टूट गई थी गर्दन और रीढ़ की हड्डी

जयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले में जानलेवा हमले में घायल भाजपा नेता ऋषभ बंसल की शनिवार को जयपुर में मौत हो गई। भरतपुर के कोतवाली थाना इलाके में पुरोहित मोहल्ले में प्रोपर्टी विवाद के चलते 6 दिन पहले पड़ोसी परिवार के लोगों ने उन पर पत्थर से हमला किया था। जिससे भाजपा नेता ऋषभ बंसल के सिर पर गहरी चोट आई थी और गर्दन व रीढ़ की हड्डी टूट गई थी। बंसल का जयपुर के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। जहां आज सुबह भाजपा नेता बंसल की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में बंसल के भतीजे सौरभ बंसल ने 7 अप्रैल को कोतवाली थाने में एफआई दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया था कि 20 मार्च को पुरोहित मोहल्ला में मकान खरीदा था। 6 अप्रैल को सुबह जब यहां साफ-सफाई कर रहे थे। तभी पड़ोसी ने दावा किया कि मकान के बरामदे में हमारा भी हिस्सा है और कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया। चाचा ऋषभ बंसल जब पड़ोसी को समझाने लगे तो एक युवक ने पत्थरों से हमला कर दिया। जिससे वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। उन्हें तुरंत भरतपुर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां से गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया। पिछले 6 दिन से वे वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे, लेकिन आज सुबह उनका निधन हो गया। उनके निधन से घर में कोहराम मच गया। मुखर्जी मंडल के अध्यक्ष ऋषभ बंसल सर्राफा कारोबार से भी जुड़े थे। इस मामले में पुलिस ने अब तक एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं, अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है। जिस मकान में घटना हुई थी, उस मकान को सीज कर दिया गया है।

नए जिलों के लिए प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन की कवायद शुरू, सरकार ने कमेटी गठित की

जयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार ने नए जिलों की प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए फिर एक बार रिटायर्ड आईएएस ललित के. पंवार की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। कमेटी को 6 माह में सरकार को रिपोर्ट देनी है।

जानकारी के अनुसार यह कमेटी प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन को लेकर सरकार को अपनी अनुशंसा देगी। इसमें राजस्व विभाग ने राजस्व इकाइयों की सीमाओं या क्षेत्राधिकार में बदलाव की अनुशंसा के लिए राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन कमेटी का गठन किया है।

राजस्व विभाग द्वारा रिटायर्ड आईएएस ललित के. पंवार की अध्यक्षता में गठित कमेटी सीमाओं/क्षेत्राधिकार में बदलाव के बारे में अनुशंसा करेगी। प्रमुख सचिव राजस्व विभाग और निबंधक, राजस्व मंडल इसके सदस्य होंगे, वहीं सेवानिवृत्त आरएएस राजनारायण शर्मा जो कि कमेटी के सदस्य हैं, को कमेटी का सचिव बनाया गया है।

ये कमेटी नई राजस्व इकाइयों संबंधी मार्गदर्शी सिद्धांत बताएगी और प्रशासनिक इकाइयों की पद संरचना, उनके आकार को लेकर अनुशंसा करेगी। इसके साथ ही कार्यों के अनुपात में पदों की जरूरत के मद्देनजर प्रशासनिक इकाइयों, राजस्व न्यायालयों की पदीय संरचना की अनुशंसा करेगी। इसके लिए कमेटी संबंधित जिलों का दौरा करेगी और 6 महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी।

घर से टॉयलेट करने निकले बुजुर्ग पर भालुओं का हमला, खेत में घसीटकर मार डाला

राजसमंद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ रेंज स्थित थोरिया गांव में बुधवार तड़के दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। 75 वर्षीय बुजुर्ग सवालाल बलाई पर दो जंगली भालुओं ने उस वक्त हमला कर दिया, जब वे सुबह करीब 4 बजे टॉयलेट के लिए घर से बाहर निकले थे। भालू उन्हें घसीटते हुए खेतों की ओर ले गए और बुरी तरह नोच डाला, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

चीख-पुकार सुनकर दौड़े परिजन

घटना के वक्त बुजुर्ग की चीखें और मवेशियों की रंभाने की आवाजें सुनकर घर के लोग और पड़ोसी जाग गए। मृतक के रिश्तेदार प्रकाश, सोहनलाल, भूरालाल और प्रकाश पन्नालाल तुरंत मौके पर पहुंचे और लाठियों व टॉर्च की रोशनी से भालुओं को भगाया। लेकिन तब तक भालुओं ने सवालाल को इतनी बुरी तरह से घायल कर दिया था कि उन्होंने घर पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और शव को केलवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्च्युरी में रखवाया गया है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। केलवाड़ा पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक रोशनलाल ने मामले की पुष्टि की है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, गजपुर-अंटालिया क्षेत्र के जंगलों में पिछले 15 दिनों से लगी आग के कारण भालू सहित अन्य वन्यजीव आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आ रहे हैं। इससे ग्रामीणों और जंगली जानवरों के बीच टकराव की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। घटना के बाद थोरिया और वाली भाली बस्ती के ग्रामीणों में डर और दहशत का माहौल है। लोग प्रशासन से वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही पर रोक लगाने, रात में गश्त बढ़ाने और रात के समय शौचालय सुविधा का वैकल्पिक प्रबंध करने की मांग कर रहे हैं।

आठ साल के बच्चे के सीने में गाय का सींग आर-पार होने से मौत

जयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के रामनगरिया थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। एक दर्दनाक हादसे में एक मासूम बच्चे की जान चली गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुरलीपुरा निवासी प्रहलाद चंद का आठ वर्षीय पुत्र पिंटू कसोटिया अपने बड़े भाई राहुल के साथ स्कूल से घर लौट रहा था। दोनों मोटरसाइकिल पर सवार थे और दांतली स्थित स्कूल से दोपहर करीब 1.30 बजे घर की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे घर की तरफ आ रहे थे 200 फीट रोड पर पहुंचे, मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई। बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल काफी तेज गति में थी और अचानक सड़क के किनारे खड़ी एक गाय से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीछे बैठा पिंटू गंभीर रूप से घायल हो गया। गाय का सींग सीधे उसके सीने में घुस गया।

शादी कराने के नाम पर धोखाधड़ी, ऑनलाइन साइट की मालिक महिला ने ऐंठे 12 लाख, सदमे में मां की मौत

हनुमानगढ़, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ में शादी करने की चाहत रखने वाले एक व्यक्ति के 12 लाख रुपए डूब गए। खुद को वर-वधू जोड़ी नामक ऑनलाइन साइट की मालिक बताने वाली एक महिला ने पीड़ित से अलग-अलग समय में 12 लाख रुपए ऐंठ लिए। इस सदमे में व्यक्ति की बुजुर्ग मां की मौत हो गई। जंक्शन पुलिस थाने में कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ है।

रिपोर्ट में गुरदीप सिंह (42) पुत्र जसमेल सिंह निवासी वार्ड 44, सुरेशिया, जंक्शन ने बताया कि घर में वह और उसकी मां अकेले रहते हैं। वह मजदूरी पर चला जाता था तब पीछे से उसकी मां की देखभाल करने वाला कोई नहीं था। उसकी मां की अन्तिम इच्छा अपने पुत्र का घर बसाने की थी। इसके लिए उसने वर-वधू जोड़ी नामक ऑनलाइन साइट पर संपर्क किया, जिसमें उन्होंने मोबाइल नंबर देने के लिए पैसे जमा करने की बात कही। इ

पति ने पत्नी के प्रेमी को कुल्हाड़ी से मारकर दी मौत

झालावाड़, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। झालावाड़ के बकानी थाना क्षेत्र के दिन्याखेडी निवासी रामबाबू की हत्या के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि रामबाबू पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या करने के मामले में आरोपी मोहनलाल बैरागी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुल्हाड़ी बरामद कर ली है। वृताधिकारी हर्ष राज सिंह खरेडा ने बताया कि बकानी थाना क्षेत्र के दिन्या खेड़ी निवासी लोकेश मीणा ने झालावाड़ के बकानी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसके पिता रामबाबू 8 अप्रेल को शाम को घर से निकले थे, सूचना मिली कि वह घायल अवस्था मे राजपुरा मार्ग पर पड़ा हुआ है। जिसे गम्भीर घायल अवस्था में एसआरजी चिकित्सालय लेकर पहुचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

हरीश राव ने तेलंगाना कांग्रेस सरकार से लंबित बीएएस फंड को मंजूरी देने का किया आग्रह

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने पिछले दो वर्षों से सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध स्कूल (बीएएस) योजना के तहत धनराशि जारी करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने सरकार पर हजारों अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को अनिश्चितता में धकेलने और स्कूल प्रबंधन को वित्तीय संकट में डालने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को लिखे खुले पत्र में हरीश राव ने कहा कि सरकार की लापरवाही हाशिए पर पड़े समुदायों के 25,000 छात्रों के लिए अभिशाप बन गई है। उन्होंने बताया कि कई स्कूल भोजन और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ प्रबंधन स्कूलों को चालू रखने के लिए घर का सोना गिरवी रखने का सहारा ले रहे हैं और दुखद बात यह है कि वानापर्थी में एक स्कूल मालिक ने कथित तौर पर बढ़ते कर्ज के कारण अपनी जान ले ली।

पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश में कांग्रेस सरकार द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए शुरू की गई बीएएस योजना को बीआरएस सरकार ने 80 स्कूलों से बढ़ाकर 150 स्कूलों तक कर दिया, जिससे प्रतिवर्ष 25,000 से अधिक छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। पिछले शासन के दौरान प्रति छात्र वित्तीय सहायता को भी काफी हद तक बढ़ाया गया था, जो कि डे स्कॉलर के लिए 8,000 रुपये से बढ़कर 20,000 रुपये और हॉस्टलर्स के लिए 20,000 रुपये से बढ़कर 42,000 रुपये हो गई थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, बीआरएस सरकार ने समय पर सालाना 130 करोड़ रुपये जारी करना सुनिश्चित किया, जिससे पहली पीढ़ी के शिक्षार्थियों के लिए आईआईटी और आईआईआईटी जैसे प्रमुख संस्थानों तक पहुँच आसान हो गई।

बीआरएस नेता ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री होने के बावजूद रेवंत रेड्डी 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए इन स्कूलों को लंबित 80 करोड़ रुपये जारी करने में विफल रहे हैं और उन्होंने अब तक 2024-25 के लिए कोई धनराशि जारी नहीं की है। उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क को दी गई अपील का भी कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने बकाया भुगतान तत्काल करने तथा कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने हेतु योजना जारी रखने की मांग की।

अमेरिकी और भारतीय सैनिकों ने समुद्र तट पर किया संयुक्त लैंडिंग अभ्यास

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग 1,000 अमेरिकी और भारतीय सैन्य कर्मियों ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के काकीनाडा समुद्र तट पर बड़े पैमाने पर जल-थल लैंडिंग अभ्यास में भाग लिया। यह अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ 2025 के समापन कार्यक्रम का हिस्सा था। यह संयुक्त अमेरिकी-भारत अभ्यास मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया तत्परता पर केंद्रित था। संयुक्त यूडी-इंडिया बलों को तटीय क्षेत्र में स्थान सुरक्षित करने के साथ-साथ एक प्राकृतिक आपदा के बाद वहां एक क्षेत्रीय अस्पताल और आपूर्ति वितरण स्थल स्थापित करने का कार्य सौंपा गया था। हैदराबाद में अमेरिकी महावाणिज्यदूत जेनिफर लार्सन ने एक बयान में कहा कि हर साल यह अभ्यास पिछले अभ्यास के आधार पर होता है और नई राह खोलता है। टाइगर ट्रायम्फ जैसे अभ्यासों के माध्यम से ही अमेरिका और भारत आपसी सुरक्षा उद्देश्यों को प्राप्त करते हैं और एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र और उससे आगे का क्षेत्र सुनिश्चित करते हैं। आने वाले दिनों में अमेरिकी नौसेना के व्हिडबे द्वीप-श्रेणी के डॉक लैंडिंग जहाज यूएसएस कॉमस्टॉक (एलएसडी 45) पर एक समापन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिससे अभ्यास आधिकारिक रूप से समाप्त हो जाएगा।

टास्क फोर्स (सीटीएफ) 70 के कमांडर और अमेरिकी संयुक्त बलों के कमांडर रियर एडमिरल ग्रेग न्यूकिर्क ने कहा कि टाइगर ट्रायम्फ 2025 समुद्र तट पर उतरना, संयुक्त बलों के सभी स्तरों पर और सभी क्षेत्रों में भारतीय सशस्त्र बलों के साथ हमारे एकीकरण के स्तर में पर्याप्त लाभ का परिणाम है, साथ ही प्रभावी संयुक्त सी2 को बाहर निकालना भी इसका परिणाम है। लैंडिंग बल में कॉमस्टॉक से प्रक्षेपित असॉल्ट क्राफ्ट यूनिट (एसीयू) 5 लैंडिंग क्राफ्ट एयर कुशन (एलसीएसी) पर सवार 1 लाइट आर्मर्ड रिकोनैसेंस बटालियन के अमेरिकी मरीन शामिल थे; साथ ही उभयचर परिवहन डॉक आईएनएस जलाश्व (एल 41) से प्रक्षेपित लैंडिंग क्राफ्ट मैकेनाइज्ड (एलसीएम) पर सवार 4/8 गोरखा राइफल्स इन्फैंट्री बटालियन, 91वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के भारतीय सेना के जवान भी शामिल थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटः पर भी देख सकते हैं।

निविदा सूचना सं.14/2025
दि.11-04-2025

Pub/079

भण्डारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचनाः-

निम्न निविदाएं आनलाइन में प्रदर्शित की गयी है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे वेबसाइटः पर जाएं एवं अपने आफर्स को आनलाइन पर प्रस्तुत करें। उपरोक्त वेबसाइट में निविदा विवरण, मात्रा, पूधरा,एसडी प्रदर्शित किया गया है। मैन्युएल या भौतिक रुप से प्रस्तुत आफर्स अस्वीकार्य होंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा। इस निविदा की नियत तिथि या ड्यू डेट का निविदा बंद समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी प्रस्तावों या इनडिगेनस आफर्स के लिए, पूर्व धरोहर राशि (पूधरा), आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटः द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
30253639	एल्युमिनियम बाडी के लिए पीओएच किट
LN255510	एलएन क्लोरीन फिल्टर (एलएच एण्ड आरएच)
33251592	आर्टिक्यूलेटेड स्फेरुलिटिक रब्बर बेयरिंग
79251119	फायर रिटार्डन्ट कर्टेन फैब्रिक
31251692	ओवरहालिंग किट पार्ट नं.1168831
33251574	इलास्टोमेरिक पैड
33251104	प्राइमरी स्प्रिंग आउटर जनरेटर कार
38251016	नान-ट्रांजिशन सीबीसी के लिए योक
66255199	प्लास्सर नुसार कोन बेयरिंग की प्रोक्युरमेंट
33251414	एलएचबी के लिए प्राइमरी स्प्रिंग आउटर
38252097	बोगी सेंटर पिवोट टाप (फ्लैट टाइप)
25254582	ट्रैक्शन मोटर के लिए कार्बन ब्रश
38251219	शैन्क वेयर प्लेट सहित कुपलर बाडी

टिप्पणीः निविदा खोलने की नियत तिथिः क्रम सं. 1 व 2 दि.28-04-2025, क्रम सं.3 दि.30-04-2025, क्रम सं. 4 से 6 दि.01-05-2025, क्रम सं. 7 से 8 दि.05-05-2025, क्रम सं.9 दि.07-05-2025, क्रम सं.10 दि.08-05-2025, क्रम सं.11 दि.13-05-2025, क्रम सं.12 दि.14-05-2025, क्रम सं.13 दि.15-05-2025

शुध्दिपत्र

निविदा सूचना सं. 12/2025 दि.28-03-2025, निविदा सं.6025पीटी003, नियत तिथि या ड्यू डेट 21-04-2025, संक्षिप्त कार्य विवरण, निर्माण या मैन्युफैक्चर के लिए ठेका मूल्य तथा तत्संबंधित को आरसी फार ग्लूड जायंट्स टी-2572 पढा जाये।

उपरोक्त विवरित निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी हैं। अधिक जानकारी हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

—प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. पीसीएमइ/एससीआर/एमइसीएच/05/2025/एटीएल-आरटी दि. 9-4-2025

Pub/030380

निविदा सं. एससीआर-एमइसीएच-05-2025-एटीएल-आरटी दि. 9-4-2025 निविदा का प्रकारः कार्य निविदा(सिंगल पैकेट) कार्य विवरणः वैगन वर्कशाप/रायनपाडू पर इंडस्ट्री 4.0/रिमोट डायग्नोस्टिक फीचर्स सहित विनिर्देशन सं. सीओएफएमओडब्ल्यू/सीएनसी/एटीएल आरए 0.8/2017 नुसार, सीएनसी एक्सल टर्निंग लेथ की (टर्नकी आधार पर) आपूर्ति, स्थापना व कमीशनींग करना। विज्ञापन मूल्यःरु. 6,23,50,779.29 पूधरा या पूर्व धरोहर राशि/बोली सुरक्षाःरु. 4,61,800.00 निविदा दस्तावेज मूल्यःरु. शून्य निविदा बंद करने की तिथि/समयः30.04.2025 के 15.00 बजे निविदा खोलने की तिथि/समयः समयः30.04.2025 के 15.30 बजे आफर की वैधताः 45 दिन कार्य पूरा करने की अवधिः स्वीकृति पत्र(एलओए) को जारी करने की तिथि से लेकर 10 महिने, चीफ टेक्नालाजी आफिसर एण्ड सीएमइ/पीएलजी-द्वारा आमंत्रित

—प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. पीसीएमइ/ एससीआर/ एमइसीएच/ 06/2025/ डब्ल्यूपी-आरटी दि. 10-4-2025

Pub/030381

निविदा सं. पीसीएमइ-एससीआर-एमइसीएच-06-2025-डब्ल्यूपी-आरटी दि. 10-4-2025 निविदा का प्रकारः कार्य निविदा(सिंगल पैकेट) कार्य विवरणः वैगन वर्कशाप/रायनपाडू पर इंडस्ट्री 4.0/रिमोट डायग्नोस्टिक फीचर्स सहित विनिर्देशन सं.सीओएफएमओडब्ल्यू/ डब्ल्यूपी/500/2021 रेवो नुसार, कम्पुटर आधारित मीजरींग एण्ड रेकार्डिंग सिस्टम सहित व्हील प्रेस क्षमता 500 टन की (टर्नकी आधार पर) आपूर्ति, स्थापना व कमीशनींग करना। विज्ञापन मूल्यःरु. 2,65,39,556.83 पूधरा या पूर्व धरोहर राशि/बोली सुरक्षाःरु. 2,82,700.00 निविदा दस्तावेज मूल्यःरु. शून्य निविदा बंद करने की तिथि/समयः02.05.2025 के 15.00 बजे निविदा खोलने की तिथि/समयः समयः02.05.2025 के 15.30 बजे आफर की वैधताः 45 दिन कार्य पूरा करने की अवधिः स्वीकृति पत्र(एलओए) को जारी करने की तिथि से लेकर 10 महिने, चीफ टेक्नालाजी आफिसर एण्ड सीएमइ/पीएलजी-द्वारा आमंत्रित

—प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. 22 से 23_डीआरएम _डब्ल्यू_एचवायबी _25 दि.10-04-2025

Pub/030377

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्युरमेंट के माध्यम से दि. 2-5-2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. 22 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _25
कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः एसएलजीडी, सेक्टर-। एण्ड एनएलजीडी के क्षेत्राधिकार के तहत स्टाफ क्वार्टर्स अर्थात कोर्ट यार्ड, एक्सटीरीयर सरफेसेज, शौचालयों, रसोई घर, रूफ लीकेजेस, एप्रोचेस, दरवाजों, खिडकियों, पार्किंग शेड्स, ड्रेनेजेस, फ्लूरिंग व किचन के कपवोड्र्स का सुधार कार्य। **अनुमानित मूल्यःरु.** 2,65,00,309.00 **पूधरा या पूर्व धरोहर राशि रु.**2,82,500.00

निविदा सं. 23 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _25
कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः 1)एसएसइ/डब्ल्यू/सीकेएल के क्षेत्राधिकार के तहत बोईगुडा में सुपरवाईजर रेस्ट हाउस एवम् डोर्मिटोरी का प्रस्तावित सुधार कार्य। 2) एसएसइ/डब्ल्यू/जीओसी के क्षेत्राधिकार के तहत लान्सर लाइन्स पर स्थित ट्रांजिट अकामडेशन (जी+3 फ्लूर्स) जोगुलांबा तथा सरस्वती पर लिफ्ट का प्रावधान। **अनुमानित मूल्यःरु.**.1,49,61,248.00 **पूधरा या पूर्व धरोहर राशि रु.**2,24,800.00

A0460 **—वरिष्ठ डीइएन/को-आर्ड./हैदराबाद**

निविदा नियम शर्तों/ अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https:// अथवा देखें।

मीर आलम टैंक पर 2.5 किमी लंबा सस्पेंशन ब्रिज बनाने की योजना

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए मीर आलम टैंक में 3 द्वीप जैसे क्षेत्रों को विकसित करने की योजना बना रही है, इसके अलावा मीर आलम टैंक पर 2.5 किमी लंबा सस्पेंशन ब्रिज भी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि तीनों द्वीप क्षेत्रों को सिंगापुर गार्डन की तर्ज पर विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए उपयुक्त कन्वेंशन सेंटर, एडवेंचर पार्क, रिसॉर्ट और होटल बनाए जाने चाहिए, ताकि पर्यटकों को मूसी नदी में बोटिंग के साथ ठहरने की सुविधा मिल सके। एक बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत द्वीप क्षेत्रों के विकास के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। मुसी कायाकल्प परियोजना के कामों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए उन्होंने मीर आलम टैंक पर बनने वाले पुल और बापूघाट पर विकसित की जाने वाली गांधी सरोवर परियोजना के डिजाइन की जांच की।

काश्तकारों को दी जाए इनपुट सब्सिडीजिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई उन्हें दी जाए मुफ्त बीज : हरीश

सिद्दीपेट, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने सरकार से सिद्दीपेट जिले में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त हुए काश्तकारों को इनपुट सब्सिडी देने की मांग की। शनिवार को नांगनूर मंडल के राजगोपालपेट में बारिश के कारण क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए राव ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में यह आश्वासन देकर आई थी कि वह काश्तकारों को भी किसानों के समान रैतु भरोसा, रैतु भीमा और कई अन्य लाभ प्रदान करेगी।

उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि सत्ता में आने के डेढ़ साल बाद भी वह इनमें से कोई भी वादा पूरा करने में विफल रही है। राव ने सरकार से मांग की कि वह आने वाले वनकालम सीजन के लिए उन किसानों को मुफ्त बीज वितरित करे जिनकी फसलें इस साल ओलावृष्टि के कारण बर्बाद हो गई हैं।

सरकार पर किसान कल्याण के प्रति कोई प्रतिबद्धता न होने का आरोप लगाते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि सरकार पिछले यासंगी के दौरान जिले में 1,350 एकड़ में फसल बर्बाद होने वाले किसानों को इनपुट सब्सिडी जारी करने में विफल रही है। उन्होंने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें सही जवाब नहीं मिल पाया।

राव ने कहा कि रायतु भीमा चेक जारी करना भी सरकार को ज्ञात कारणों से तीन महीने से अधिक समय से लंबित पड़ा है, जिसे बीआरएस सरकार किसानों की मृत्यु के एक सप्ताह के भीतर निपटा देती थी। पूर्व मंत्री ने कहा कि किसानों के एक बड़े हिस्से के लिए रैतु भरोसा और ऋण माफी लंबित है। उन्होंने कहा कि नांगनूर मंडल के किसान गुरुवार को बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं क्योंकि पूरे जिले में 10,000 एकड़ में से 11 गांवों में 5,000 एकड़ से अधिक फसलें बर्बाद हो गई हैं। राव ने सरकार से बिना किसी देरी के किसानों को इनपुट सब्सिडी जारी करने की मांग की।

आप और हम द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग 40 वर्ष पूर्व राजस्थानी व हरियाणा समाज बंधुओ द्वारा गठित सशक्त सामाजिक संस्था आप और हम द्वारा अपने सेवा कार्यों के सहायतार्थ रविवार 12 अप्रैल को 7:30 बजे से अखिल भारतवर्षीय हास्य, वीर एवं श्रृंगार रस प्रधान का कवि सम्मेलन, लकड़ी का पुल स्थित एफटीसीसीआई हाल, रेड हिल्स में आयोजित किया जाएगा।

उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि सभी आमंत्रित कवियों का आगमन निश्चित हो चुका है। कार्यक्रम निर्धारित समय 7:30 बजे प्रारंभ हो जाएगा। इससे पूर्व सांय 6:30 बजे से सभी दर्शकों एवं अतिथियों के लिए सहभोज का आयोजन होगा।

जिसके प्रायोजक रणजीत मल नवरतनमल गुंदेचा परिवार होंगे।संस्था के अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत ने बताया कि कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में विनोद अग्रवाल (एम पी एल ग्रुप), विशेष अतिथि के रूप में श्याम सुंदर बाहेती (बाहेती स्टील) गौतम सहलोत, सूर्य प्रकाश नाबरिया, विनोद कीमती, सोहनलाल बिश्नोई, श्याम सुंदर लोया, सावल पटेल, मोतीलाल भलगट, वसंत कुमार बाफना, हिमांशु बाफना, कमल किशोर काबरा, माणकचंद पोकरणा, कांतिलाल नाहर, मनोज तातेड, रामचंद्र कुमावत, शंकर लाल सीरवी, शिवदान बिश्नोई, निर्मल कुमार सिंघवी, धर्मीचंद भंडारी, तथा सम्मानित अतिथि रणजीत मल गुंदेचा एवं नवरतनमल गुंदेचा रहेंगे ।कार्यक्रम के प्रायोजक महावीर प्रसाद कुमावत (मयूर पान हाउस) गौतम सहलोत (शिवराज लक्ष्मी चंद जैन ज्वैलर्स) सुरेंद्र कुमार संदीप कुमार पीपाड़ा (मोहन मोटर्स- अमीरपेट) कमल किशोर काबरा (काबरा टायर्स मार्केटिंग-सिद्दीअंबर बाजार) सूर्य प्रकाश नाबरिया (एस पी केमिकल्स) तथा कार्यक्रम सहयोगी के रूप में महेंद्र कुमार पारख, मनोज कुमार राकेश कुमार तातेड, मनोज कुमार सालेचा आदि के नाम उल्लेखनीय हैं ।संस्था के मंत्री सोहनसिंह राजपुरोहित कार्यवाहक कोषाध्यक्ष रामकिशोर भडलीवाल, सहसंयोजक जितेंद्र विजयवर्गीय, दीपक दयाल दादू, नारायण लाल घोड़ावत, सुरेश कुमार बोरावड़ एवं रिंकू गर्ग ने सभी आमंत्रित प्रवेश पत्र धारियों से निवेदन किया है कि वे कार्यक्रम से पूर्व 6:30 बजे सहभोज का लाभ उठाएं।

आधी रात को हुई हत्या से दहल गया नलगोंडा शहर

नलगोंडा, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा शहर के रामगिरी इलाके में शुक्रवार देर रात अज्ञात हमलावरों के एक गिरोह ने मणिकांता लेजर कलर लैब और स्टूडियो के मालिक की हत्या कर दी। यह अपराध टू टाउन पुलिस स्टेशन के पास हुआ। चाकूओं से लैस नकाबपोश हमलावरों ने कलर लैब के मालिक 37 वर्षीय सुरेश पर हमला किया और चाकूओं से ताबड़तोड़ वार किए। बचने के लिए उसने लैब के पिछले कमरे में छिपने की कोशिश की लेकिन हमलावरों ने कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसकर उसे मार डाला।

डीएसपी शिवराम रेड्डी के नेतृत्व में पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच शुरू की। वे हत्या के पीछे के सच को उजागर करने के लिए पारिवारिक विवाद या पुरानी दुश्मनी सहित संभावित उद्देश्यों की तलाश करते हुए सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं।

आराम घर चौरस्ता स्थित श्री सर्व मनोकामना पूर्ति हनुमान मंदिर में आयोजित हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज सेवक गोपाल बलदवा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो कर पुजारी पंडित गणेश जोशी से पूजा अर्चना कराई।

हनुमान जयंती पर कोसलवाडी बेगम बाजार स्थिति श्री लाल बाबा हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। अवसर पर एएमसी बोइनपल्ली के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार ए. गौतम जैन, पी. राजेंद्र यादव,गजानन चौधरी, रघुनंदन गोप, प्रेम चंद मुणोत, आदि ने भी धर्मसेवा का लाभ लिया।

श्री हनुमान जी जन्मोत्सव के पर राकेश जयसवाल नगरसेवक जामबाग ने मौजमजाही जंक्शन पर क्रेन की सहायता से हनुमान जी की विशाल मूर्ति की फूलों से पूजा, अभिषेक और आरती की। प्रसाद वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में अमर सिंह, श्रीनिवास यादव, काजल, अनिल यादव, रामकृष्ण, नरसिंह, संदीप, रवि, शरद और भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

सरकारी अधिकारी बनकर घूमने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सैफाबाद पुलिस ने एक व्यक्ति को सरकारी अधिकारी बनकर अवैध रूप से 'टीएस सचिवालय, सरकारी ड्यूटी पर' लिखा स्टीकर इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अट्टापुर निवासी एमए समीर शुक्रवार को खुद को सरकारी अधिकारी बताकर तेलंगाना सचिवालय में घुसा। विशेष सुरक्षा बल (एसपीएफ) को उसकी हरकतों पर शक हुआ और जब वह सचिवालय परिसर से बाहर निकल रहा था, तो उन्होंने उसे रोककर उसका पहचान पत्र चेक किया। वह सुरक्षाकर्मियों को कोई पहचान पत्र दिखाने में विफल रहा। समीर कोई सरकारी अधिकारी नहीं था और वह सुरक्षाकर्मियों को धोखा देने के लिए कार पर लगे स्टिकर का इस्तेमाल कर रहा था। हालांकि, उसकी पत्नी सचिवालय में आउटसोर्सिंग कर्मचारी के तौर पर काम कर रही थी। सचिवालय के सुरक्षाकर्मियों ने समीर को सैफाबाद पुलिस को सौंप दिया, जिन्होंने एसपीएफ अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया। समीर ने सैफाबाद पुलिस के समक्ष स्वीकार किया कि वह सचिवालय में 'पेहरविकारी' का काम करता था और अक्सर किसी न किसी काम से वहां आता-जाता रहता था।

शरबत पिलाकर दी गर्मी से राहत

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन ने हनुमान जयंती के अवसर पर सिकंदराबाद गणेश मंदिर के पास राहगीरों को ठंडा शरबत पिलाकर गर्मी से राहत दिलाने का कार्य किया। बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष, हरे राम सिंह, उपाध्यक्ष, उत्तम यादव एवं कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य ,कोषाध्यक्ष, विनोद गुप्ता, हरेराम यादव, दीपक यादव, दिलीप यादव, गोपाल भगत, जितेंद्र गुप्ता, जितेंद्र यादव, निरंजन यादव, सुनील यादव, बिजेंद्र गुप्ता निरंजन कुमार, गंगाधर, बालकिशन यादव,रविंद्र भगत, संजय भगत,गोविंद यादव इत्यादि ने अपनी सेवायें दी।

श्री हनुमान जन्मोत्सव समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महेश्वरम स्थित श्री अभयांजनेय स्वामी देवस्थानम श्री कोदंडा रामालयम में भोलाराम पंवार परिवार की ओर से हनुमान जन्मोत्सव महापर्व में क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया गया। सभी भक्तों ने हनुमान जी के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।

भोलाराम पंवार, इंदिरा देवी पवार, कमलेश पवार, नीतू पंवार, दिव्या पंवार, राजूराम , निरमा देवी, भावेश गौतम, जय राम भावेश का सराहनीय सहयोग रहा।

विशेष उपस्थिति राजस्थान जोधपुर से पधारे वेनाराम चौधरी,सीरवी समाज शमशाबाद बडेर अध्यक्षः आसाराम गहलोत,उपाध्यक्षः चेलाराम ,तेजाराम,पूर्व महिला मंडल अध्यक्ष तीजा देवी आदि की रही।

रेत खनन और परिवहन के आरोप में 12 गिरफ्तार

आदिलाबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जयनाथ मंडल के सांगवी गांव में पेंगंगा नदी से रेत खनन और परिवहन के आरोप में एक दर्जन लोगों पर मामला दर्ज किया गया। तीन ट्रक और एक अर्थमूवर जब्त किया गया। आदिलाबाद के डीएसपी एल जीवन रेड्डी ने एक बयान में कहा कि गंगाधर, शेख मोसिन, वेंकटेश, सतीश, वंगाला तिरुपति रेड्डी, राकेश रेड्डी, कोंडा लक्ष्मण, ज्ञानेश्वर, पेंडुर गणेश, पेंडुर माधव, नागुला नरेश और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ सक्षम अधिकारियों से पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना नदी से रेत का खनन और परिवहन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

जीवन रेड्डी ने चेतावनी दी कि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने वालों और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जयनाथ इंस्पेक्टर डी. साईनाथ, सब-इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम, स्टाफ शिवाजी, नरसिंह और मनोज ने एक गुप्त सूचना के आधार पर नदी में कुछ स्थानों पर छापेमारी की और पाया कि रेत का खनन और परिवहन किया जा रहा था।

कुछ खिलाड़ी आईपीएल के लायक नहीं

सीएसके की हार के बाद डेल स्टेन ने धोनी पर साधा निशाना?

चेन्नई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। 5 बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल 2025 में अब तक का प्रदर्शन बेहद साधारण रहा है. वो लगातार 4 मुकाबले हार चुकी है. महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 11 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके बाद से डेल स्टेन का एक पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ी आईपीएल के लायक नहीं हैं. उन्हें इस लीग में नहीं होना चाहिए. ऐसा दावा किया जा रहा है कि स्टेन ने इसके जरिए चेन्नई सुपर किंग्स के कुछ प्लेयर्स समेत धोनी को निशाना बनाया है. लेकिन इसकी सच्चाई क्या है? चलिए हम आपको बताते हैं.

क्या स्टेन ने सीएसके और धोनी पर साधा निशाना?

दरअसल, डेल स्टेन का वायरल पोस्ट 11 अप्रैल का है. उन्होंने चेन्नई और कोलकाता के मुकाबले से पहले ही ये बातें कही थीं. इसके अलावा उन्होंने अपने पोस्ट में किसी भी टीम या खिलाड़ी का नाम नहीं लिखा है. हालांकि, कोलकाता से हारने के बाद फैंस इसे चेन्नई सुपर किंग्स और धोनी से जोड़कर देख रहे हैं. क्योंकि सीएसके के बल्लेबाज और गेंदबाज इस सीजन पूरी तरह फ्लॉप रहे हैं. एक तरफ जहां दूसरी टीमों ने पावरप्ले में तूफानी बैटिंग की है. वहीं चेन्नई ने धीमी शुरुआत की है और वो बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रहे.

मिडिल ऑर्डर में विजय शंकर, शिवम दुबे के अलावा धोनी भी अंत में अपनी छाप छोड़ने में असफल रहे. धोनी पहले की तरह अपनी टीम के लिए कोई भी मैच जीत पर फिनिश नहीं कर सके हैं. इसके अलावा रवींद्र जडेजा और आर अश्विन जैसे दिग्गज गेंदबाजों के होते हुए टीम की गेंदबाजी साधारण रही है. यही वजह है कि फैंस स्टेन के पोस्ट को सीएसके से जोड़ रहे हैं. हालांकि, कुछ फैंस ऐसे भी थे, जिन्होंने इस सीजन फ्लॉप चल रहे ऋषभ पंत और रोहित शर्मा जैसे दूसरे खिलाड़ियों का नाम लिया.

सीएसके का प्लेऑफ में जाना मुश्किल

आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में सीएसके की टीम फिलहाल 6 मैचों में 1 जीत और 2 अंक के साथ 9वें नंबर पर हैं. उसका नेट रन रेट माइनस 1.554 है. हालांकि वह इस खराब प्रदर्शन के बाद भी प्लेऑफ की रेस से बाहर नहीं हुई है. लेकिन प्लेऑफ में पहुंचना सीएसके के लिए किसी करिश्मे से कम नहीं होने वाला है. बता दें, आईपीएल के लीग स्टेज में सभी टीमों 14-14 मैच खेलती हैं, ऐसे में सीएसके के अभी भी 8 मैच बचे हुए हैं.

अगर टीम इन बचे हुए मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करती है तभी सीजन में वापसी कर सकती है. पहले के सीजन में देखा गया है कि औसतन 7 या 8 मैच जीतने वाली टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर जाती हैं. इस हिसाब से चेन्नई को बचे हुए 8 मैचों में कम से कम 6 या 7 मैच जीतने होंगे. इसलिए उसका फिलहाल प्लेऑफ में जाना मुश्किल लग रहा है.

लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुजरात टाइटन्स को 6 विकटों से हराया

लखनऊ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ सुपरजायंट्स ने गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से हरा दिया है। इकाना स्टेडियम में गुजरात ने 6 विकेट खोकर 180 रन बनाए। लखनऊ ने 4 ही विकेट के नुकसान पर 20वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। निकोलस पूरन ने 61 और ऐडन मार्करम ने 58 रन बनाए। शार्दूल ठाकुर और रवि बिश्नोई ने 2-2 विकेट लिए।

गुजरात से साई सुदर्शन ने 58 और कप्तान शुभमन गिल ने 60 रन बनाए। प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट लिए। लखनऊ को 6 मैचों में चौथी जीत मिली। वहीं गुजरात ने लगातार 4 जीत के बाद मैच गंवाया। दोनों ही टीमों के 8-8 पॉइंट्स हैं।

19वें ओवर में लखनऊ ने चौथा विकेट भी गंवा दिया। वॉशिंगटन सुंदर ने डेविड मिलर को बोल्ड किया। मिलर ने 7 रन बनाए।

16वें ओवर में लखनऊ ने तीसरा विकेट गंवाया। राशिद खान ने निकोलस पूरन को लॉन्ग ऑन पोजिशन पर कैच कराया। पूरन ने 34 गेंद पर 61 रन बनाए।

निकोलस पूरन ने 23 गेंद पर फिफ्टी लगा दी। उन्होंने मोहम्मद सिराज के खिलाफ चौका लगाया और हाफ सेंचुरी पूरी कर दी।

प्रसिद्ध को दूसरा विकेट

लखनऊ ने 12वें ओवर में दूसरा विकेट गंवा दिया। प्रसिद्ध कृष्णा ने ओवर की पहली बॉल पर ऐडन मार्करम को कैच कराया। मार्करम ने 31 गेंद पर 58 रन बनाए।

लखनऊ के ओपनर ऐडन मार्करम ने फिफ्टी लगा दी। उन्होंने ऋषभ पंत के साथ 61 रन जोड़े फिर निकोलस पूरन के साथ मिलकर टीम को 100 रन के पार भी पहुंचाया। उन्होंने 26 गेंद पर हाफ सेंचुरी लगाई।

लखनऊ ने 7वें ओवर में पहला विकेट गंवाया। प्रसिद्ध कृष्णा ने ओवर की दूसरी गेंद पर ऋषभ पंत को कैच कराया। पंत ने 18 गेंद पर 4 चौके लगाकर 21 रन बनाए।

आईपीएल 2025 के बीच सग्लेन फिलिप्स ने छोड़ दी अपनी टीम

अचानक लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में अभी तक 25 मुकाबले खेले जा चुके हैं. इसी बीच एक टीम को बड़ा झटका लगा है. इस टीम का एक स्टार खिलाड़ी अचानक घर लौट गया है. यानी ये खिलाड़ी इस सीजन में अब अपनी टीम का हिस्सा नहीं होगा. इस खिलाड़ी को हाल ही में फिल्डिंग के दौरान चोट लगी थी. इस चोट के चलते इस वह टीम से अलग हुआ है.

स्टार खिलाड़ी ने अचानक छोड़ दी अपनी टीम

न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने गुजरात टाइटंस टीम छोड़ दी है. वह अपने देश वापस लौट गए हैं. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड जल्द ही आधिकारिक ऐलान कर सकता है. ग्लेन फिलिप्स को गुजरात टाइटंस ने मेगा ऑक्शन में करोड़ रुपए में खरीदा था. लेकिन वह एक भी मैच में टीम की प्लेइंग 11 में नहीं चुने गए. बता दें, शुभमन गिल की टीम को शनिवार (12 अप्रैल) दोपहर को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ मुकाबला खेलना है. ऐसे में टीम के लिए ये एक बड़ा झटका है.

6 अप्रैल को लगी थी चोट

6 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में गुजरात टाइटंस के लिए फील्डिंग करते हुए ग्लेन फिलिप्स चोटिल हो गए थे. इस मुकाबले में फिलिप्स गुजरात के लिए सब्सीट्यूट के तौर पर मैदान पर उतरे थे. लेकिन एक थ्रो करने की कोशिश में उनके मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था. इसके बाद उन्हें अपने साथी खिलाड़ियों के कंधे का सहारा लेकर मैदान से बाहर जाना पड़ा था. इस चोट के बाद से ही वह टीम की प्रैक्टिस में भी नजर नहीं आ रहे थे. ग्लेन फिलिप्स के जाने से गुजरात की टेंशन बढ़ गई है. उनसे पहले कगिसो रबाडा भी साउथ अफ्रीका लौट गए थे. अभी तक इस बारे में कोई अपडेट नहीं है कि वह टीम में कब शामिल होंगे. ऐसे में गुजरात की टीम के पास फिलहाल पांच विदेशी खिलाड़ी ही मौजूद हैं. जिसमें जोस बटलर, शेरफेन रदरफोर्ड, राशिद खान, गेराल्ड कोएट्जी और करीम जनत का नाम सामिल है. हालांकि, टीम फिलहाल अच्छी फॉर्म में है. वह 5 मैचों में 4 जीत के साथ टॉप पर बनी हुई है.

भारत ने जीता लगातार तीसरा मैच

वैदेही-श्रीवल्ली के दम पर चीनी ताइपे को हराया

पुणे, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। युवा श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने चीनी ताइपे को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और बिली जीन किंग कप एशिया-ओशनिया ग्रुप एक में प्ले-ऑफ स्थान की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया।

इस जीत से भारत अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वैदेही ने फेंग एन लिन को हराकर दो मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। वैदेही ने दो घंटे नौ मिनट में 6-2, 5-7, 6-4 से जीत दर्ज कर मेजबान टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे मैच में श्रीवल्ली ने टूर्नामेंट में अपना बेहतरीन रिकॉर्ड कायम रखा और दुनिया की 207वीं रैंकिंग वाली जोआना गारलैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में लगातार चौथी जीत दर्ज की।

304वीं रैंकिंग वाली श्रीवल्ली ने दो घंटे 38 मिनट में 6-2, 7-6 (7-3) के स्कोर के साथ मुकाबला अपने नाम कर मेजबान टीम के लिए बराबरी सुनिश्चित कर दी। दिन के अंतिम मैच में चीनी ताइपे की युगल जोड़ी यी त्सेन चो और फैंग-हसीन वू ने सुपर टाई-ब्रेक में एक घंटे 31 मिनट में अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की भारतीय जोड़ी को 2-6, 6-4, 6-10 से हराया। भारत शनिवार को कोरिया गणराज्य के खिलाफ जीत के साथ अपने क्वालीफिकेशन स्थान को पक्का करना चाहेगा।

एरिगैसी को फिर मिली हार, फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में नेपोमनियाचची से हारे

पेरिस, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी को यहां चल रहे फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में पांचवें से नौवें स्थान के टाईब्रेक के शुरुआती गेम में इयान नेपोमनियाचची ने हरा दिया।

जर्मनी के युवा ग्रैंडमास्टर विन्सेंट कीमर ने पहले दौर के टाईब्रेकर में नेपोमनियाचची को हराकर सराहनीय प्रदर्शन किया। इस साल की शुरुआत में जर्मनी में आयोजित पहले ग्रैंड स्लैम के विजेता कीमर ने अमेरिकी स्टार हिकारू नाकामुरा को काले मोहरों से ड्रॉ पर रोककर प्रभावित करना जारी रखा।

भारत की उम्मीदें क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गईं थीं, लेकिन अर्जुन ने नेपोमनियाचची के खिलाफ कुछ अच्छी चाल चलीं। लेकिन रूस का खिलाड़ी काफी संयमित होकर खेला। मैग्नस कार्लसन को अमेरिकी फैबियानो कारुआना ने ड्रॉ पर रोका जबकि नाकामुरा ने कीमर के साथ अंक बांटे।

'बीएफआई के चुनाव जल्द से जल्द करवाएं'

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का खेल मंत्रालय को निर्देश

शिमला, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने खेल मंत्रालय के पर्यवेक्षक और निर्वाचन अधिकारी को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनाव जल्द से जल्द करवाने का निर्देश दिया है।

विश्व संचालन संस्था द्वारा महासंघ के मामलों की देखरेख के लिए अंतरिम समिति गठित करने के कुछ ही दिन बाद यह फैसला सुनाया गया। उच्च न्यायालय ने निर्वाचन अधिकारी आर.के. गौबा और मंत्रालय के पर्यवेक्षक मयंक श्रीवास्तव की आलोचना की जो अपने पहले के आदेश के अनुसार चुनाव कराने में विफल रहे। वह खेलो इंडिया डिवीजन के भारतीय खेल प्राधिकरण के उप महानिदेशक (डीडीजी) हैं।

उच्च न्यायालय ने निर्वाचन अधिकारी और मंत्रालय के पर्यवेक्षक से 28 अप्रैल से पहले नया चुनाव कार्यक्रम जारी करने को कहा था, इसी दिन मामले की फिर से सुनवाई होनी है।

कंपाउंड मिश्रित टीम का जलवा, तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में भारत का तीसरा पदक पक्का

ऑबर्नडेल, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव की कंपाउंड मिश्रित टीम ने स्लोवेनिया को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया जिसके बाद भारत ने तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में अपना तीसरा पदक पक्का कर लिया।

ज्योति और ऋषभ ने शुरुआती दौर में स्पेन (156-149) को, क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क (156-154) को हराया और फिर अंतिम-चार दौर में स्लोवेनिया (159-155) को हराया। अब वे शनिवार को फाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेंगे। धीरज बोम्मादेवरा वीजा संबंधी समस्याओं के कारण प्रतियोगिता से कुछ घंटे पहले ही अमेरिका पहुंचे थे। उन्होंने शानदार संयम दिखाया और बृहस्पतिवार को भारतीय पुरुष रिकर्व टीम को फाइनल में पहुंचाया।

पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ी तरुणदीप राय और अतनु दास भी शामिल हैं। टीम ने स्पेन को 6-2 से हराकर देश को सत्र के पहले विश्व कप में दूसरा पदक दिलाया। भारत अब रविवार को स्वर्ण पदक के लिए तीसरी वरीयता प्राप्त चीन से भिड़ेगा। भारत ने बुधवार को कंपाउंड पुरुष टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना खाता खोला था।

निशानेबाजी विश्व कप में लक्ष्य और नीरू की जोड़ी पदक से चूकी

भारत ने जीते कुल आठ पदक

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ष के पहले आईएसएसएफ विश्व कप में राइफल, पिस्टल और शॉटगन शूटरों की बदौलत भारत को दूसरा स्थान मिला। ट्रैप में लक्ष्य श्योराण और नीरू एक अंक से पदक से वंचित हो गए।

एक दिन पहले सुरूचि सिंह और सौरभ चौधरी ने एयर पिस्टल की मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक मिला था। भारत ने कुल आठ पदक जीते जिनमें चार स्वर्ण,दो रजत और इतने ही कांस्य पदक शामिल हैं।

चीन 11 पदकों के साथ पहले स्थान पर रहा। भारत के लिए सिफत कौर सामरा ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन, रूद्रांक्ष पाटिल (10 मीटर एयर राइफल), सुरुचि (10 मीटर एयर पिस्टल) और विजयवीर सिद्धू ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीते। ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में रजत पदक जीता। चैन सिंह ने थ्री पोजीशन में कांस्य और सौरभ चौधरी ने दो साल बाद पदक जीता। जोरावर सिंह सिद्धू ट्रैप में सातवें स्थान पर रहे। टीम अब लिमा जाएगी जहां दूसरे चरण का विश्व कप होगा।

अफसोस है कि मैं इंग्लिश नहीं बोल सकता इसलिए रिजवान ने दिया जवाब

इस्लामाबाद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान का अक्सर उनकी खराब अंग्रेजी को लेकर सोशल मीडिया पर मजाक बनाया जाता है। हालांकि इसको लेकर रिजवान का कहना है कि उनको इस बात से कोई शर्मिंदगी नहीं होती और न कोई फर्क पड़ता।

12 अप्रैल से पाकिस्तान सुपर लीग की शुरुआत हो चुकी है। इस टूर्नामेंट से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए रिजवान ने अपनी खराब इंग्लिश को लेकर भी जवाब दिया है।

अपनी खराब इंग्लिश पर क्या बोले रिजवान?

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोहम्मद रिजवान ने कहा "मुझे ट्रोलर्स की परवाह नहीं है।

मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, मुझे अंग्रेजी बोलना नहीं आता। मैं यहाँ क्रिकेट खेलने आया हूं, मैं यहां अंग्रेजी सिखाने नहीं आया हूं। मेरा देश मुझसे क्रिकेट की मांग करता है, अल्हम्दुलिल्लाह। मेरे पास अंग्रेजी सीखने का समय नहीं है।"

आगे रिजवान ने कहा "मुझे सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की परवाह नहीं है। मुझे एक बात पर गर्व है और वह यह कि मैं जो भी कहता हूं, दिल से कहता हूं। मुझे अंग्रेजी नहीं आती। मुझे एकमात्र अफसोस इस बात का है कि मुझे पर्याप्त शिक्षा नहीं मिली।"

मुल्तान सुल्तान्स की कप्तानी कर रहे रिजवान

पीएसएल 2025 की शुरुआत हो गई है। इस टूर्नामेंट में मोहम्मद रिजवान मुल्तान सुल्तान्स टीम की कप्तानी कर रहे हैं। इससे पहले रिजवान की कप्तानी में पाकिस्तान टीम को न्यूजीलैंड के हाथों वनडे सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान क्रिकेट टीम बेहद खराब दौर से गुजर रही है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले रिजवान को पाकिस्तान टीम का कप्तान बनाया गया था, लेकिन उनकी कप्तानी में टीम लीग मैचों में ही हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी।

आईपीएल में खेलने के लिए पीएसएल छोड़ने को तैयार पाकिस्तानी खिलाड़ी, अगले साल हो सकती है एंट्री

इस्लामाबाद, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग आईपीएल के साथ पाकिस्तान में पीएसएल का भी आगाज हो चुका है. कई विदेशी खिलाड़ी पहले ही पाकिस्तानी लीग से अपना नाम ले चुके हैं और उन्होंने आईपीएल को तरजीह दी है. इसमें साउथ अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश का नाम सबसे ज्यादा चर्चित है. लेकिन अब खुद पाकिस्तानी क्रिकेटर अपने देश की लीग छोड़कर भारत में खेलना चाहते हैं.

दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर और स्टार पेसर मोहम्मद आमिर ने पीएसएल के बजाय आईपीएल में खेलने की इच्छा जताई है. क्वेटा ग्लेडिएटर्स के लिए खेल रहे जब आमिर से हाल ही में पूछा गया कि अगर दोनों लीग एक साथ आयोजित की जाएं तो वो किसे प्राथमिकता देंगे? इसका उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया और आईपीएल को चुना.

आमिर ने पीएसएल और आईपीएल को लेकर क्या कहा?

क्वेटा ग्लैडिएटर्स के पॉडकास्ट पर आमिर से पूछा गया था कि "पीएसएल और आईपीएल दोनों एक ही समय में होते हैं और आप दोनों के लिए योग्य हैं तो किसमें खेलना पसंद करेंगे?" आमिर ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह आईपीएल को चुनेंगे. आमिर ने कहा, "ईमानदारी से कहूं तो अगर मुझे मौका मिला तो मैं आईपीएल में जरूर खेलूंगा. मैं यह बात खुले तौर पर कह रहा हूं. लेकिन अगर मुझे मौका नहीं मिला तो मैं पीएसएल में खेलूंगा."

अगले साल मिल सकती है एंट्री

आईपीएल में हो रहे क्रिकेट की क्वालिटी, यहां मिलने वाले पैसे, अनुभव और भव्यता को देखते हुए हर क्रिकेटर का सपना होता है कि वो इस टूर्नामेंट का हिस्सा बने. लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ी चाहकर भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेल सकते, क्योंकि उन पर बैन लगा हुआ है. लेकिन आमिर ने ना सिर्फ आईपीएल में खेलने की उम्मीद जताई है, बल्कि जुगाड़ भी लगा लिया है. दरअसल, कुछ दिन पहले आमिर ने पाकिस्तानी शो 'हारना मना है' पर खुलासा किया था कि वो आईपीएल 2026 में खेलने के लिए योग्य हो जाएंगे.

फिलहाल उनके पास पाकिस्तान की नागरिकता है, लेकिन अगले साल तक उन्हें ब्रिटिश नागरिकता मिल सकती है. इसके बाद अगर उन्हें मौका मिलता है तो वो जरूरत खेलेंगे. आपको बता दें कि आमिर की पत्नी का नाम नरजिस खातून है, जो ब्रिटिश नागरिक हैं. आमिर को भी उम्मीद है कि उन्हें भी जल्द ही ब्रिटेन का पासपोर्ट मिल सकता है, जिसके बाद वो आईपीएल में दस्तक दे सकते हैं. आमिर ने विराट कोहली की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने की इच्छा जताई थी. वो कोहली को काफी पसंद करते हैं. इसलिए वो उनके साथ एक बार खेलना चाहते हैं.

सरकार महिलाओं के लिए विशेष औद्योगिक पार्क स्थापित करेगी: श्रीधर बाबू

मंत्री ने फूड ए फेयर का ब्रोशर लॉन्च किया

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने घोषणा की कि ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने पर विशेष जोर देने के साथ, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं के लिए विशेष औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाएंगे। शनिवार को, मंत्री ने 12 से 14 जून तक हाईटेक्स में आयोजित होने वाले फूड ए फेयर के दूसरे संस्करण के लिए औपचारिक रूप से ब्रोशर लॉन्च किया। सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी का आयोजन राज्य सरकार, हाईटेक्स प्रदर्शनी और तेलंगाना खाद्य प्रसंस्करण सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खाद्य उत्पादक, प्रसंस्करण विशेषज्ञ, पैकेजिंग उद्योग के पेशेवर और शेफ इस कार्यक्रम में भाग लेंगे और विभिन्न क्षेत्रों में बौद्धिक चर्चाओं में शामिल होंगे। श्रीधर बाबू ने कहा कि जिस तरह तेलंगाना आईटी और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है, उसी तरह सरकार अब राज्य को कृषि और कृषि आधारित उद्योगों में भी अग्रणी स्थान दिलाने का लक्ष्य बना रही है। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करता है। इस क्षेत्र में पहले ही 16,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जा चुका है और परियोजनाएँ विकास के विभिन्न चरणों में प्रगति कर रही हैं। राज्य में वर्तमान में 7,150 एकड़ में फैले 14 विशेष खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि आगे चलकर टियर-2 और टियर-3 शहरों और कस्बों में ऐसी सुविधाएँ स्थापित करने को प्राथमिकता दी जाएगी। श्रीधर बाबू ने आगे उल्लेख किया कि तेलंगाना में पहले से ही 6,800 से अधिक सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ चालू हैं और सरकार इस क्षेत्र में नए और महत्वाकांक्षी उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगी। इस कार्यक्रम में राज्य उद्योग आयुक्त मालसूर, तेलंगाना खाद्य प्रसंस्करण निदेशक अखिल, फूड ए फेयर के आयोजक श्रीकांत, टीजी श्रीकांत और विशाला रेड्डी सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

बंडी संजय ने कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों पर निशाना साधा

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने आज कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों पर निशाना साधा और दोनों पार्टियों के पार्षदों को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने जीएचएमसी एमएलसी चुनाव में एमआईएम पार्टी के उम्मीदवार को वोट दिया तो पूरा हिंदू समुदाय एकजुट होकर अगले स्थानीय निकाय चुनाव में उन्हें हरा देगा। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे याद रखें कि कैसे हिंदू एकता यात्रा और हनुमान जयंती के अवसर पर पूरा हिंदू समुदाय एकजुट हुआ था और वोट देने से पहले सोचें। उन्होंने सभी पार्षदों से आग्रह किया कि वे वोट देने से पहले अपने-अपने संभाग के लोगों और अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को जानें।

श्रीधर बाबू को मुख्यमंत्री बनाने की इच्छा जताने में क्या गलत है: महेश

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने गांधी भवन में एक आश्चर्यजनक बयान देते हुए कहा कि भाजपा सांसद डी अरविंद की इस टिप्पणी में कुछ भी गलत नहीं है कि उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। उन्होंने कहा कि यदि श्रीधर बाबू और डी. अरविंद अच्छे मित्र थे तो इसमें क्या गलत है कि एक मित्र अपने मित्र को मुख्यमंत्री बनने की कामना करता है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की तरह उद्योग मंत्री ने भी राज्य के विकास में अहम भूमिका निभाई है। महेश कुमार गौड़ ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री और श्रीधर बाबू ने ही अपनी विदेश यात्राओं के दौरान राज्य में निवेश सुनिश्चित किया है।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि कांचा गच्चीबावली में 400 एकड़ जमीन गिरवी रखकर टीजीआईआईसी द्वारा बांड के माध्यम से जुटाए गए 10,000 करोड़ रुपये का इस्तेमाल फसल ऋण माफी और धान के लिए बोनस के लिए किया गया। उन्होंने दावा किया कि कांचा गच्चीबावली में 400 एकड़ जमीन सरकारी थी और इसे टीजीआईआईसी को 75 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से आवंटित किया गया था। उन्होंने स्वीकार किया कि बदले में टीजीआईआईसी ने आईसीआईसीआई बैंक के साथ मिलकर बांड के जरिए 10,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि तेलंगाना कांग्रेस ने किसानों को 10,000 करोड़ रुपये देने की पेशकश की है। इसे बर्दाश्त न कर पाने के कारण बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव एक अवांछित मुद्दा बना रहे हैं।

175 करोड़ रुपये के दुरुपयोग के बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि यह सब सफेद धन था। उन्होंने बताया कि यह एक आधिकारिक लेनदेन था। सरकार ने टेंडर इसलिए जारी किए क्योंकि लोन जुटाने के लिए एजेंसी की सेवाओं की जरूरत थी। उन्होंने बचाव करते हुए कहा कि एजेंसियों को काम पर रखना एक सामान्य प्रथा है और इसमें कोई घोटाला नहीं हुआ है जैसा कि रामा राव ने दावा किया है। विपक्षी दल दावा कर रहे हैं कि यह वन भूमि है और केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने दौरा किया और पाया कि भूमि में झाड़ियाँ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एआई द्वारा बनाई गई फर्जी तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल करके लोगों को भूमि के बारे में गुमराह किया जा रहा है। टीपीसीसी अध्यक्ष ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष को बीआरएस कार्यकाल के दौरान भूमि के विनाश और घोटालों पर बहस के लिए चुनौती दी। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि यदि 400 एकड़ में नई आईटी और कॉर्पोरेट कंपनियां आती हैं तो पांच लाख नौकरियां पैदा होंगी।

बारिश में टूटे बिजली के तार पर पैर रखने से किसान की मौत

संगारेड्डी, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलकल मंडल के मिनपुर थांडा में गुरुवार को भारी बारिश के दौरान टूटे बिजली के तार पर गलती से पैर रखने वाले एक किसान की शुक्रवार रात को करंट लगने से मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, गुरुवार को भारी बारिश और हवाओं के बाद गांव में कई जगहों पर ओवरहेड बिजली के तार टूट गए थे। किसानों की शिकायत के बाद, ट्रांसको अधिकारियों ने उन्हें बताया कि उन्होंने बिजली की आपूर्ति बंद कर दी है और सभी खंभे और लाइनें फिर से लगाने के बाद इसे बहाल कर दिया जाएगा। हालांकि, शुक्रवार तक कई जगहों पर तार जमीन पर ही रहे, जब पीड़ित रामावथ रमेश (33) शुक्रवार रात को ऐसे ही एक तार के संपर्क में आया, उसे पता नहीं था कि जमीन पर बिजली की आपूर्ति वाली एक बिजली की लाइन है। वह मौके पर ही करंट लगने से मर गया। जब किसान घर वापस नहीं लौटा तो ग्रामीणों ने उसे हर जगह तलाशा और शनिवार सुबह उसे खेत में मृत पाया। ग्रामीणों ने ट्रांसको अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की और पीड़ित परिवार के सदस्यों को 20 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की। रमेश के परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। ग्रामीण शव को स्थानीय सबस्टेशन पर ले जाकर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे थे।

विधानसभा में स्थापित करें फुले की प्रतिमा

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने तेलंगाना विधानसभा परिसर में महात्मा ज्योतिराव फुले की प्रतिमा स्थापित करने की अपनी मांग दोहराते हुए कहा कि जब तक लक्ष्य हासिल नहीं हो जाता, तब तक लड़ाई जारी रहेगी। नेकलेस रोड के पास फुले की प्रतिमा स्थापित करने की राज्य सरकार की योजना का स्वागत करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि विधानसभा में फुले की प्रतिमा सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का सच्चा प्रतीक होगी। वह मिंट कंपाउंड और बाद में कारवां में आयोजित फुले की जयंती समारोह में बोल रही थीं। कविता ने याद दिलाया कि उन्होंने तत्कालीन आंध्र प्रदेश में विधानसभा में डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के लिए संघर्ष किया था और इसमें सफल भी हुए थे। उन्होंने कहा कि यह कोई नया संघर्ष नहीं है। तेलंगाना जागृति हमेशा पिछड़े समुदायों के अधिकारों के लिए खड़ी रही है।

सिकंदराबाद स्टेशन से चेरलापल्ली तक विशेष ट्रेनों का अस्थायी स्थानांतरण

हैदराबाद, 12 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों और यातायात की भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने सिकंदराबाद से चर्लापल्ली तक विशेष ट्रेनों को अस्थायी रूप से स्थानांतरित करने की घोषणा की है। जिन ट्रेनों को अस्थायी रूप से सिकंदराबाद से चेरलापल्ली स्थानांतरित किया जाएगा उनमें सिकंदराबाद-अगरतला (28 अप्रैल से), अगरतला-सिकंदराबाद (2 मई से), सिकंदराबाद-मुजफ्फरपुर (1 मई से), मुजफ्फरपुर-सिकंदराबाद (29 अप्रैल से), सिकंदराबाद-संतरागाछी (29 अप्रैल से), संतरागाछी-सिकंदराबाद (30 अप्रैल से), सिकंदराबाद-दानापुर (26 अप्रैल से), दानापुर-सिकंदराबाद (28 अप्रैल से), हैदराबाद-रक्सौल (26 अप्रैल से) और रक्सौल-हैदराबाद (29 अप्रैल से) शामिल हैं। मौला अली 'सी' केबिन - अम्मुगुडा - सनतनगर (सिकंदराबाद - बेगमपेट - सनतनगर के बजाय) के माध्यम से सिकंदराबाद स्टेशन को छुए बिना डायवर्ट की गई ट्रेनें पूर्णा - तिरूपति और तिरूपति-पूर्णा हैं। चारलापल्ली - मौला अली 'जी' केबिन - दयानंद नगर-मेडचल (सिकंदराबाद - दयानंद नगर - मेडचल के बजाय) के माध्यम से सिकंदराबाद स्टेशन को छुए बिना ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है, जिसमें नांदेड़-इरोड साप्ताहिक और इरोड-नांदेड़ साप्ताहिक शामिल हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.